दैनिक

सुप्रभात रायपुर

आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 74 रायपुर, शुक्रवार, 27 मार्च 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ₹ 2.00 | RNI NO. CHH HIN/2001/05596

3 सीएम साय 28 को जशपुर...

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

मेन करैटर हूं मैं, कोनों में ... 9

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

आंध्र प्रदेश सड़क हादसे में 14 लोगों की मौत, 23 घायल

एजेंसी, मार्कापुरम। आंध्र प्रदेश के मार्कापुरम जिले में रायावरम के पास गुरुवार सुबह तेज रफ्तार टिप्पर (ट्रक) और निजी बस के बीच जोरदार टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। इस हादसे 14 यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि 23 घायल हैं। मार्कापुरम के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वी. हर्षवर्धन राजू ने बताया कि इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई है और चालक सहित 23 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह 6:00 से 6:30 बजे के बीच रायावरम गांव के पास हुई। 'हरिकृष्णा ट्रेवल्स' की निजी बस तेलंगाना के निर्मल से आंध्र प्रदेश के नेल्लोर की ओर जा रही थी।

मार्कापुरम के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा उस समय हुआ जब बस एक मोड़ ले रही थी। तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार टिप्पर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों में तुरंत आग लग गई, जिससे यात्रियों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला।

हादसे के वक्त बस में करीब 40 यात्री सवार थे। बस के अगले हिस्से में बैठे लगभग 10 यात्री किसी तरह जान बचाकर निकलने में सफल रहे, लेकिन पिछले हिस्से में बैठे लोग आग की लपटों में फंस गए।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों से बात कर स्थिति का जायजा लिया है। उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय विधायक कंदुला नारायण रेड्डी ने भी घटनास्थल का दौरा कर राहत कार्यों की समीक्षा की। पुलिस अभी भी मृतकों की पहचान करने और दुर्घटना के सटीक कारणों की जांच करने में जुटी है।

राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख
पीएमएनआरएफ से अनुग्रह राशि की घोषणा

एजेंसी, नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुए भीषण सड़क हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया, आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुई दुखद बस दुर्घटना के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने एक्स पर पोस्ट किया, 卐आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम जिले में हुआ दुखद बस हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। दुख की इस घड़ी में, मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों को संबल मिलने की प्रार्थना करता हूं।

प्रधानमंत्री कार्यालय के एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश के मार्कपुरम में हुई दुर्घटना अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति गहरी संवेदनाएं हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं।

संक्षिप्त समाचार

महाअष्टमी पर प्रधानमंत्री ने मां महागौरी से सुख, समृद्धि और आरोग्य की कामना की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चैत्र नवरात्रि की अष्टमी तिथि पर मां महागौरी के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, मां महागौरी के चरणों में कोटि–कोटि प्रणाम। उनकी दिव्य आभा हर किसी के जीवन में सुख–समृद्धि और आरोग्य लेकर आए।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने एक संस्कृत सुभाषितम् भी साझा किया,卐श्वेते वृषे समारूढा श्वेताम्बरधरा शुचिः।महागौरी शुभं दद्यान्महादेवप्रमोददा॥

समन्वय और शांति ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता : शिवराज

भोपाल। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इजरायल, ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि आज दुनिया के बड़े हिस्से में युद्ध के काले बादल छाए हुए हैं, लेकिन संघर्ष नहीं बल्कि समन्वय और शांति ही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान गुरुवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान पहुंचकर आगामी 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय वृहद उन्नत कृषि मेला की तैयारियों का जायजा लेने के लिए पहुंचे थे।

प्रधानमंत्री नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का कल करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मार्च को उत्तर प्रदेश के नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के फेज–1 का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री शनिवार को सुबह लगभग 11:30 बजे गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद दोपहर लगभग 12 बजे प्रधानमंत्री नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे और इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं पर लगेगी रोक : वैष्णव

एजेंसी, नई दिल्ली। देशभर में रेल पटरी पार करते समय होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए रेलवे अब मिशन मोड में काम करेगा। इस दिशा में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में अधिकारियों के साथ एक कार्यशाला आयोजित कर व्यापक निर्देश जारी किए।

रेल मंत्री ने कहा कि जहां रेलवे ट्रैक के एक ओर बस्ती और दूसरी ओर खेत, स्कूल, श्मशान या अन्य आवश्यक स्थान हैं, वहां लोगों की सुविधा के लिए विशेष प्रकार की रेल पुलियाएं (सबवे) बनाई जाएंगी। इन पुलियाओं का उद्देश्य आम लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराना है।

वैष्णव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पुलियाओं का डिज़ाइन ऐसा हो जिससे लोग बिना हिचकिचाहट के उनका उपयोग कर सकें। इनका निर्माण इस प्रकार किया जाएगा कि लोग साइकिल, मोटरसाइकिल और अन्य आवश्यक सामान के साथ आसानी से आ–जा सकें। यह पहल देश की बड़ी आबादी के लिए जीवनदायिनी साबित होगी।

रेलवे की योजना के अनुसार पुलियाओं का ढांचा पहले से तैयार किया जाएगा और बाद में साइट पर लाकर स्थापित किया जाएगा। स्थापना के दौरान रेलवे ट्रैक पर 卐ब्लॉक卐 लिया जाएगा, जिसके भीतर मात्र 12 घंटे में पटरी काटकर पुलिया फिट कर दी जाएगी और उसे उपयोग के लिए खोल दिया जाएगा।

देश के पास 60 दिन का तेल व गैस का पर्याप्त भंडार, अफवाहों पर न करें भरोसा : सरकार

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुरुवार को कहा कि देश के पास करीब 60 दिनों का पर्याप्त ईंधन भंडार है। पेट्रोल, डीजल या घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) की कोई कमी नहीं है। सरकार ने ईंधन की कमी की खबरों को अफवाह बताकर लोगों से भरोसा न करने को कहा है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारत में पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह से सुरक्षित और नियंत्रण में है। सभी खुदरा ईंधन आउटलेट्स पर पर्याप्त आपूर्ति उपलब्ध है। देश में कहीं भी पेट्रोल–डीजल या एलपीजी की कोई कमी नहीं है। मंत्रालय ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे जान–बूझकर चलाए जा रहे एक शरारतपूर्ण और सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान से गुमराह न हों, जिसका उद्देश्य बेवजह घबराहट फैलाना है।

मंत्रालय ने कहा कि देशभर में 1 लाख से ज्यादा रिटेल ईंधन आउटलेट खुले हैं और बिना किसी रुकावट के ईंधन दे रहे हैं। किसी भी आउटलेट से सप्लाई को सीमित करने के लिए नहीं कहा गया है। सभी पेट्रोल पंप पर पर्याप्त स्टॉक है। वे सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। पेट्रोल या डीजल की कोई राशनिंग नहीं की जा रही है। मंत्रालय ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों के परिशोधन के मामले में दुनिया में चौथे और पांचवां सबसे बड़ा निर्यातक भारत, घरेलू ईंधन की उपलब्धता को संरचनात्मक रूप से सुनिश्चित करता है। साथ ही 150 से ज्यादा देशों को परिष्कृत ईंधन की आपूर्ति करता है।

विकास की रफ्तार को कई गुना बढ़ा सकती है टेक्नोलॉजी: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि टेक्नोलॉजी विकास की रफ्तार को कई गुना बढ़ा सकती है। हमारी गति को प्रगति में बदल सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। बजट में टेक्नोलॉजी पर विशेष ध्यान देने का प्रयास किया है। पिछले नौ सालों में प्रदेश ने प्रत्येक क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) के गोरखपुर सेंटर के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जब हम तकनीक नहीं अपनाते, उससे परहेज करते हैं तो प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं। और, जब प्रतिस्पर्धा में नहीं होते हैं तो प्रगति की जगह दुर्गति की ओर जाते हैं। हमें प्रगति की ओर नहीं जाना है बल्कि प्रगति का अनुसरण करना है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमारे युवाओं में बहुत प्रतिभा है। उसकी प्रतिभा को जब हम टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ते हैं तो वह अपनी प्रतिभा को कई गुना तेजी के साथ आगे बढ़ाने में सफल होता है। यही कार्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों में देश में किया है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी भारत में है। यहां युवाओं में स्केल तो था, लेकिन उसे वर्ष 2014 के पहले की सरकारों ने महत्व नहीं दिया। स्केल को स्किल में बदलने का प्रयास नहीं किया, कोई प्लेटफार्म नहीं उपलब्ध करवाया। परिणाम था कि युवा हतोत्साहित होता था, पलायन करता था। युवाओं के मन में निराशा थी। पर, 2014 के बाद एक–एक करके हर एक क्षेत्र में परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसटीपीआई का गोरखपुर सेंटर गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा।

छिंदवाड़ा में दर्दनाक हादसा: ट्रक से टकराकर बस पलटी, 10 लोगों की दर्दनाक , कई की हालत गंभीर

एजेंसी, छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में ट्रक से टक्कर के बाद बस पलट गई, जिसमें 10 लोगों की मौत और कई घायल हुए हैं। बस में 40 से ज्यादा यात्री सवार थे। उमरानाला में हुए हादसे के बाद घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार शाम एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जहां ट्रक से टक्कर के बाद एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दुर्घटना में दस लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे में कुछ यात्रियों के हाथ कटने और कई के सिर फूटने जैसी गंभीर चोटें सामने आई हैं।कलेक्टर हरेंद्र नारायण ने मौतों की पुष्टि की है।

पुलिस के अनुसार, घटना शाम करीब साढ़े 6 बजे उमरानाला क्षेत्र में हुई। बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे और यह छिंदवाड़ा से उमरानाला की ओर जा रही थी। जानकारी मिली है कि बस में सवार अधिकांश लोग चौरई तहसील में आयोजित हितग्राही सम्मेलन से लौट रहे थे, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए थे। फिलहाल हादसे के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। घटना के तुरंत बाद पुलिस और डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची और राहत–बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

कलेक्टर ने कहा कि बस में 47 यात्री सवार थे। ये बस छिंदवाड़ा की तरफ से आ रही थी। सिमरिया के पास बस एक वाहन को ओवरटेक कर रही थी, तभी लहसुन से लदी एक पिकअप वाहन की आमने–सामने से भीषण भिंड़त हो गई। इस हादसे में पांच की हालत गंभीर बनी हुई है और 10 मौतों की जानकारी है।

कृषि मेला खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने, किसानों की आय बढ़ाने का महायज्ञ : शिवराज

एजेंसी, रायसेन। केन्द्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उन्नत कृषि मेला और प्रशिक्षण कार्यक्रम खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने, किसानों की आय बढ़ाने का महायज्ञ है। इसमें सभी की भागीदारी जरूरी है। यह मेला यहां की कृषि को एक नई दिशा देने का प्रयास है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान गुरुवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान पहुंचे थे। वे आगामी 11 से 13 अप्रैल 2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के तीन दिवसीय वृहद उन्नत कृषि मेला प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के बाद अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने आयोजन की तैयारियों का विधिवत शुभारंभ किया और कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर आयोजन की रूपरेखा अनुसार बैठक व्यवस्था, विभिन्न सत्रों के लिए स्थल, स्टॉल और तकनीकों के सजीव प्रदर्शन आदि के बारे में मप्र शासन के कृषि मंत्री एदल सिंह कंषाना, मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा जिले के प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पंवार, सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा केन्द्र और प्रदेश सरकार के वरिष्ठ कृषि अधिकारियों तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कार्यक्रम स्थल पर भारत सरकार के कृषि विभाग के संयुक्त सचिव संजय अग्रवाल, मप्र शासन के कृषि विभाग के प्रमुख सचिव निशांत बरबड़े, केन्द्रीय कृषि विभाग के निदेशक (किसान कल्याण एवं विस्तार) अविनाश लावनिया, मप्र मंडी बोर्ड के एमडी कुमार पुरुषोत्तम तथा कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा के साथ कार्यक्रम आयोजन के संबंध में विस्तृत चर्चा की।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने अधिकारियों को दिशा–निर्देश देते हुए कहा कि यह आयोजन क्षेत्र में कृषि की दिशा बदलने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कृषि मेला आयोजन की सभी तैयारियां समय से पूर्ण हो, किसानों तक कृषि मेला आयोजन और उसके उद्देश्यों की जानकारी पहुंचे, व्यापक प्रचार–प्रसार हो। किसानों तक यह जानकारी पहुंचना जरूरी है कि यह मेला, राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित हो रहा है, जिसमें किसानों के समक्ष खेती की विभिन्न उन्नत तकनीकों और पद्धतियों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि यह उन्नत कृषि मेला यहां की कृषि को एक नई दिशा देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि इस राष्ट्रीय स्तर के कृषि मेला और प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश ही नहीं, देश के अन्य राज्यों से भी प्रगतिशील किसान, कृषि वैज्ञानिक, कृषि उपकरण बनाने वाली कम्पनियों सहित कृषि क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहीं निजी कम्पनियां भी यहां आएगीं। उन्होंने बताया कि मेले में लगभग 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां किसानों को जानकारी दी जाएगी और सजीव प्रदर्शन भी होगा।

चौहान ने कहा कि किसानों को आय बढ़ाने के लिए परम्परागत खेती के अलावा फलों की खेती, फूलों की खेती, सब्जी की खेती, प्राकृतिक खेती, पशुपालन, बकरी पालन, मधुमक्खी पालन आदि अपनाना होगा। यहां आयोजित होने वाले मेले में इन सभी प्रदर्शन किया जाएगा। किसानों को तकनीकी जानकारी देने के साथ ही लाइव प्रदर्शन भी होगा। उन्होंने कहा कि उन्नत कृषि की कई नवीन पद्धतियां हैं, जिनका किसानों के समक्ष प्रदर्शन जरूरी है। तभी वह सीखेंगे और अपनाएंगे। मेले में उन्नत बीजों की जानकारी, कृषि पद्धति, रोगों की पहचान और उपचार, नकली उर्वरक या कीटनाशकों की पहचान, फसल कटने के बाद उसे सुरक्षित रखने, उपज का मूल्य कैसे बढ़ाएं, कच्चे माल की प्रोसेसिंग आदि इस प्रकार बीज से लेकर बाजार तक की जानकारी किसानों को दी जाएगी और तकनीकों का प्रदर्शन भी किया जाएगा।

मप्र के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कषाना ने कहा कि जब हमारा किसान आगे बढ़ेंगे तो देश खुशहाल होगा और जब देश खुशहाल होगा तो प्रदेश खुशहाल होंगे।

एसीएम कैडर के 6 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

कांकेर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव–कांकेर बॉर्डर डिवीजन के 5 नक्सली कैडर एवं मिलिट्री कंपनी नंबर–5 की एक महिला नक्सली सहित कुल 6 नक्सलियों ने आज गुरूवार को अपने साथ एक एसएलआर रायफल, दो 303 रायफल के साथ कांकेर एसपी कार्यालय में आत्मसमर्पण कर दिया है।

इसकी पुष्टि करते हुए कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने बताया कि कांकेर जिला अंतर्गत एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में आज राजनांदगांव–कांकेर बॉर्डर डिवीजन के 5 नक्सली कैडर में एसीएम मंगेश पोडियमी, एसीएम गणेश उइके, एसीएम राजे, एसीएम हिडमे मरकाम उर्फ सुनीता, एसीएम मंगती जुर्री और मिलिट्री कंपनी–5 की महिला नक्सली स्वरूपा उसेंडी ने हिंसा का मार्ग त्यागकर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है।

पुनर्वास के लिए आगे आए इन नक्सली कैडरों ने कुल 3 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया गया है, जिसमें 1 नग एसएलआर तथा 2 नग .303 राइफल शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उक्त 6 नक्सली कैडर जिन्होंने पुनर्वास का मार्ग चुना है, उनके सामाजिक मुख्यधारा में पुनः एकीकरण तथा हथियारों की औपचारिक सुपुर्दगी आदि की कार्रवाई संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात विस्तृत जानकारी साझा की जाएगी। उल्लेखनीय है कि सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर पिछले 26 महीनों में 2700 से अधिक नक्सली कैडर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं।

शिवसेना ने निकाली 351 मीटर लंबी चुनरी यात्रा, उमड़े भक्त

बागबाहरा, प्रतिदिन राजधानी

चैत्र नवरात्रि के सातवें दिन बागबाहरा नगर में भक्ति और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला। शिवसेना के बैनर तले दुर्गा मंदिर से चंडी माता मंदिर घुंचापाली तक निकाली गई चुनरी यात्रा ने पूरे इलाके को माता रानी के जयकारों से गुंजायमान कर दिया।

प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी यह यात्रा बड़े धूमधाम से निकाली गई, जिसमें 351 मीटर लंबी चुनरी माता के चरणों में चढ़ाई गई। डीजे की थिरकती धुनों पर झूमते-नाचते भक्तों ने नगर के मुख्य मार्गों को रंगीन बना दिया।

यात्रा की शुरुआत बागबाहरा नगर के दुर्गा मंदिर से हुई, जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंगल कलश स्थापित कर माता का आह्वान किया। लंबी चुनरी को कंधों पर उठाए भक्तगण)'जय माता दी)' और)'भारत माता की जय)' के नारों के बीच पैदल मार्च करते हुए घुंचापाली पहुंचे। यात्रा मार्ग पर नगर के विभिन्न स्थानों पर पानी, शरबत और जलपान की विशेष व्यवस्था की गई थी।

जगह-जगह स्थानीय निवासियों ने फूलों की वर्षा कर और स्वागत द्वार बनाकर यात्रा का हार्दिक स्वागत किया। सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता रखी गई, जिससे कोई अप्रिय घटना न घटे। इस भव्य आयोजन में छत्तीसगढ़ शिवसेना के प्रदेश प्रमुख धनंजय सिंग परिहार, रायपुर महानगर प्रमुख संजय नाग, वरिष्ठ शिवसैनिक सेवक दीवान, राधा रमन पांडे, हिमांशु शर्मा, प्रमोद साहू, हरीश यादव, इनकुमार लहरें, दुर्गेश गुप्ता, अमित शर्मा, बादल बंजारे, सुकेश चौधरी , सुरेश यादव, भूपेंद्र, तुकेश, देवशरण, पवन, प्रकाश मांझी, मुकेश चौहान, भीम, हरि, सिम्पल दुआ, मुनेंद्र, लक्की, प्रिंस सहित सैकड़ों ग्रामीण भक्तों ने हिस्सा लिया। शिवसेना महासमुंद जिला अध्यक्ष अजय बंजारे ने बताया, क्षेत्र वासियों के सुख, समृद्धि एवं शांति के लिए शिवसेना प्रतिवर्ष चैत्र नवरात्रि में सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ यह भव्य चुनरी यात्रा निकालती है। माता रानी की कृपा से हमारा क्षेत्र हमेशा खुशहाल बना रहे।

पेट्रोल-डीजल के लिए लंबी कतारें

बेमेतरा, प्रतिदिन राजधानी

ईरान और इजराइल के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध का असर अब जिले की सड़कों पर भी दिखाई देने लगा है। बेमेतरा जिले में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता को लेकर असामान्य मांग की स्थिति सामने आई है। स्थानीय स्तर पर ईंधन की बढ़ती खरीद के कारण कई पेट्रोल पंपों पर दबाव बढ़ने की जानकारी मिल रही है।

हालत यह है कि जो लोग सामान्य दिनों में अपनी दैनिक आवश्यकता के अनुसार 100 या 200 का ईंधन भरवाते थे, वे अब भविष्य की असुरक्षा के डर से 500 से 1500 तक का पेट्रोल डलवा रहे हैं। घबराहट का आलम है कि लोग अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल करने के साथ-साथ घरों में सुरक्षित रखने के लिए 20 से 50 लीटर के प्लास्टिक केन लेकर पंपों पर पहुंच रहे हैं, जिससे संकट और गहरा मचा है।

स्थानीय लोगों और पंप संचालकों के अनुसार, हाल के दिनों में वैश्विक परिस्थितियों और ईंधन की कीमतों को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के बाद उपभोक्ताओं द्वारा सामान्य से अधिक मात्रा में पेट्रोल-डीजल खरीदा जा रहा है। कई उपभोक्ता अपनी आवश्यकता से अधिक ईंधन भरवा रहे हैं, वहीं कुछ लोग अतिरिक्त भंडारण के लिए केन का भी उपयोग कर रहे हैं।

50 लीटर वाले केन में भी भरवा रहे

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, जिले में पेट्रोल की औसत दैनिक खपत लगभग 1.10 लाख लीटर बताई जाती है, जो बढ़कर करीब 1.40 लाख लीटर प्रतिदिन तक पहुंचने का अनुमान है। जिले में संचालित पेट्रोल पंपों पर इस बढ़ी हुई मांग का असर देखा जा रहा है।

शहर के कुछ पेट्रोल पंपों पर सीमित उपलब्धता के कारण उपभोक्ताओं की कतारें देखी गईं। कुछ स्थानों पर डीजल उपलब्ध नहीं होने और केवल पेट्रोल मिलने की जानकारी भी सामने आई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पंप कर्मचारियों को व्यवस्था बनानी पड़ी और कुछ स्थानों पर पुलिस की सहायता ली गई।

सूत्रों के अनुसार, आपूर्ति से जुड़े व्यावसायिक कारणों, जैसे डीलरों से भुगतान की शर्तों, का भी असर सप्लाई पर पड़ सकता है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि संबंधित कंपनियों की ओर से नहीं की गई है। जिला खाद्य अधिकारी ओमकार ठाकुर ने कहा है कि पेट्रोल पंपों की निगरानी उनके विभाग के दायरे में नहीं आती। वहीं उपभोक्ताओं ने बढ़ती मांग और सीमित आपूर्ति के कारण असुविधा होने की बात कही है। कतार में खड़े उपभोक्ताओं जैसे मोहन वर्मा, बैसाखु यादव, राजकुमार ने वर्तमान व्यवस्था पर कड़े प्रहार किए हैं। उनका कहना है कि जिम्मेदारों के उदासीनता के कारण आम आदमी को हर बुनियादी चीज के लिए कतारों में लगाना पड़ रहा है। पहले डीएपी खाद के संकट ने किसानों को रुलाया, अब पेट्रोल-डीजल की मारामारी में आम जनता का जीना दूभर कर दिया है। शहर के कुछ पंपों पर सीमित समय के लिए ईंधन उपलब्ध नहीं होने की स्थिति भी बताई गई, जिसके चलते उपभोक्ताओं को इंतजार करना पड़ा।

मगरलोड-भखारा में भूमिहीन कृषि मजदूरों को मिली राशि, कुरुद का पता नहीं

कुरुद, प्रतिदिन राजधानी

दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना के अंतर्गत धमतरी जिले के 23,107 भूमिहीन कृषि मजदूरों के बैंक खातों में 23 करोड़ 10 लाख 70 हज़ार रुपये प्रति हितग्राही 10 हजार रुपये की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से ऑनलाइन अंतरित की गई। यह सहायता राशि प्रतिवर्ष प्रदान की जाती है, ताकि भूमिहीन कृषि श्रमिकों को आर्थिक सुरक्षा एवं स्थायित्व प्राप्त हो सके।

जनपद पंचायत मगरलोड के सभागार में दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना अंतर्गत हितग्राहियों को राशि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद अध्यक्ष विरेन्द्र साहू ने पात्र हितग्राहियों को बताया कि राज्य सरकार गरीब, किसान और मजदूर वर्ग के कल्याण के लिए लगातार संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा

कि शासन की मंशा है कि हर जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और समाज का अंतिम व्यक्ति भी विकास की मुख्यधारा से जुड़े। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष

रोहित मोहन साहू, शत्रुघन साहू, मुरली सिन्हा, रामचन्द्र साहू, सीईओ दिव्या ठाकुर तहसीलदार मनोज भारद्वाज सहित अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे। इसी प्रकार भखारा 25 मार्च को तहसील सभा कक्ष में वर्चुअल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील क्षेत्र के 3145 भूमिहीन मजदूरों के खाते में राशि अंतरित की गई। इस अवसर पर कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा संचालित 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' प्रदेश के गरीब एवं भूमिहीन परिवारों के लिए एक ऐतिहासिक पहल है।

उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से सीधे हितग्राहियों के खातों में राशि अंतरित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा रहा है। श्री जैन ने उपस्थित हितग्राहियों से आग्रह किया कि वे शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएं। तहसीदार भूपेश चंद्राकर ने बताया कि प्रदेश सरकार कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। 'दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना' ऐसे परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिनके पास स्वयं की भूमि नहीं है। उन्होंने कहा कि यह योजना समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के उद्देश्य को साकार कर रही है। कार्यक्रम में नायब तहसीलदार विनोद बंजारे, पार्षद अंजू साहू, कुशराज सोन, शेखर सिन्हा सहित बड़ी संख्या में हितग्राही एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस सबंध में जब कुरुद तहसील क्षेत्र में इस योजना के तहत लभान्वित हितग्राहियों की जानकारी जुटाने के लिए एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ, जनपद अध्यक्ष को उनके नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो इनमें से किसी ने भी फोन रिसिव नहीं किया। जिससे लगता है कि शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए जिम्मेदार लोग कितने सजग हैं।

ठेले-दुकान के आसपास गंदगी मिली तो होगा जुर्माना

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

नगर पालिका ने शहर की स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की है। इसका उद्देश्य सभी फुटकर बॉडी, स्ट्रीट वेंडर्स को उचित कचरा प्रबंधन के महत्व के प्रति जागरूक करना है। इस अभियान के तहत नीला डस्टबिन सूखे कचरे और हरा डस्टबिन गीले कचरे के लिए निर्धारित किया गया है। इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने बताया कि यदि किसी ठेले या दुकान के आसपास कचरा या गंदगी पाई जाती है तथा डस्टबिन उपलब्ध नहीं होता है तो विक्रेता पर जुर्माना लगाया जाएगा। श्री साहू ने कहा है कि शहर की स्वच्छता में योगदान देने के लिए स्ट्रीट महत्वपूर्ण है। सही कचरा प्रबंधन और स्वच्छता से ही हम एक स्वस्थ और सुंदर शहर की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

शहीदी दिवस पर याद किए गए सुखदेव-भगतसिंह-राजगुरु

महासमुंद, प्रतिदिन राजधानी

आस्था साहित्य समिति महासमुंद ने 23 मार्च शहीदी दिवस के अवसर पर अमर शहीद सुखदेव, भगत सिंह व राजगुरु को स्मरण करते हुए याद करो कुर्बानी के रुप में काव्यांजलि समर्पित की। अध्यक्षता करते हुए आनंद तिवारी पौराणिक ने श्रीमती एस चंद्रसेन के निवास स्थान

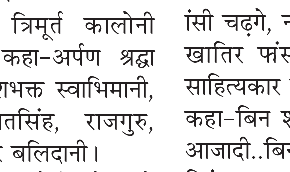

जीवन सदन त्रिमूर्त कालोनी महासमुंद में कहा-अर्पण श्रद्धा सुमन तुम्हें..देशभक्त स्वाभिमानी, सुखदेव, भगतसिंह, राजगुरु, अमर क्रांतिवीर बलिदानी।

काव्य गोष्ठी को आगे बढ़ाते हुए सरिता तिवारी ने कहा कि फूल आज उदास है ..बात कुछ खास है, जब तक उपयोगी है तब तक खास है। एस.चंद्रसेन ने देश के खातिर बलिदान हुए,कहें सुने उनकी कहानी... आज पावन पुण्य तिथि पर चलो याद करें कुर्बानी।

कार्यक्रम का अपने अंदाज में संचालन करते हुये टेकराम सेन चमक ने कहा कि तेरे आंगन को किलकारियों से फिर महकाऊंगा... तू घबरा मत मां,मैं फिर आऊंगा। अपने सुमधुर आवाज में काव्य पाठ करते हुए सुरेन्द्र अग्निहोत्री आगी ने कहा कि मोर भारत के दुलरवा बेटा फांसी चढ़गे, नए भारत के आजादी खातिर फांसी चढ़गे न। वरिष्ठ साहित्यकार डा. साधना कसार ने कहा-बिन शहादत कहां मयस्सर आजादी..बिन जोश कहां फहरता तिरंगा।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के आसंदी से शिक्षाविद् व साहित्यप्रेमी के आर चंद्राकर ने कहा कि अमर शहीद हमारे आजादी के सूत्रधार है।

जूटमिल प्रबंधन सहित दर्जनभर बकायेदारों ने जमा किया संपत्ति कर

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे विशेष प्रॉपर्टी, वाटर टैक्स एवं यूजर चार्ज वसूली अभियान का असर अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। निगम की सख्ती और लगातार की जा रही कार्रवाई के चलते जूटमिल प्रबंधन समिति सहित दर्जनभर से अधिक बड़े बकायेदारों ने आगे आकर अपना बकाया संपत्ति कर जमा किया है।

जूटमिल प्रबंधन द्वारा 26,38,418 रुपए की बड़ी राशि जमा की गई। इसके अलावा वार्ड क्रमांक 41 की सुशीला देवी, पवन अग्रवाल द्वारा 89, 602 रूपए, वार्ड क्रमांक 23 के राधेश्याम अग्रवाल द्वारा 2,04,199 रुपए, वार्ड क्रमांक 5 के एस एस बिल्डर द्वारा 79,802 रुपए, मोदी कंपलेक्स के संचालक द्वारा 1,07,924 रुपए, शांति बाई दृ धीरज कुमार द्वारा 56,255 रुपए, साईं श्रद्धा होटल संचालक द्वारा 1,00,000 रुपए, वार्ड 5 के बसंत कुमार गोविंद अग्रवाल द्वारा 1,00,000 रूपए, बैजनाथ, पूनम चंद्र अग्रवाल द्वारा 90,4,09 रूपए तथा वार्ड क्रमांक 45 के कैलाश शर्मा द्वारा 77,804 रूपए की राशि संपत्ति कर के रूप में जमा की गई। निगम की राजस्व टीम द्वारा बड़े बकायेदारों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई करते हुए उन्हें नोटिस जारी किए जा रहे हैं, तथा व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर संपत्ति समेकित जलकर एवं यूजर चार्ज जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि बड़ी संख्या में बकायेदार स्वयं आगे आकर कर जमा कर रहे हैं। अवकाश के दिन भी टैक्स जमा की सुविधा नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय ने बताया कि राजस्व वसूली को प्राथमिकता देते हुए निगम कार्यालय में सप्ताह के सातों दिन, यहां तक कि अवकाश के दिनों में भी, कार्यालय समय पर टैक्स जलकर, समेकित कर, यूजर चार्ज एवं दुकान किराया समय पर जमा करें, जिससे अतिरिक्त सरचार्ज एवं दंडात्मक कार्रवाई से बचा जा सके।

चेंबर ऑफ़ कॉमर्स की बैठक

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज बलौदाबाजार इकाई की बैठक आयोजित की गई। बैठक में चेंबर के नवनियुक्त पदाधिकारी, पूर्व कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान व्यापार एवं व्यापारियों के हितों से जुड़े विभिन्न विषयों पर गहन विचार विमर्श किया गया। साथ ही नवगठित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। सभी सदस्यों की सर्वसमिति से निर्णय लिया गया कि नवनियुक्त पदाधिकारी का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 12 अप्रैल को जिला ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। बैठक में चेंबर को और अधिक सशक्त बनाने तथा व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया गया।

टीबी हारेगा देश जीतेगा नारे के साथ मनाया विश्व क्षय दिवस

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व क्षय रोग दिवस जिले में मनाया गया। रोग के प्रति समुदाय में जन जगरूकता के प्रसार हेतु विविध कार्यक्रम किये गए। इसमें नर्सिंग कॉलेज के छात्रों द्वारा नुक्कड़ नाटक, स्कूल में परिचर्चा ,रोग से लड़ने बाबत शपथ सहित उपचाररत मरीजों की काउंसिलिंग सेशन भी आयोजित हुए कार्यक्रम में टीबी रोग के फैलने के कारण,लक्षण ,उपचार सहित निक्षय मरीजों को परामर्श के माध्यम से उन्हें नशा न करने,दवाई समय पर खाने और पूरा कोर्स करने की सलाह दी गई ।

महिला उद्यमियों को मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस का प्रशिक्षण

बलौदाबाजार, प्रतिदिन राजधानी

केंद्र सरकार की रैम्प योजना के अन्तर्गत सीएसआईडीसी छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में चॉइस कंसल्टेंसी सर्विसेज द्वारा मंगलवार को जनपद पंचायत सभाकक्ष कसडोल में मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने, उन्हें बाजार से जोड़ने, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बाजार विस्तार के अवसर प्रदान करने के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यशाला के दौरान महिला उद्यमियों हेतु उपलब्ध मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस योजनाएं, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरीय मेलों व प्रदर्शनी में भागीदारी की प्रक्रिया, उत्पाद ब्राडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग सुधार, गुणवत्ता प्रमाणन एवं मानकीकरण का महत्व, मार्केट लिंकज के अवसर, ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री विस्तार, सरकारी सहायता एवं अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया बताई गई ।

मार्केट डेवलपमेंट असिस्टेंस योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, प्रदर्शनी एवं मेलों में भागीदारी, ब्रांड प्रमोशन और निर्यात

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, दिनांक 26.02.2016 को श्री मुरारी लाल चन्द्राकर पिता श्री गैंदलाल चन्द्राकर निवासी पुरानी बस्ती रायपुर छ.ग. के द्वारा एक किता खुली भूमि जिसका खसरा नबंर 710/10, का भाग रकबा 0.150 हेक्टेयर वाके मौजा गुमा, प.ह.नं. 32, रायपुर तह. व जिला रायपुर में स्थित भूमि को श्री अखिल विस्वास पिता श्री खगेन्द्र विस्वास निवासी एकता नगर गुढियारी रायपुर छ.ग. के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया था।

उसके पश्चात् श्री अखिल विस्वास ने उपरोक्त संपत्ति को ईर्स्टन वायर प्रोडेक्ट, प्रोपाईटर श्री भीम कुमार बजाज रायपुर के पक्ष में विक्रय कर दिया जिसका पंजीयन उपजीयक कार्यालय रायपुर में दिनांक 14.07.2023 को किया गया है।

यह कि उपरोक्त विक्रय विलेख दिनांक 26.02.2016, की मूल प्रति कहीं गूम हो गई है, तथा बहुत प्रयास के बाद भी नहीं मिल रही है। जिसकी प्रथम सूचना संबंधित थाना खम्हारडीह रायपुर को दिनांक 21.03.2026 को दी गई है।

यह कि उपरोक्त संपत्ति को बंधक रखकर ईर्स्टन वायर प्रोडेक्ट, प्रोपाईटर श्री भीम कुमार बजाज रायपुर के द्वारा ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन मेरे पक्षकार आईसीआईसीआई बैंक लिम. सिविल लाईन रायपुर में प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त गुम हुए विक्रय विलेख दिनांक 26.02.2016 एवं उपरोक्त संपत्ति के संबध में किसी भी व्यक्ति या बैंक, वित्तीय या गैर वित्तीय संस्था या कोई अन्य किसी भी प्रकार का हक दावा संबंधी कोई अपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के अन्दर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज के उपस्थित होकर अपत्ति करे म्याद अवधि के पश्चात् कोई भी दावा अपत्ति शुन्य व अवैध मानी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जाने ।

रायपुर छ.ग.
दिनांक 25.03.2026

भवदीय
विजय राठौर, अधिवक्ता
ऑफिस :- भारत गैस गोडउन के पीछे लक्ष्मी नगर, पचपेडी नाका, रायपुर छ.ग.
मो.- 9425202167

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)

मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./29772/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 26/03/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29772
वार्ड का नाम -70- संत रविदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR870I00591 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती NARESH BAJAJ पिता/पति श्री/श्रीमती MOTI LAL BAJAJ के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. AMBRISH YADAV S/O CHANDRAMA SINGH YADAV 2. CHITRE YADAV W/O AMBRISH YADAV, पिता/पति श्री/श्रीमती ... ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)

मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./29773/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 26/03/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29773
वार्ड का नाम -69- माधवराव सप्रे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 69 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568B01150 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MEENA DEVI KASHYAP पिता/पति श्री/श्रीमती SOMNATH KASHYAP के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती NITESH YADAV पिता/पति श्री/श्रीमती DURGA PRASAD ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.10)

-: अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर:-
ई-मेल:- rmczone10@gmail.com

पत्र क्रं. / 29519/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 10/2026
रायपुर दिनांक 26/03/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29519
वार्ड का नाम - 52 - डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 52 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR446J00894 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती BHANUMATI PITRODA पिता/पति श्री/श्रीमती DAYAL PITRODA के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्री दयाल भाई पित्रोडा पिता/पति श्री/श्रीमती पिता स्व. श्री फुलचंद पित्रोडा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार, टैक्स, मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, सहमति पत्र / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 10
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// सूचना-पत्र //

क्रमांक/क/वाचक / ना. तह. / 2025-2026
रायपुर दिनांक 18/03/2026

प्रति,
सिध्दांत इन्फास्ट्रक्चर प्राई. लिमि.
विजय कुमार केला
मेसर्स पूर्वा बिल्डकॉन

विषय:- राजस्व मामला क्रमांक / /अ-6/वर्ष 2025-2026 पक्षकार श्रीमती उषा दामोदार ठाकरे विरूद्ध शासन ग्राम चंगोराभाठा प.ह.नं. 59, तहसील व जिला रायपुर में पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित होने बाबत्।

विषयांकित संबंध में लेख है कि आवेदिका श्रीमती उषा दामोदार ठाकरे पति श्री दामोदार ठाकरे निवासी त्रिमुर्ति चौक, सुंदर नगर, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.), द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम चंगोराभाठा प.ह.नं. 59, तहसील व जिला रायपुर में स्थित खसरा नंबर 221/1,2,3,4,6,8,10,11, का भाग प्लॉट क्रमांक-ए/31, का रकबा 770 वर्गफुट भूमि है वर्तमान में राजस्व अभिलेख पर विक्रेतो का नाम दर्ज है उपरोक्त वर्णित भूमि को आवेदक ने विक्रेता मेसर्स पूर्वा बिल्डकॉन द्वारा पार्टनर श्री रामनारायण मिश्रा पिता स्व. शंकर मिश्रा निवासी लाखे नगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 25.05.2010 के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। जो कि उप पंजीयक कार्यालय रायपुर में पु.कं. अ-1 ग्रंथ क्रमांक 47448 दस्तावेज क्रमांक 1095 पृष्ट क्रमांक 95 से 04 देकर विधिवत पंजीकृत किया गया है उपरोक्त वर्णित परिवर्तित भूमि को पूर्व में सिंध्दांत इन्फास्ट्र. प्राई. लिमि. के द्वारा विजय कुमार केला को विक्रय किया गया पश्चात विजय कुमार केला द्वारा मेसर्स पूर्वा बिल्डकॉन को विकय किया गया पश्चात अंतिम / वर्तमान में श्रीमती उषा दामोदार ठाकरे / आवेदक द्वारा मेसर्स पूर्वा बिल्डकॉन से क्रय किया गया, यह उल्लेखित करना आवश्यक है कि पूर्व के पंजीकृत क्रेतागण द्वारा अपने नाम पर नामांतरण नही किये जाने के कारण वर्तमान में राजस्व अभिलेख में सिध्दांत इन्फास्ट्रक्चर प्राई. लिमि. का नाम दर्शित है अतः उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपना नाम भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है। उक्त प्रकरण में आवेदित भूमि के विक्रेता / वर्तमान भूमिस्वामी है, इसलिए आपको सूचित किया जाता है कि आप प्रकरण में नियत सुनवाई दिनांक 06/04/2026 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा प्रकरण में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से

मुहर

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// सूचना-पत्र //

क्रमांक/क/वाचक / ना. तह. / 2025-2026
रायपुर दिनांक 18/03/2026

प्रति,
सिध्दांत इन्फास्ट्रक्चर प्राई. लिमि.
विजय कुमार केला
मेसर्स पूर्वा बिल्डकॉन

विषय:- राजस्व मामला क्रमांक / /अ-6/वर्ष 2025-2026 पक्षकार श्री मुकेश्वर प्रसाद वर्मा विरूद्ध शासन ग्राम चंगोराभाठा प.ह.नं. 59, तहसील व जिला रायपुर में पक्ष समर्थन हेतु उपस्थित होने बाबत्।

विषयांकित संबंध में लेख है कि आवेदक श्री मुकेश्वर प्रसाद वर्मा पिता श्री लखन लाल वर्मा निवासी टेकरी पो. मांढर कॉलोनी, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.), द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि ग्राम चंगोराभाठा प.ह.नं. 59, तहसील व जिला रायपुर में स्थित खसरा नंबर 221/1,2,3,4,6,8,10,11, का भाग प्लॉट क्रमांक-बी/19, बी/20 का रकबा 750 वर्गफुट भूमि है वर्तमान में राजस्व अभिलेख पर विक्रेतो का नाम दर्ज है उपरोक्त वर्णित भूमि को आवेदक ने विक्रेता मेसर्स पूर्वा बिल्डकॉन द्वारा पार्टनर श्री रामनारायण मिश्रा पिता स्व. शंकर मिश्रा निवासी लाखे नगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) से पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 15.03.2011 के माध्यम से क्रय कर स्वामित्व एवं आधिपत्य प्राप्त किया है। जो कि उप पंजीयक कार्यालय रायपुर में पु.कं. अ-1 ग्रंथ क्रमांक 50019 दस्तावेज क्रमांक 9795 पृष्ट क्रमांक 31 से 52 देकर विधिवत पंजीकृत किया गया है उपरोक्त वर्णित परिवर्तित भूमि को पूर्व में सिद्धांत इन्फास्ट्र. प्राई. लिमि. के द्वारा विजय कुमार केला को विक्रय किया गया पश्चात विजय कुमार केला द्वारा मेसर्स पूर्वा बिल्डकॉन को विक्रय किया गया पश्चात अंतिम वर्तमान में मुकेश्वर प्रसाद वर्मा/आवेदक द्वारा मेसर्स पूर्वा बिल्डकॉन से क्रय किया गया, यह उल्लेखित करना आवश्यक है कि पूर्व के पंजीकृत क्रेतागण द्वारा अपने नाम पर नामांतरण नही किये जाने के कारण वर्तमान में राजस्व अभिलेख में सिध्दांत इन्फास्ट्रक्चर प्राई. लिमि. का नाम दर्शित है अतः उक्त क्रय भूमि को पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर आवेदक अपना नाम भूमिस्वामी हक में दर्ज किये जाने हेतु निवेदन किया है। उक्त प्रकरण में आवेदित भूमि के विक्रेता / वर्तमान भूमिस्वामी है, इसलिए आपको सूचित किया जाता है कि आप प्रकरण में नियत सुनवाई दिनांक 06/04/2026 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें अन्यथा प्रकरण में आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही किया जावेगा।

आज दिनांक 18/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से

मुहर

नायब तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

सीएम साय 28 को जशपुर में श्रमिकों के बैंक खाते में 27.15 करोड़ की राशि करेंगे अंतरित

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य में शनिवार 28 मार्च को दोपहर 01 बजे जिला मुख्यालय जशपुर के वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में जिला स्तरीय श्रमिक सम्मेलन आयोजित होगा। मुख्यमंत्री द्वारा श्रम विभाग के अंतर्गत 12 विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत 79,340 निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिजनों को 27.15 करोड़ रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित किया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश की श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन करेंगे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद राधेश्याम राठिया, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ. राम प्रताप सिंह सहित अन्य जन प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मंडल के सचिव गिरीश रामटेके ने बताया कि दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के अंतर्गत 14 हितग्राहियों को 14 लाख 32 हजार रुपए, मिनीमाता महतारी

जतन योजना के अंतर्गत 1960 श्रमिकों को 3 करोड़ 92 लाख रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के तहत 297 श्रमिकों को 44 लाख 55 हजार रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना के अंतर्गत 20 हितग्राहियों को 20 लाख रुपए, मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के तहत 325 श्रमिकों के बच्चों को 38 लाख 88 हजार 374 रुपए, मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के अंतर्गत 3040 श्रमिकों को 6 करोड़ 08 लाख रुपए, मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के तहत 71220 श्रमिकों के बच्चों को 14 करोड़ 53 लाख 96 हजार 500 रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना के अंतर्गत 1142 श्रमिकों को 39 50 हजार 624 रुपए, मुख्यमंत्री श्रमिक सियान सहायता योजना के तहत 526 हितग्राहियों को 1 करोड़ 52 लाख रुपए, मुख्यमंत्री सायकल सहायता योजना के अंतर्गत 784 श्रमिकों को 29 लाख 04 हजार 082 रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक आवास सहायता योजना के अंतर्गत 9 हितग्राहियों को 9 लाख रुपए, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक दीर्घायु सहायता योजना के अंतर्गत 3 श्रमिकों को 60 हजार रुपए अंतरित किए जाएंगे।

पोस्ट ऑफिस में नौकरी घोटाले मामले में साक्षी सिंह गिरफ्तार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर। कमिश्नरेट के DCP सेंट्रल जोन की कार्रवाई में फर्जी एमबीबीएस और बी.ए.एम.एस. डिग्री तथा पोस्ट ऑफिस के विभिन्न पदों में नौकरी देने के नाम पर 2 करोड़ 34 लाख रुपये की धोखाधड़ी मामले में एक अन्य आरोपी साक्षी सिंह को गिरफ्तार किया गया। इस गिरफ्तारी का आधार पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और उनके लिंकेजेस से प्राप्त जानकारी थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी साक्षी सिंह ने दिल्ली में अपने वर्तमान पते पर रहते हुए एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर पुणे के डी. वाई. पाटिल विश्वविद्यालय से फर्जी एमबीबीएस और बी.ए.एम.एस. डिग्री तैयार कर अन्य आरोपियों को प्रदान करने की बात स्वीकार की। आरोपी के कब्जे से 03 नग मोबाइल फोन भी जब्त किए गए, जो इस घोटाले में उपयोग किए गए थे।

यह घोटाला 17 फरवरी 2026 को संजय निराला द्वारा थाना सिविल लाइन में रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद उजागर हुआ था। प्रार्थी ने बताया कि भुनेश्वर बंजारे, नरेश मनहर, हीरा दिवाकर, राकेश रात्रे और अन्य ने उन्हें और उनके रिश्तेदारों को पोस्ट ऑफिस में नौकरी लगाने और फर्जी सर्टिफिकेट देने का झांसा देकर कुल 2.34 करोड़ रुपये हड़पे, लेकिन किसी को सिविल लाइन में अपराध क्रमांक 96/2026 के तहत धारा 318(4), 335, 336(2), 338(3), 340(1), 340(2), 3(5), 111 बी.एन.एस. के तहत मामला दर्ज किया गया।

पूर्व में इस मामले में चार आरोपियों - भुनेश्वर बंजारे, नरेश मनहर, हीरा दिवाकर और राकेश रात्रे - को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कमर्शियल एलपीजी वितरण के लिए प्राथमिकता श्रेणियां तय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश में गैस की उपलब्धता एवं वितरण प्रणाली के संबंध में ऑयल कंपनियों के क्षेत्रीय प्रबंधकों के साथ खाद्य विभाग की सचिव रीना बाबा साहब कंगाले ने समीक्षा बैठक ली। बैठक में एलपीजी की उपलब्धता, वितरण प्रणाली एवं उपभोक्ता संस्थानों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ता संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को विगत माह की कुल खपत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही एलपीजी प्रदाय किया जाएगा। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में 25 दिवस तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिवस के भीतर एलपीजी रिफिल की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके। जिला प्रशासन को सभी एलपीजी वितरकों के कार्यालय एवं गोदामों में पुलिस एवं होमगार्ड के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे भीड़भाड़ एवं अव्यवस्था की स्थिति न बने। साथ ही वितरकों को अपने दूरभाष नंबर सक्रिय रखने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उपलब्ध स्टॉक को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संस्थानों के लिए प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सालय, सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल, होटल, समाज कल्याण विभाग के संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैंटीन, शासकीय कार्यालय, गेस्ट हाउस, पशु आहार उत्पादक इकाइयां तथा रेस्टोरेंट शामिल हैं।

नि:शुल्क कोचिंग कर 20 छात्रों ने सीजी पीएससी प्री परीक्षा में हासिल की कामयाबी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिला प्रशासन द्वारा संचालित अभिनव पहल 'मावा मोदोल' (मेरा मूल मेरा भविष्य) नि:शुल्क कोचिंग ने एक बार फिर अपनी प्रभावशीलता सिद्ध करते हुए उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। यहां अध्ययनरत विद्यार्थियों ने सीजी पीएससी की प्रारंभिक परीक्षा 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 20 छात्र-छात्राओं ने सफलता प्राप्त की है, जो जिले के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय बन गया है।

कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर की विशेष पहल पर दूरस्थ एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए नि:शुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण कोचिंग सुविधा प्रदान की जा रही है।

जिला मुख्यालय कांकेर एवं विकासखंड मुख्यालय भानुप्रतापपुर में संचालित इस कोचिंग में पिछले एक वर्ष से विद्यार्थी नियमित अध्ययन कर रहे थे। अब इसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। मावा मोदोल की भानुप्रतापपुर शाखा से 12 छात्र-छात्राओं तथा कांकेर शाखा से 08 छात्र-छात्राओं ने प्रारंभिक परीक्षा में कामयाबी हासिल की है। इनमें भानुप्रतापपुर शाखा से उत्तीर्ण विद्यार्थियों में श्रीमती शिल्पा नुरेटी, कु. छबिलता देहारी, भावेश करंगा, रामगुलाल, कु. रजोतिन, राहुल ठाकुर, डेनियल वर्मा, गजेंद्र सोनवानी, लोचन प्रसाद देवांगन, कु. नेहा कोरेटी, दीप मल्लिका चुरेंद्र एवं कमल राम ठाकुर (नायब तहसीलदार) शामिल हैं। वहीं, कांकेर शाखा से उत्तीर्ण विद्यार्थियों में सुभाष नेताम, वीरेंद्र टंडन, प्रतिभा कुंजाम, प्राची वासनीकर, तुषार शेंडे (टेस्ट सीरीज लाभार्थी), दिलीप कुमार मार्कण्डेय, नीरज कुमार साहू एवं विक्रांत शामिल हैं।

इन सभी विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि आर्थिक रूप से कमजोर होने तथा सीमित संसाधनों के बावजूद अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। संस्था द्वारा उपलब्ध कराए गए मार्गदर्शन, अध्ययन सामग्री और अनुकूल वातावरण ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और सफलता की राह आसान की। कलेक्टर श्री क्षीरसागर ने इस उपलब्धि पर सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और प्रशासन की प्रतिबद्धता का संयुक्त परिणाम है। उन्होंने कहा कि जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। जिला पंचायत के सीईओ श्री हरेश मण्डावी ने छात्रों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों के लिए मुख्य परीक्षा की तैयारी हेतु विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। साथ ही विषय विशेषज्ञों की सहायता से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दिए हैं।

एशियन गेम्स का पदक जीतना मेरा अधूरा सपना - केआईटीजी उद्घाटन पर बोलीं मीराबाई चानू

टोक्यो ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स को बताया गेम-चेंजर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता सेखोम मीराबाई चानू ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के उद्घाटन अवसर पर अपने करियर के सबसे बड़े अधूरे लक्ष्य, एशियन गेम्स पदक का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि यह सपना अब भी उनके लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। पिछले एक दशक से भारतीय वेटलिफ्टिंग की अग्रणी खिलाड़ी रही मीराबाई ने ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और कॉमनवेल्थ गेम्स में कई पदक जीते हैं, लेकिन एशियाई खेलों में पदक अब तक उनसे दूर रहा है। उन्होंने 2014 इंचियोन एशियन गेम्स में 19 वर्ष की उम्र

में पदार्पण किया था, जहां वे नौवें स्थान पर रहीं। इसके बाद 2018 जकार्ता एशियन गेम्स में पीठ की चोट के कारण हिस्सा नहीं ले सकीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में हिप की चोट ने उनका सपना अधूरा छोड़ दिया।

31 वर्षीय मीराबाई ने कहा कि - 'एशियन गेम्स मेरे लिए बेहद खास है। वहां प्रतियोगिता का स्तर बहुत ऊंचा होता है, और यही इसे सबसे चुनौतीपूर्ण बनाता है। मेरा सपना है कि मैं वहां पदक जीतूं।' हालांकि, इस लक्ष्य की राह आसान नहीं है। नियमों में बदलाव के कारण उन्हें 48 किलोग्राम और 49 किलोग्राम वर्ग के बीच संतुलन बनाना होगा। वे 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में 48 किलोग्राम वर्ग में उतरेंगी, जबकि 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक नागोया (जापान) में आयोजित एशियन गेम्स में 49 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी।

उन्होंने बताया कि कॉमनवेल्थ गेम्स तक मैं 48 किलोग्राम में खेलूंगी, लेकिन एशियन गेम्स के लिए फिर से 49 किलोग्राम वर्ग में आना होगा, जो एक बड़ी चुनौती है। मीराबाई ने हाल ही में राष्ट्रीय वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 48 किलोग्राम वर्ग में तीन नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए।

सीएम साय से मंत्री रमेश तावड़कर की सौजन्य भेंट

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में गोवा के खेल एवं युवा मामले तथा जनजातीय कल्याण मंत्री रमेश तावड़कर ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए तावड़कर का आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें बस्तर आर्ट का प्रतीक चिन्ह एवं जशपुर के स्थानीय उत्पाद भेंट किए।

मुख्यमंत्री साय ने तावड़कर से जनजातीय कल्याण और खेलों के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है और राज्य में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकसित कर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि देश के प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' का आयोजन छत्तीसगढ़ में होना राज्य के लिए गौरव का विषय है। यह आयोजन न केवल जनजातीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करेगा, बल्कि उनकी सांस्कृतिक पहचान और आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उल्लेखनीय है कि रमेश तावड़कर प्रतिनिधिमंडल 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में सहभागिता हेतु छत्तीसगढ़ प्रवास पर है। यह प्रतिनिधिमंडल खेल आयोजन में भागीदारी के साथ-साथ छत्तीसगढ़ मुक्तांगन, आदिवासी संग्रहालय सहित राज्य की समृद्ध जनजातीय संस्कृति और विरासत से जुड़े विभिन्न स्थलों का अवलोकन भी करेगा।

खाद्य विभाग की सचिव श्रीमती रीना बाबा साहब कंगाले ने ली समीक्षा बैठक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बैठक में निर्णय लिया गया कि कमर्शियल एलपीजी उपभोक्ता संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों को विगत माह की कुल खपत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही एलपीजी प्रदाय किया जाएगा। इसके साथ ही शहरी क्षेत्रों में 25 दिवस तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिवस के भीतर एलपीजी रिफिल की ऑनलाइन बुकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को समय पर गैस मिल सके। जिला प्रशासन को सभी एलपीजी वितरकों के कार्यालय एवं गोदामों में पुलिस एवं होमगार्ड के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे भीड़भाड़ एवं अव्यवस्था की स्थिति न बने। साथ ही वितरकों को अपने दूरभाष नंबर सक्रिय रखने एवं उपभोक्ताओं की शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उपलब्ध स्टॉक को ध्यान में रखते हुए विभिन्न संस्थानों के लिए प्राथमिकता श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। इनमें शैक्षणिक संस्थान एवं चिकित्सालय, सैन्य एवं अर्द्धसैन्य कैंप, जेल, होटल, समाज कल्याण विभाग के संस्थान, रेलवे एवं एयरपोर्ट कैंटीन, शासकीय कार्यालय, गेस्ट हाउस, पशु आहार उत्पादक इकाइयां तथा रेस्टोरेंट शामिल हैं। बैठक में यह भी तय किया गया कि कमर्शियल एलपीजी स्टॉक की उपलब्धता एवं वितरण की दैनिक समीक्षा ऑयल कंपनियों द्वारा की जाएगी तथा इसकी जानकारी प्रतिदिन विभाग को उपलब्ध कराई जाएगी। इस अवसर पर खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की संचालक डॉ. फरिहा आलम, छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के सदस्य सचिव श्री राजीव कुमार जायसवाल, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के मंडल एलजी प्रमुख श्री श्रीपाद बक्षी, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के प्रादेशिक प्रबंधक श्री दिलीप मीणा, हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री मंगेश डोंगरे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संयोग से शुरुआत, ऐतिहासिक स्वर्ण तक ओडिशा की अंजलि मुंडा ने रचा इतिहास

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कभी-कभी जीवन की दिशा एक छोटे से निर्णय से बदल जाती है। ओडिशा की 15 वर्षीय अंजलि मुंडा की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। वर्ष 2022 में कक्षा में खेल चयन के दौरान उन्होंने तैराकी को चुना—एक ऐसा खेल जिसे वे उस समय सिर्फ मनोरंजन के रूप में जानती थीं। आज, वही निर्णय उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर ऐतिहासिक उपलब्धि तक ले आया है।

ओडिशा के जाजपुर जिले के गहिरागड़िया गांव की रहने वाली अंजलि ने रायपुर में आयोजित पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में 2:39.02 सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके साथ ही वे इस प्रतियोगिता की पहली महिला स्वर्ण पदक विजेता बन गईं। साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली अंजलि चार भाई-बहनों में सबसे छोटी हैं। उनके पिता एक स्थानीय फैक्ट्री में वैन चालक हैं। 10 वर्ष की आयु में वे कलिंगा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज से जुड़ीं, जहां उन्हें नि:शुल्क शिक्षा और प्रशिक्षण मिला। यहीं से उनके खेल करियर की नींव मजबूत हुई। शुरुआत में वे अपनी बड़ी बहन से प्रेरित थीं, जो तीरंदाजी में सक्रिय हैं, लेकिन अंजलि ने तैराकी को अपना मार्ग चुना। उनकी मेहनत जल्द ही रंग लाई और तैराकी शुरू करने के एक वर्ष के भीतर ही उन्होंने एक स्थानीय प्रतियोगिता में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

अंजलि अपनी सफलता का श्रेय अपने कोचों और खेल मंत्रालय की 'अस्मिता लीग' पहल को देती हैं। वर्ष 2024 में संभलपुर में आयोजित इस लीग में उन्होंने दो रजत पदक जीते थे, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। इसके बाद गुवाहाटी में आयोजित अस्मिता स्विमिंग लीग (ईस्ट जोन) में भी उन्होंने दो रजत पदक हासिल किए। हालांकि, इस उपलब्धि के बावजूद अंजलि संतुष्ट नहीं हैं।

टीम प्रहरी अभियान चलाकर करवाया अतिक्रमणमुक्त

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप और यातायात एसपी अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात विवेक शुक्ला, नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक आभाष मिश्रा, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश आशुतोष सिंह, नगर निगम जोन 4 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता शेखर सिंह, सहायक अभियंता दीपक देवांगन, उपअभियंता हिमांशु चंद्राकर सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, नगर निगम जोन क्रमांक 4 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन क्रमांक 4 क्षेत्र अंतर्गत मालवीय मार्ग में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार क्षेत्र में राजधानी शहर के प्रमुख मार्ग को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान के अंतर्गत जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने सभी दुकानदारों को एक बार पुनः स्पष्ट हिदायत दी गयी कि है वे किसी भी हालत में सड़क पर कब्जा ना करें, अन्यथा की स्थिति में सड़क पर रखे उनके सभी सामानों की यातायात जाम की समस्या दूर करने जनहित में सख्तीपूर्वक तत्काल जब्ती कर ली जाएगी, इस स्थिति के निर्मित होने पर सम्बंधित कब्जाधारी दुकानदार स्वतः जिम्मेदार रहेंगे । आज चलाये गए जनहितकारी टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत जोन क्रमांक 4 अंतर्गत मालवीय मार्ग में लगभग एक दर्जन ठेलों को बाजार के प्रमुख मार्ग को कब्जामुक्त करने कड़ाई से व्यवस्था सुधारने हटाने की कार्रवाई की गयी।

आयुक्त के निर्देश पर अपर आयुक्त ने विज्ञापन एजेंसी संचालकों को बैठक ली

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के तृतीय तल सभाकक्ष में नगर पालिक निगम अपर आयुक्त पंकज के. शर्मा ने रायपुर नगर निगम क्षेत्र की पंजीकृत विज्ञापन एजेंसियों के संचालकों की बैठक लेकर उन्हें आंधी -तूफान में फटने वाले सभी फ्लेक्स को तुरंत हटाने के निर्देश दिए हैं. अपर आयुक्त ने सभी विज्ञापन एजेंसियों के संचालकों से बकाया राशि जल्दी जमा करवाने निर्देशित किया है.

अपर आयुक्त ने सभी विज्ञापन एजेंसियों को नगर पालिक निगम रायपुर द्वारा नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार जारी किये जाने वाले सभी निर्देशों का पूर्ण पालन करने के निर्देश दिए हैं. बैठक में सभी पंजीकृत विज्ञापन एजेंसी संचालकों सहित नगर पालिक निगम रायपुर के अधीक्षक (विज्ञापन) पद्माकर श्रीवास, सहायक अभियंता नीतीश झा उपअभियंता अमित सरकार की उपस्थिति रही.

धर्मांतरण कानून समाजहित में आवश्यक: अजय पनिकर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सामाजिक कार्यकर्ता ई. अजय पनिकर ने छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा प्रस्तावित नए धर्मांतरण कानून का स्वागत करते हुए इसे समाजहित में महत्वपूर्ण कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह कानून विशेष रूप से कमजोर वर्गों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक है।

अजय पनिकर ने कहा कि यह कानून प्रलोभन, दबाव, भय एवं मजबूरी के आधार पर किए जाने वाले धर्म परिवर्तन को रोकने में सहायक होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका उद्देश्य किसी धर्म विशेष के खिलाफ कार्य करना नहीं है, बल्कि नागरिकों की स्वतंत्र इच्छा, सम्मान और गरिमा की रक्षा करना है।

उन्होंने यह भी कहा कि जो लोग इस कानून का विरोध कर रहे हैं, वे समाज में असमानता को बढ़ावा देने तथा तुष्टीकरण की राजनीति कर रहे हैं।

पनिकर ने विश्वास व्यक्त किया कि इस कानून के लागू होने से सामाजिक संतुलन बनाए रखने और कमजोर वर्गों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

सम्पादकीय

गंगा फिर भी मैली

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी को हमें एक गंभीर चेतावनी के रूप में लेना होगा, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है। कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा की यह हालत करने के गुनहगार? विडंबना देखिये कि तमाम सख्ती के बावजूद सैकड़ों खुले नाले गंगा में गंदा पानी गिरा रहे हैं। तमाम उद्योगों का अपशिष्ट पानी अनेक जगह गंगा में गिराया जा रहा है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' शुरू किया गया था। बताया जाता है कि अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। सिर्फ सरकारी प्रयास काफी नहीं हैं।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य श्रृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है।

सेहत से खिलवाड़ कब तक, खेत से थाली तक विष ही विष

हरित क्रांति का मकसद देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है। इस दिशा में देश को अभूतपूर्व सफलता भी मिली लेकिन कब जहरीले पंजों ने खेती किसानी में घुसपैठ कर ली,पता नहीं चला हद तो तब हो गई जब जानबूझकर प्रदेश सरकारे इस ओर आंखें मूंदे रहीं हैरानी इस बात की है। इस गंभीर मामले को अभी तक हमारे राजनीतिक दल अपनी नीतियों का हिस्सा नहीं बना पाए मुनाफा कमाने की अंधी दौड़ ने किसानों को भी परंपरागत खेती से पीछे छोड़ दिया और बढ़ती आबादी की जरूरत और मुनाफाखोरी की हवस ने मिलावट खोरी की जड़े गहरी कर दी पिछले तीन दशकों में खेती-किसानी में आए बदलाव ने उत्पादन को बढ़ाया लेकिन इस बदलाव के भयानक दुष्परिणामों पर ध्यान नहीं दिया गया।

मुकेश तिवारी।

दूध हो या सब्जियां या फिर खाद्यान्न लोगों की सेहत के साथ हो रहा खिलवाड़ अब किसी से ढका छुपा नहीं है हाल की घटनाओं से यह बात भी सामने आ चुकी है कि नामी-गिरामी कंपनियां भी इस गोरखधंधे में बिना किसी हिचकिचाहट के शामिल है ,हैरानी की बात यह है कि इतना सब कुछ जग जाहिर होने के बाद हम अभी तक कोई ऐसा तंत्र विकसित नहीं कर पाए जिससे बच्चे से लेकर बूढ़े तक के स्वास्थ्य के साथ हो रहे खिलवाड़ को रोका जा सके, निगरानी का अभाव और लाचार कानून मिलावटखोरों को सींकचों पीछे जाने से रोक रहे हैं ।

बैल और मवेशियों की जगह अब ट्रैक्टर और दूसरे आधुनिकतम यंत्रों ने ले ली है । लिहाजा गोबर और घूरे की राख से बनी कंपोस्ट खाद अब खेतों में दिखाई नहीं देतीं। फसल कटाई के पश्चात उसके रखरखाव में कीटनाशकों का जमकर उपयोग हो रहा है। जो स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही आसपास के वातावरण को भी दूषित कर रहा है। कड़वा सच तो यह है कि आज खतरा सिर्फ रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से ही नहीं है बल्कि खाद्य पदार्थों में जिस तरह मिलावट खोरी का कारोबार तेजी से पनप रहा है वह मानवीय स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है । टमाटर गोभी और मूली, पालक जैसी सब्जियां पहले सिर्फ जाड़े के मौसम में ही बिकती थी। लेकिन अब वे मौसमी सब्जियां बारहों महीने धडल्ले से बिकने लगी हैं। महानगरों में इन सब्जियों की मांग अधिक है। क्योंकि अब लोगों के खानपान की शैली में तेजी से बदलाव आ रहा है। नई आर्थिक नीति के पश्चात देश में शहरी करण का तेजी के साथ विस्तार हुआ है। दिलचस्प तथ्य यह है कि शहरों में रह रहे लोगों की आमदनी बढ़ने का असर लोगों के रहन-सहन और खान-पान पर भी पड़ा है । वहीं यह कड़वा सच है बेमौसम फल और सब्जियां खाने की ललक ने रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग को बेहद बढ़ावा दिया है । यहां ध्यान देने की बात यह है कि वेमौसमी फल और सब्जियों को उगाने में उर्वरक और कीटनाशक ज्यादा लगता है। यह तथ्य भी काफी दिलचस्प है कि दूध ,दही, पनीर फल और अनाज में भी आजकल जमकर मिलावट हो रही है। इस मामले में एक दिलचस्प तथ्य यह है कि मांसाहार हो या शाकाहार ऐसा कोई खाद्य पदार्थ नहीं है जो विषैले कीटनाशक और मिलावट से रहित हो बाजार में उपलब्ध आम , केला और पपीता जैसे फलों को कैल्शियम कार्बाइड की मदद से पकाया जाता है । खाद्य वस्तुओं में विषैले रसायनों के अतिरिक्त कई दूसरे किस्म की खतरनाक चीजों की मिलावट को चिकित्सक स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक मानते हैं। सूत्रों का कहना है कि फलों को चमकाने के लिए उन पर वेक्स भी लगाया जाता है । चिकित्सकों के मुताबिक वैक्स युक्त फलों का सेवन करने से डायरिया और कैंसर जैसी बीमारियां होती हैं। कृषि उत्पादों विशेषकर सब्जियों और डेयरी में ऑक्सीटॉसिन का बेहिचक होकर उपयोग हो रहा है।

हैरानी इस बात पर है कि ऑक्सीटॉक्सिन का गलत ढंग से इस्तेमाल न हो इसलिए सरकार ने इसकी खुली बिक्री पर पाबंदी लगा रखी है । इसके बावजूद हिंदुस्तान भर में ऑक्सीटोक्सिन का उपयोग दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। गौरतलब है कि खाद्य वस्तुओं में मिलावट रोकने के लिए खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम 1954 और प्रिवेंशन आफ फूड एडल्टरेशन एक्ट 1955 बनाया गया है । लेकिन इस एक्ट का ईमानदारी के साथ पालन नहीं हो रहा है। इन सब के बावजूद त्योहारों , शादी के सीजन में देश के प्रथक प्रथक भागों में कुंतल नकली मावा, पनीर, क्रीम,जप्त किया जाता है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण ने कुछ माह पूर्व कृत्रिम और मिलावटी दूध के गोरखधंधे का खुलासा किया था। मध्यप्रदेश में दूध की गुणवत्ता परखने के लिए भेजे गए हैपलोग्रुप के परिणाम बताते हैं कि पिछले तीन सालों में औसतन 13-16 फीसदी सैंपल अचानक पाये गये। प्राधिकरण ने अपनी रिपोर्ट सार्वजनिक करते हुए बताया था कि देश में बिकने वाला 68.5 प्रतिशत दूध मिलावटी है । अभी हाल ही में आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगो की मौत हो गई,जबकि तीन लोग गभीर रुप से बीमार है।दूध में मिलावट के कारण हुई मौतों के पीछे दूध में एथिलीन ग्लाइकोल नाम का जहरीला पदार्थ मिलाया जाना वताया जा रहा है।खुले बाजार में उपलब्ध पीसे हरे धनिया का चटक हरा रंग देख कर ग्राहक आकर्षित होता है । लेकिन इस सच्चाई को जाने बगैर कि इसमें रंग धान की भूसी और घोड़े की लीद मिली हुई है। ऐसे मिलावटी धनिए को उपयोग में लेने से लीवर किडनी और तिल्ली काफी प्रभावित होती है इसी तरह आटे में भी तमाम सारी चीजों की मिलावट की जाती है। तुअर और चने की दालों में भी खेसारी मटर बटरे की मिलावट की जाती है । ग्राहकों को हानिकारक तत्वों की मिलावट का पता न चले इसलिए बड़े ही सुनियोजित ढंग से दालों पर पोलिस की जाती है। खेसारी दाल में एक खास तरह का रसायन पाया जाता है । इस दाल के इस्तेमाल से स्नायु तंत्र और गठिया से जुड़ी बीमारियां होती हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट की समस्या पर विराम तभी लग सकता है । जब दिखावटी कागजी कार्यवाही बंद हो और मिलावट के गोरखधंधे में शामिल आरोपियों कि मामले की जांच पूरी होने से पूर्व जमानत न हो । अक्सर यह देखने में आता है कि जमानत मिलते ही आरोपी साक्ष्य और सबूतों को नष्ट करने में जुट जाता है।

महानगरों में एक सप्ताह पुरानी मछलियों को बर्फ में रखा जाता है मछलियों को ताजा दिखाने के लिए उन पर तमाम तरह के पेस्टिसाइड्स छिड़के जाते हैं। तमाम दुकानदार फिल्टर पानी से भरे होद में सिंघी, भांगूर, रोहू, कवई, नस्ल की जिंदा मछलियां रखते हैं। पड़ताल में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं सच्चाई यह है कि इन जिंदा मछलियों को वक्त से पहले तैयार करने और वजनी बनाने के लिए तमाम सारी प्रतिबंधित दबाओ का उपयोग किया जाता है। अभी दिलचस्प यह है कि जानकारी के अभाव में ग्राहक दुकानदार से ऐसी मछलियों की खरीद-फरोख्त कर लेते हैं जो कि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होती हैं।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत की सतर्कता : ईंधन आपूर्ति सामान्य, नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता

विनोद कुमार सिंह।

पश्चिम एशिया में बदलते भू- राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत ने जिस संतुलित,सजग और दूरदर्शी दृष्टिकोण का परिचय दिया है, वह न केवल उसकी प्रशासनिक क्षमता को दर्शाता है,बल्कि नागरिकों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है। हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य के बंद होने जैसी गंभीर स्थिति के बावजूद देश में पेट्रोल,डीजल और एलपीजी की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है।यह तथ्य इस बात का प्रमाण है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे पर समय रहते ठोस और प्रभावी तैयारी कर रखी है।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार देश की सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर कार्य कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। पेट्रोल और डीजल के स्टॉक भी संतोषजनक स्तर पर बनाए रखे गए हैं। हालाँकि अफवाहों के चलते कुछ स्थानों पर घबराहट में खरीदारी देखने को मिली,लेकिन सरकार ने स्पष्ट किया है कि ईंधन की कोई कमी नहीं है और जनता को अफवाहों से दूर रहने की आवश्यकता है। घरेलू खपत को ध्यान में रखते हुए एलपीजी उत्पादन में वृद्धि की गई है। साथ ही, सरकार ने घरेलू एलपीजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) आपूर्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। औद्योगिक और वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए भी संतुलित आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है,ताकि आर्थिक गतिविधियों पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े।विशेष रूप से होटल,रेस्तरां और सामुदायिक रसोई जैसे क्षेत्रों को प्राथमिकता देना सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। सरकार द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक गैस एवं पेट्रोलियम उत्पाद वितरण आदेश, 2026 इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।यह आदेश देशभर में पाइपलाइन नेटवर्क के विस्तार को गति देगा और ऊर्जा के स्वच्छ एवं सुलभ विकल्प के रूप में पीएनजी को बढ़ावा देगा।इससे न केवल पारंपरिक ईंधनों पर दबाव कम होगा,बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एलपीजी आपूर्ति वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावित अवश्य हुई है,लेकिन देश में कहीं भी 'ड्राई-आउट' की स्थिति नहीं है। घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है। सरकार ने वाणिज्यिक एलपीजी का आवंटन बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया है, जिससे छोटे व्यवसायों और सेवा क्षेत्रों को राहत मिली है। इसके अतिरिक्त,केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि माँग और आपूर्ति के बीच संतुलन बना रहे। राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों की भूमिका भी इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। हजारों छापों और सैकड़ों गिरफ्तारियों से यह स्पष्ट है कि प्रशासन इस मुद्दे को लेकर पूरी तरह गंभीर है। जिला स्तर पर निगरानी समितियों और नियंत्रण कक्षों की स्थापना से स्थिति पर सतत नजर रखी जा रही है। समुद्री क्षेत्र में भी भारत की सक्रियता उल्लेखनीय है। पश्चिमी फारस की खाड़ी में मौजूद सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और किसी भी भारतीय जहाज के साथ कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष के माध्यम से नाविकों और उनके परिवारों को निरंतर सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक सैकड़ों भारतीय नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जा चुकी है,जो इस दिशा में सरकार के समर्पण को दर्शाती है। विदेश मंत्रालय द्वारा भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय दूतावास चौबीसों घंटे कार्यरत हैं और जरूरतमंद नागरिकों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। 28 फरवरी से अब तक लाखों भारतीय नागरिक सुरक्षित रूप से स्वदेश लौट चुके हैं।विशेष उड़ानों और वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से यह अभियान लगातार जारी है।

इस पूरे परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि भारत ने वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता का स्पष्ट संदेश दिया है। शीर्ष स्तर पर अंतरराष्ट्रीय संवाद के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि ऊर्जा आपूर्ति के महत्वपूर्ण मार्ग खुले और सुरक्षित बने रहें। वर्तमान परिस्थितियां निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन भारत ने जिस संयम,समन्वय और रणनीतिक दक्षता के साथ इन चुनौतियों का सामना किया है, वह प्रशंसनीय है। सरकार के प्रयासों के साथ-साथ नागरिकों की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अफवाहों से दूर रहना, संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना और प्रशासन का सहयोग करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।यह समय केवल संकट का नहीं,बल्कि सामूहिक समझदारी और राष्ट्रीय एकजुटता का भी है। यदि हम सभी संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें,तो कोई भी वैश्विक चुनौती हमें विचलित नहीं कर सकती।

दादी जानकी जी की छठवीं पुण्य तिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धाजंलि दी गई...

दादी जानकी की गणना विश्व के दस प्रमुख बुद्धिजीवियों में होती थी... सविता दीदी

दादी जानकी जी को मोस्ट स्टेबल माईण्ड इन द वर्ल्ड का खिताब मिला था....

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी जानकी जी की छठवीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धाजंलि दी गई। बलौदाबाजार मार्ग पर स्थित शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आयोजित समारोह में रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। इस अवसर पर दादी जानकी का श्रद्धापूर्वक पुण्य स्मरण करते हुए ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने कहा कि वह ब्रह्माकुमारी संस्थान के संस्थापक सदस्यों में से एक थीं। दादी जी विश्व के उन दस प्रमुख बुद्धिजीवियों Keepers of Wisdom) में शामिल थी जिन्हें वर्ष 1992 में रियो-डि-जेनरियो में सम्पन्न प्रथम पृथ्वी महासम्मेलन में विश्व के प्रमुख नेताओं का मार्गदर्शन करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा मनोनीत किया गया था। भारत देश से सिर्फ दो लोगों को यह सौभाग्य मिला था जिनमें से एक दादी जानकी और दूसरे बौद्ध धर्मगुरू दलाई लामा थे। उन्होंने आगे बतलाया कि दादी जी ने राजयोग की अपनी उपलब्धियों से दुनिया के वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया था। आस्ट्रेलिया की युनिवर्सिटी ऑफ मेलबोर्न, अमेरिका की युनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास, सेनफ्रान्सिस्को की युनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया जैसी प्रख्यात संस्थाओं ने वैज्ञानिक परीक्षण में देखा कि परस्पर वार्तालाप करते हुए तथा गणितीय प्रश्नों का समाधान करते हुए भी दादी जी के मस्तिष्क से हमेशा डेल्टा तरंगें ही प्रवाहित होती हैं। जबकि सामान्यतः गहन विश्राम अथवा निद्रा की अवस्था में ही डेल्टा तरंगे निकलती हैं। इस प्रकार का परीक्षण वैज्ञानिकों ने विभिन्न योगियों के साथ किया किन्तु कहीं पर भी ऐसा अद्भुत परिणाम देखने को नहीं मिला। फलस्वरूप वैज्ञानिकों ने उन्हें सर्वाधिक स्थिर चित्त महिला अर्थात मोस्ट स्टेबल माईण्ड इन द वर्ल्ड घोषित किया था। इतना ही नहीं उन्होंने अंग्रेजी का ज्ञान नही होने के बावजूद लन्दन में रहकर विदेश में संस्थान की सेवाओं का विस्तार किया। उन्हीं के सद्प्रयासों से आज ब्रह्माकुमारी संस्थान की शाखाएं विश्व के 140 देशों में कार्यरत हैं।

धर्म और जाति को लेकर आए 'सुप्रीम आदेश' के राजनीतिक-सामाजिक मायने

कमलेश पांडे।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा।

हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है।

कहने का तातपर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 23-24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससी/एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससी/एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं। इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाई/मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसी/एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। वहीं, इस फैसले के बाद धर्म परिवर्तन और आरक्षण से जुड़ी बहस जोर पकड़ सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते है जहां कानून

और जमीनी हकीकत आमने-सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राजनीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है।

जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससी/ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदू/सिख/बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाई/मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। इस पर मौजूदा मोदी सरकार के वैचारिक असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह सरकार दलित/ओबीसी हिंदुओं की एकजुटता व समग्र उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा और जटिल है। क्योंकि सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? गाहे बगाहे ऐसे मामले सामने आते रहे है, जिनमें दलित या ओबीसी समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके साथ समान व्यवहार नहीं होता। यहां तक कि कब्रिस्तान में उनके लोगों के शवों को दफनाने के लिए भी अलग जगह है। उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत के फैसले का आधार संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 है। जिसका क्लॉज 3 कहता है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले ही एससी श्रेणी में आ सकते है। धर्म परिवर्तन और जाति से जुड़ी यह बहस बहुत पुरानी है। इसके दो पहलू है। एक, जिन धर्मो में जाति व्यवस्था नही है, उन्हें अपनाकर फिर जाति से जुड़े लाभ कैसे लिए जा सकते है। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि जिन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया है, उन्होंने अनुसूचित जाति से जुड़े लाभ छोड़ दिए हों। तब हाईकोर्ट ने कहा था कि धर्म परिवर्तन के बाद भी अनुसूचित जाति समुदाय को मिलने वाले फायदे लेते रहना संविधान के साथ धोखा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पास इस तरह की कई शिकायतें है और उसने पिछले साल देशभर में जांच भी शुरू की थी। कुल मिलाकर उद्देश्य यह है कि संविधान के तहत मिले अधिकार का दुरुपयोग न होने पाए। क्योंकि जाति और धर्म का दुरुपयोग होने की चिंता शुरू से ही न्यायिक विमर्श का मुद्दा बनी हुई है। लिहाजा ब्रेक के बाद न्यायदेश मिलते रहते हैं। इंद्रा साहनी केस (1992) मुख्य रूप से ओबीसी आरक्षण पर केंद्रित था, लेकिन हालिया सुप्रीम कोर्ट फैसले (धर्म परिवर्तन पर सुप्रीम कोर्ट दर्जा समाप्ति) से इसका अप्रत्यक्ष संबंध है। दोनों आरक्षण को जाति-आधारित ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने के सिद्धांत साझा करते हैं। इंद्रा साहनी का सार: इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी को 27% आरक्षण मान्य किया, लेकिन 50% कुल सीमा तय की और स्पष्ट किया कि आरक्षण का आधार धर्म या जाति अकेला नहीं हो सकता। क्रीमी लेयर बहिष्कार और पिछड़ापन के सामाजिक-शैक्षिक मापदंड निर्धारित किए गए। 2026 के एससी/एसटी फैसले में संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 का हवाला दिया गया, जो इंद्रा साहनी के सिद्धांतों से मेल खाता है कि आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं। ओबीसी मामलों में (जैसे मुस्लिम आरक्षण रद्द), कोर्ट ने इंद्रा साहनी का जिक्र कर धर्म को आधार बनाने से रोका, जो एससी केस की भावना से जुड़ता है।

30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 2500 खिलाड़ी 9 खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे है

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिकः डॉ. मनसुख मांडविया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की धरती आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में देश के प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस राष्ट्रीय आयोजन की आधिकारिक घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस गरिमामयी अवसर पर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह

खेल महाकुंभ 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर के साथ-साथ बस्तर और सरगुजा में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के 30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 2500 खिलाड़ी 9 खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की और ओलंपिक पदक विजेता साइखोम मीराबाई चानू की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गौरव प्रदान किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल में देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक में 4 लाख तथा सरगुजा ओलंपिक में साढ़े तीन लाख लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय समाज में खेलों के प्रति गहरी रुचि है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि आत्मसमर्पित नक्सली भी 'नुआबाट' (नई राह) के माध्यम से मुख्यधारा में लौटकर इन आयोजनों में सहभागी बने—जो परिवर्तन और विश्वास का प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार में खेलों को लेकर उत्साह और प्रयास दोनों दोगुने हैं। राज्य सरकार ने 'मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन' की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत खेल अधोसंरचना निर्माण और प्रतिभाओं के चिन्हांकन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि रायपुर और बिलासपुर में खेलो इंडिया के तहत रेजिडेंशियल अकादमियां संचालित हैं, जबकि जशपुर, रायगढ़ और रायपुर में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक में चयनित खिलाड़ियों को 21 लाख रुपए, स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नवा रायपुर में स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नामकरण जनजातीय नायक शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर किया गया है, जो राज्य के गौरव और प्रेरणा के प्रतीक हैं।

जनजातीय संस्कृति, इतिहास और गौरव से जुड़ा आयोजन

मुख्यमंत्री ने देशभर से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्रभु श्रीराम का ननिहाल है, बल्कि यह जनजातीय शौर्य और बलिदान की भूमि भी है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, गेंद सिंह और गुण्डाधुर जैसे नायकों का उल्लेख करते हुए बताया कि नवा रायपुर में उनके सम्मान में म्यूजियम बनाया गया है।

मानवता की सेवा के लिए रेडक्रॉस सोसाइटी से जुड़ने का आह्वान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिला आयुष अधिकारी डॉ. स्वाति रावत के आग्रह पर एक दिन में 39 नए सदस्य बने जिसमें डॉ. सावित्री पाणीग्रही, डॉ. गीता राजपूत, डॉ. नेहा साहू, डॉ. हेमकुमार राठौर, डॉ. अरुंधती देवांगन, डॉ. पूर्णिमा राजपूत, डॉ. सोनल शर्मा, डॉ. इंदु विश्वकर्मा, डॉ. सविता साहू, डॉ. अशोक बांधे, डॉ. राजलक्ष्मी शर्मा, डॉ. सीमा शुक्ला, डॉ. स्वाति अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने रेडक्रॉस सोसाइटी में वार्षिक सदस्य के रूप में सदस्यता ली। जिला आयुष अधिकारी डॉ. स्वाति रावत ने सदस्यों की सदस्यता राशि जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को दी। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी एक स्वतंत्र मानव समाजसेवी संस्था है, जो आपदा एवं संकट की परिस्थितियों में पीड़ितों की सहायता के लिए समर्पित है। संस्था द्वारा भूकंप, आग, बाढ़ एवं सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान तथा रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाता है। संस्था से जुड़ने के लिए विभिन्न श्रेणियों में सदस्यता प्रदान की जाती है, जिसमें संरक्षक सदस्य के लिए 25,000 रुपए, उप संरक्षक सदस्य के लिए 12,000 रुपए, आजीवन सदस्य के लिए 1,000 रुपए तथा वार्षिक सदस्यता के लिए 100 रुपए निर्धारित किए गए हैं। इस अवसर पर रेडक्रॉस के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों से संस्था से जुड़कर मानव सेवा में योगदान देने का आह्वान किया गया।

राज्यपाल डेका से धमतरी के प्रतिभाशाली बच्चों ने की आत्मीय मुलाकात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यपाल रमेन डेका से आज लोकभवन में धमतरी जिले के सुदूर आदिवासी एवं वनांचल विकासखंड नगरी के विशेष प्रतिभावान स्कूली बच्चों ने सौजन्य भेंट की। इस दौरान बच्चों की प्रतिभा और उपलब्धियों पर राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस समूह में शामिल 22 बच्चों का चयन नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए हुआ है, जबकि पांच बच्चों ने स्पोकन इंग्लिश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। क्षेत्र की विशेष प्रतिभा एआई वीडियो क्रिएटर सातवीं कक्षा की छात्रा कुमारी गरिमा साहू द्वारा तैयार वीडियो का प्रदर्शन भी किया गया, जिसकी राज्यपाल श्री डेका ने सराहना की और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्यपाल ने इन बच्चों की सफलता में योगदान देने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया और कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बावजूद बच्चों को आगे बढ़ाने में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

राज्यपाल ने बच्चों से बातचीत करते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारित करना बहुत आवश्यक है। लक्ष्य को सामने रखकर निरंतर मेहनत और लगन से ही सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने सरकारी स्कूलों के बच्चों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायी है। राज्यपाल ने उपस्थित सभी बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। उन्होंने बच्चों से कहा कि इस राशि का उपयोग अपनी पढ़ाई और आवश्यक जरूरतों को पूरा करने में करें। साथ ही, उन्हें गुल्लक भी प्रदान किए गए, ताकि उनमें नियमित बचत की आदत विकसित हो सके।

राजस्व विभाग की टीमें बकायादारों के मोबाइल पर बकाया की जानकारी देकर बकाया अदा करने प्रेरित कर रही हैं

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम जोन 6 राजस्व राजस्व विभाग की टीम के सभी राजस्व कर्मचारियों की टीम जोन 6 जोन कमिश्नर हितेन्द्र यादव के निर्देश पर जोन सहायक राजस्व अधिकारी श्रीमती स्वाती शुक्ला के मार्गनिर्देशन में और नगर निगम जोन 7 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव के निर्देश पर नगर निगम जोन 7 जोन सहायक राजस्व अधिकारी विजय शर्मा के मार्गनिर्देशन में और नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निर्देश पर जोन सहायक राजस्व अधिकारी महादेव रक्सेल के मार्गनिर्देशन में क्रमशः नगर निगम जोन 6, जोन 7 एवं जोन 8 अंतर्गत सभी 7 -7 वार्डों के समस्त बकायादारों को मोबाइल पर फोन और मैसेज कर उन्हें नगर पालिक निगम रायपुर राजस्व विभाग को देय सम्पूर्ण बकाया राशि को तत्काल अदा करने नगर निगम के हित में लगातार अभियान चलाकर प्रेरित कर रही है और अन्यथा की स्थिति में नियमानुसार कड़ी कार्यवाही नगर पालिक निगम अधिनियम अंतर्गत प्रावधानों के अनुसार करने की स्पष्ट चेतावनी से भी उन्हें लगातार अवगत करवा रही हैं .

व्यवसायिक परिसर में 5 पंडरी में 3 बकायादारों की दुकानों को किया तत्काल सीलबंद

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार अपर आयुक्त श्रीमती कृष्णा खटीक, उपायुक्त श्रीमती जागृति साहू के निर्देशानुसार सहायक राजस्व अधिकारी बाजार विभाग श्री बंशी यादव और राजस्व निरीक्षक श्री आकाश झा सहित अन्य सम्बंधित कर्मचारियों की उपस्थिति में नगर निगम बाजार विभाग द्वारा बकाया राजस्व वसूली अभियान चलाया गया.

आज नगर निगम बाजार विभाग की टीम द्वारा बकाया राशि अदा नहीं किये जाने पर शहीद स्मारक व्यवसायिक परिसर में बकाया दुकानदार दुकान नम्बर 28 भारतीय टेलीनेड लिमिटेड बकाया राशि 110082 रूपये, दुकान नम्बर 79 गीता ढातवाल बकाया राशि165776 रूपये, दुकान नम्बर 83 भारतीय टेलीनेड कम्पनी बकाया राशि 110082 रूपये, दुकान नम्बर 84 भारतीय टेलीनेड कम्पनी बकाया राशि 110082 रूपये, दुकान नम्बर 119 प्रेमचंद जेठानी बकाया राशि 104485 रूपये द्वारा बकाया किराया राशि नगर निगम बाजार विभाग को अदा नहीं किये जाने पर तत्काल सीलबंद कर दी गयी.

अभियान के दौरान नगर निगम बाजार विभाग की टीम द्वारा राजकुमार कॉलेज के पास की गुमटियों के बकायादार व्यवसायियों द्वारा दिनांक 27 मार्च 2026 को बकाया किराया राशि का भुगतान नगर निगम बाजार विभाग को करने के लिखित आश्वासन पर सीलबंदी की कार्रवाई नहीं की गयी.

अभियान टीम प्रहरी के सहयोग और उपस्थिति में नगर निगम मुख्यालय नगर निवेश उड़नदस्ता की टीम के सहयोग से नगर निगम मुख्यालय बाजार विभाग द्वारा चलाया गया.

भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज दिनांक 26 मार्च 2026 को भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर में एक दिवसीय हिंदी

कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य "राजभाषा हिन्दी के उतरोत्तर विकास में केन्द्रीय कार्यालयों की भूमिका और भारत सरकार की राजभाषा नीति को लेकर को जानना था। कार्यशाला का उद्घाटन श्री सुमन कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक ई / निदेशक एवं प्रमुख, भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर शाखा कार्यालय, रायपुर ने किया। अपने उद्घाटन भाषण में, श्री सुमन कुमार गुप्ता जी ने हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजभाषा हिन्दी को लेकर बीआईएस रायपुर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के योगदान की सराहना की। उन्होने भारतीय मानक ब्यूरो को नराकास, रायपुर के द्वारा वर्ष 2025 के लिए द्वितीय पुरस्कार एवं क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी। इस कार्यशाला में 20 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला के मुक्ष्य वक्ता श्री प्रवीण कुमार, वरि. अनुवाद अधिकारी, कर्मचारी भविष्य निधि

संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर ने प्रतिभागियों को राजभाषा के विकास व उत्थान के विभिन्न

पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए केन्द्रीय कार्यालयों द्वारा राजभाषा के विकास में दिए जाने वाले योगदान की विस्तार से चर्चा की। कार्यशाला को रोचक बनाने के लिए वक्ता के द्वारा राजभाषा

ज्ञान संबंधी प्रश्नोतरी भी कराया गया। प्रतिभागियों ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया और इसे अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया। भारतीय मानक ब्यूरो के श्री स्मिथ कुमार, निजी सचिव एवं हिन्दी नोडल कर्मचारी ने कार्यशाला के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त किया और सभी प्रतिभागियों, मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन किए जाते रहेंगे ताकि हिंदी भाषा

को और अधिक लोकप्रिय बनाया जा सके।

छत्तीसगढ़ की जैन धर्म का आस्था का प्रतीक ; जैन दादाबाड़ी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की पावन धरा पर सभी धर्म के आस्थाओं का केंद्र संस्कृति की अध्याय में जैन समाज का जैन मंदिर जैन दादाबाड़ी प्राचीन मंदिरों में एक है जिसे तीर्थ का स्थान प्राप्त है वह है जैन दादाबाड़ी रायपुर श्री धर्मनाथ भगवान जिनालय मंदिर में चारों दादा गुरुदेव भोमिया जी भैरव जी पद्मावती माता पारसनाथ भगवान महावीर स्वामी की अति विराजित भव्य सुंदर कलाकृति की झलक जो राजस्थानी संगमरमर की कला की जीवंत कलाकारी देखने को मिलती है 100 वर्ष से अधिक होने के कारण जैन दादाबाड़ी प्राचीन मंदिर को तीर्थ स्थान दर्जा प्राप्त है इस जैन दादाबाड़ी के मंदिर में जैन समाज के श्रावक श्राविकाएं धार्मिक संस्कृति अंतर्गत पूजा अर्चना कर पुण्य अर्जित करते हैं इसी जैन दादाबाड़ी के प्रांगण पर चातुर्मास के दौरान आचार्य भगवंत साधु साध्वी का प्रवचन भी होता है जिससे जैन समाज के अलावा अन्य समाज के लोग भी प्रवचन का लाभ उठाकर अपने जीवन को उत्कृष्ट और ऊंचाई की दिशा में ले जाते हैं साधु संतों की मधुर वाणी

प्रेरणा स्रोत शब्दों मार्ग को अपनाकर अपना जीवन साध्य कर अच्छा बनाते हैं जैन समाज एवं अन्य समाज के लोगों के लिए बहुत ही कम मूल्य पर भोजन शाला भी इसी जैन दादाबाड़ी पर स्थित है जहां पर खाने की गुणवत्ता उत्कृष्ट अच्छा होने के कारण पूरे भारत से आने वाले दर्शक पर्यटन के रूप में इस भव्य मंदिर भोजनशाला की तारीफ करते हुए वापस जाते हैं यह जैन समाज के लिए गौरव की बात है जैन मंदिर जैन दादाबाड़ी समाज के लोगों के लिए विवाह भवन हेतु भी उपलब्ध कराया जाते हैं समय-समय पर जैन समाज के ट्रस्टी गण के द्वारा बड़े-बड़े धार्मिक आयोजन भगवती दीक्षा स्वास्थ्य शिविर दवाई वितरण अन्य कैंप लगाकर के लोगों को लाभ दिलाया जाता है जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक का संघ के अध्यक्ष कन्नू काकरिया अभय भंसाली नरेश बैदमूथा उज्जवल झाबक राजेंद्र (हेमू)गोलछा के कार्यकाल में इस मंदिर की प्रतिष्ठा भव्य धूमधाम तरीके से की गई यह मंदिर को देखने के लिए भारत से एवं विदेश से भी लोग देखने आते हैं इसके साथ सभी समाज के लोग पर्यटन की दृष्टि से इस मंदिर का दिव्य दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित मंदिर फाफाडीह जैन मंदिर मालवीय नगर भैरव नगर के साथ-साथ भी आते हैं दुर्ग जिले मे नगपुरा तीर्थ पंडरिया के बकेला तीर्थ जिसे दर्शनीय स्थल के रूप में हर समाज के लोग दर्शन के लिए आते हैं ।

पोर्टा केबिन छात्रावास की घटना अधीक्षक और ट्रायबल विभाग की घोर लापरवाही से हुई -जांच समिति,आप

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र के पोर्टा केबिन छात्रावास की पढ़ने वाली तीन छात्राएं गर्भवती मामले में आम आदमी पार्टी ने प्रदेश संयुक्त सचिव पूर्णिमा सिन्हा के नेतृत्व में जांच समिति गठित की गयी थी। इसी मामले में जांच समिति के सदस्य और प्रदेश संगठन मंत्री समीर खान ने पत्रकार वार्ता में अपनी रिपोर्ट में बताया कि मामला प्रकाश में आने के बाद शिक्षा और प्रशासनिक विभाग मामले की जांच करने की बजाय लीपापोती करने में लगा हुआ था । गर्भवती तीन छात्राओं में से दो 12वीं की, तो एक 11वीं कक्षा में पढ़ रही हैं। दोनों छात्राएं बोर्ड की परीक्षा देने गई थीं, तो इस दौरान

मामले का खुलासा हुआ था।

प्रदेश सचिव अनुषा जोसेफ़ ने कहा कि यह घटना छात्रावास में रहने वाली छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल रही है।छात्रावास की एक बच्ची के साथ ऐसे ही दो बार घटना हो चुकी है। जिले में 2-2 डीईओ होने के बावजूद ऐसी घटना होना चिंतनीय है।वहां अधीक्षक की लापरवाही पाई गयी।छात्रावास मे कोई अनुशासन नहीं है।वहां के कैमरे भी बंद हैं। छात्रावास मे कोई भी अच्छी सुविधा नहीं है। प्रदेश प्रवक्ता जयदीप खनूजा ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि हॉस्टल प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किये हैं। इसमें ट्रायबल विभाग की भी लापरवाही है। सवाल यह है कि यदि छात्राएं लंबे समय से गर्भवती थीं, तो इसकी जानकारी प्रबंधन को समय पर क्यों नहीं मिली? वहीं स्वास्थ्य विभाग ने मामले की सूचना प्रबंधन को क्यों नहीं दी? छात्रावास के अधिकारी-कर्मचारी क्या कुंभकर्णी नींद में सोये हुए थे? इससे पूर्व भी पोर्टा केबिन स्थित इस हॉस्टल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठते रहे करवाना चाहिए और दोषी पाए जाने वाले बड़े अधिकारियों पर भी कार्रवाई हो ताकि आने वाले समय में आदिवासी बच्चियों के साथ ऐसा अन्याय ना हो।

31 मार्च तक सशस्त्र नक्सलवाद से होगा पूर्णतः मुक्त- डिप्टी सीएम शर्मा

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार, केंद्रीय एजेंसियों और सुरक्षा बलों के समन्वित एवं सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप छत्तीसगढ़ 31 मार्च 2026 तक सशस्त्र नक्सलवाद से पूर्णतः मुक्त हो जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि बस्तर और समूचे छत्तीसगढ़ के सामाजिक, आर्थिक और मानवीय पुनर्जागरण की दिशा में एक ऐतिहासिक परिवर्तन है।

इस अवसर पर नारायणपुर विधायक एवं मंत्री केदार कश्यप, जगदलपुर विधायक किरण सिंहदेव, डीजीपी अरुण देव गौतम, पुलिस महानिदेशक एंटी नक्सल ऑपरेशन विवेकानंद, नक्सल उन्मूलन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी, एडीजी सीआरपीएफ, बस्तर कमिश्नर, आईजी सुंदरराज पी., बीजापुर के पुलिस अधीक्षक सहित विभिन्न केंद्रीय एवं राज्य सुरक्षा बलों के अधिकारी उपस्थित रहे।

उपमुख्यमंत्री ने बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान आगे बताया कि अगस्त 2024 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा घोषित समय-सीमा के अनुरूप राज्य सरकार ने एक सुनियोजित रणनीति के तहत कार्य किया, जिसका सकारात्मक परिणाम आज स्पष्ट रूप से सामने आ रहा है। इसी क्रम में हाल ही में डीकेजेडसी स्तर के नक्सली पापा राव ने अपने साथियों एवं हथियारों सहित पुनर्वास कर मुख्यधारा में वापसी की है। यह घटना न केवल सुरक्षा दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह इस बात का भी प्रमाण है कि अब नक्सल संगठन का शीर्ष ढांचा भी कमजोर पड़ चुका है। उन्होंने कहा कि बस्तर के समाज ने भी खुले मन से इन पुनर्वासित लोगों को स्वीकार कर सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है।

उन्होंने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि पिछले दो वर्षों में लगभग 3 हजार से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर पुनर्वास किया है, जिसमें सीसी मेंबर से लेकर विभिन्न स्तरों के कैडर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 2 हजार से अधिक नक्सलियों की गिरफ्तारी हुई है तथा लगभग 500 से अधिक नक्सली मुठभेड़ों में न्यूट्रलाइज किए गए हैं। इस प्रकार कुल मिलाकर 5000 से अधिक सशस्त्र कैडर में कमी आई है, जो नक्सल संगठन की रीढ़ को कमजोर करने वाला निर्णायक कारक सिद्ध हुआ है। वर्तमान स्थिति में डीकेजेडसी स्तर का कोई सक्रिय माओवादी छत्तीसगढ़ में शेष नहीं है और केवल 30 से 40 की सीमित संख्या में नक्सली उत्तर एवं दक्षिण के दूरस्थ क्षेत्रों में बचे हैं, जिनके भी शीघ्र पुनर्वास करने की संभावना व्यक्त की गई है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन केवल सुरक्षा अभियानों का परिणाम नहीं, बल्कि विश्वास, संवाद और पुनर्वास नीति की सफलता का भी परिचायक है।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर संभाग सहित कबीरधाम, खैरागढ़-छुईखदान, राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी, धमतरी, गरियाबंद और महासमुंद जैसे जिले, जो कभी नक्सल प्रभाव से प्रभावित रहे थे, अब पूरी तरह इस समस्या से मुक्त हो चुके हैं। बस्तर का लगभग 95 प्रतिशत से अधिक भौगोलिक क्षेत्र अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुका है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सुरक्षा बलों के अद्वितीय साहस, रणनीतिक दक्षता और कठिन परिस्थितियों में निरंतर किए गए प्रयासों का परिणाम है। केंद्रीय और राज्य के सुरक्षा बलों के जवानों ने विषम परिस्थितियों में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए अद्भुत पराक्रम का परिचय दिया है, जिसके लिए पूरा प्रदेश उनका ऋणी है।

उन्होंने इस अभियान में समाज की सहभागिता को भी अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हमारे बस्तर के पत्रकार साथियों द्वारा किए गए प्रयास, पंचायती राज संस्थाओं के जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका तथा बस्तर के स्थानीय मुरिया, मारिया, गोंड और हलबा समाज के प्रमुखों का सहयोग इस अभियान की सफलता के प्रमुख आधार रहे हैं। इसके साथ ही पत्रकारों ने भी जनजागरण, संवाद और विश्वास निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रयासों के कारण बड़ी संख्या में नक्सलियों ने हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा को अपनाया, जिससे अनेक जिंदगियां बच सकीं और बस्तर को भय और रक्तपात के वातावरण से बाहर निकालने में सफलता मिली।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार केवल नक्सलवाद के उन्मूलन तक सीमित नहीं है, बल्कि बस्तर के सर्वांगीण विकास के लिए भी समान रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि पुनर्वास नीति के तहत बस्तर ओलंपिक का आयोजन कर युवाओं को खेल के क्षेत्र में अवसर प्रदान किया गया, जिससे उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिली। इसी प्रकार बस्तर पंडुम के माध्यम से स्थानीय संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन को संरक्षित और प्रोत्साहित करने का कार्य किया गया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर के युवा आने वाले समय में राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि बस्तर के आंतरिक क्षेत्रों में तरीके से विकास केंद्रों में परिवर्तित किया जाएगा। भविष्य में ये कैंप थाना, स्कूल, अस्पताल तथा लघु वनोपज संग्रहण एवं प्रसंस्करण केंद्रों के रूप में कार्य करेंगे।

फॉलो वाहन ने मारी बाइक को ठोकर, 2 मौतें

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

जगदलपुर, 25 मार्च। राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में बुधवार की दोपहर को रायपुर से जगदलपुर आ रही फॉलो वाहन ने बस्तर बालेंगा पेट्रोल पम्प के पास एक बाइक सवार को चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य को ट्रेलर ने अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कि उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुँच शव को पीएम के लिए ले गई।

मामले की जानकारी देते हुए बस्तर थाना प्रभारी ने बताया कि रायपुर से जगदलपुर की ओर आ रही फॉलो गाड़ी ने बाइक सवार कमलेश व रामप्रसाद को बालेंगा पेट्रोल पंप के पास चपेट में ले लिया। इस हादसे में एक ने जहां मौके पर ही दम तोड़ दिया, वहीं दूसरे ने सामने से आ रही ट्रेलर से जा टकराया। घटना के बाद ग्रामीणों ने बोलेरो चालक को घेर लिया, वहीं इस घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर आ पहुँची। बताया जा रहा है कि फॉलो वाहन महेश गागड़ा की थी, जो रायपुर से जगदलपुर आ रहे थे। फिलहाल पुलिस ने शव को पीएम के लिए अस्पताल ले जाया गया, जबकि दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटा दिया गया है।

कोंडागांव विधायक ने 10 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष लता उसेंडी ने मंगलवार को कोंडागांव में आयोजित भूमिपूजन और शिलान्यास कार्यक्रम में 10 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात दी। विधायक ने 05 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें 50 सीटर पोस्ट मैट्रिक अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास भवन, 33/11 के.व्ही. नवीन उपकेन्द्र लोहरापारा, जल संसाधन उपसंभाग कोण्डागाँव कार्यालय भवन का निर्माण कार्य और हाई स्कूल भवन का निर्माण कार्य शामिल है। इसके अलावा जिले में निवासरत लोगों के स्वरोजगार एवं कौशल विकास हेतु सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना, नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल, जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम सहित स्थानीय जनप्रतिधिगण उपस्थित रहे।

बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक लता उसेंडी ने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छात्रावास के निर्माण से उन विद्यार्थियों को बड़ी सुविधा मिलेगी, जिन्हें अब तक जगह की कमी के कारण प्रवेश नहीं मिल पाता था। इससे बच्चों की पढ़ाई बेहतर होगी और उनके भविष्य को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि लगभग 4 करोड़ 90 लाख रुपये की लागत से 33 केवी पावर स्टेशन का भूमिपूजन किया गया है तथा अन्य उपकेंद्रों के निर्माण से क्षेत्र में बिजली की समस्या दूर होगी। संसाधनों की उपलब्धता से विकास कार्य सुचारू रूप से संपन्न होता है। उन्होंने आज बहनों के कौशल विकास के लिए सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से महिलाओं का कौशल उन्नयन होगा और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी। युवाओं को सीखने की प्रवृत्ति पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने खाली समय का सदुपयोग करते हुए कुछ न कुछ नया अवश्य सीखना चाहिए, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में उनके कौशल का विकास हो सके।

विवाहिता से रेप, आरोपी बंदी

कोंडागांव, प्रतिदिन राजधानी

कोंडागांव जिले के थाना अनंतपुर क्षेत्र में एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने रेप के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने 23 मार्च को थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में बताया गया कि 18 मार्च को उसके गांव में विवाह कार्यक्रम चल रहा था। उसी दौरान वह अपने घर में थी और उसके पति भी मौजूद थे। आरोप है कि गांव हिराबाग ओड़ारगांव निवासी पंचुराम बघेल वहां आया और उसके पति को यह कहकर विवाह स्थल भेज दिया कि उन्हें खाना बनाने के लिए बुलाया जा रहा है।

पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद वह कमरे में अकेली थी, तभी आरोपी कमरे में आया और जबरदस्ती उसके साथ रेप किया।

पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। इसके बाद पुलिस टीम ने आरोपी की तलाश कर उसे हिराबाग ओड़ारगांव से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पंचुराम बघेल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

विधायक किरण सिंह देव ने साढ़े 22 करोड़ के कार्यों का किया भूमिपूजन- लोकार्पण

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर संभाग का हृदय स्थल जगदलपुर बुधवार को विकास की एक नई इबारत का साक्षी बना, जब जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने विधानसभा क्षेत्र के लिए करोड़ों रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। बस्तर विकास की ओर अग्रसर के संकल्प को दोहराते हुए विधायक श्री देव ने 22 करोड़ 67 लाख रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का विधिवत भूमिपूजन और लोकार्पण किया। इस व्यापक अभियान के केंद्र में शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाना रहा, जो राज्य सरकार की अंतिम व्यक्ति तक सुविधाएं पहुँचाने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

विकास के इस क्रम में स्वास्थ्य सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। महारानी अस्पताल परिसर अब आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस होने जा रहा है, जहाँ 4 करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से हीमोडायलिसिस, पैलिएटिव केयर और कैंसर क्लिनिक बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। इसके साथ ही अस्पताल की प्रशासनिक और रिकॉर्ड व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए 4 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से बनने वाले एमआरडी भवन की आधारशिला भी रखी गई। बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। शहर की एक प्रमुख और बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए माड़िया चैक से बोधघाट थाना तक सड़क चैड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का शुभारंभ किया गया, जिस पर 4 करोड़ 99 लाख रुपये व्यय किए जाएंगे। साथ ही 7 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से बनने वाले दो नवीन वित्त कार्यालय भवनों का भूमिपूजन और 80 लाख रुपये लोकार्पण भी संपन्न हुआ। इस अवसर पर नागरिकों को संबोधित करते हुए किरण देव ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में बस्तर को मुख्यधारा से जोड़ना और सुशासन का लाभ पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना ही सरकार का मुख्य ध्येय है।

बचपन की टिकट का आयोजन महिलाओं के जीवन में लाएगी खुशी के पल-सरोज पांडेय

गृहणी महिलाएं बनेंगी प्रतियोगिता का हिस्सा

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

महिलाओं के कल्याण एवं उत्थान में अग्रणी संस्था सखी सहेली महिला समूह दुर्ग द्वारा गृहणी महिलाओं के जीवन में उमंग व उल्लास के रंग भरने अनूठी पहल की गई है। इसके अंतर्गत समिति ने महिलाओं के लिए पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 29 मार्च को स्थानीय मिनी स्टेडियम पद्मनाभपुर में किया है। शाम 4 बजे से शुरु होने वाले इस खेल प्रतियोगिता को बचपन के टिकिट का नाम दिया गया है। प्रतियोगिता में खो-खो, कबड्डी, बिल्लस, गोटा, फुगड़ी, चम्मच दौड़, रस्सा खींच, बोरा दौड़, जलेबी दौड़ एवं अन्य प्रतियोगिताएं आकर्षण का केन्द्र होगी, साथ ही महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय हौजी गेम को भी प्रतियोगिता में शामिल किया गया है, वहीं महिलाएं गुपचुप,भेल, चनाचूर, बर्फ गोला, बाम्बे मिठाई एवं अन्य खाद्य पदार्थों का भी लुत्फ उठा सकेंगी।

गृहणी महिलाओं के लिए नि:शुल्क आयोजित प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य परिवार की जिम्मेदारी निर्वहन करते भूल चुकी अपने जीवन की खुशियों व आनंद के पल से गृहणियों को पुन: जोड़ना और उन्हें अपनी प्रतिभा साबित करने का अवसर प्रदान करना है। प्रतियोगिताओं को दो आयु से 25 वर्ष और दूसरा 25 से अधिक आयु वर्ग की महिलाओं के लिए यह प्रतियोगिता आयोजित किए गए है। प्रत्येक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता का हिस्सा बनने प्रतिभागी गृहणी महिलाओं को पंजीयन कराना अनिवार्य है।

यह प्रतियोगिता भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया है। प्रतियोगिताओं को लेकर गृहणी महिलाओं में उत्साह का माहौल है। जिसके चलते प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में गृहणी महिलाओं के प्रतिभागी बनने की संभावना को लेकर आयोजन समिति द्वारा सभी व्यवस्थागत तैयारियां जोर-शोर से जारी है। यह बातें भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय ने सोमवार को मीडिया से चर्चा में कही। इस दौरान सखी सहेली महिला समूह अध्यक्ष शैल चंद्राकर, महापौर अलका बाघमार, प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य उषा टावरी, चंद्रिका चंद्राकर, जिला भाजपा उपाध्यक्ष सरिता मिश्रा, प्रदेश महिला मोर्चा मंत्री कुमुद बघेल,जिला भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर, भिलाई जिला भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक मौजूद रहे।

मीडिया से चर्चा में भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पाण्डेय ने कहा कि बचपन का टिकट एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावनाओं से जुड़ा एक अद्भुत प्रयास है।

आंदोलनरत कृषि विस्तार अफसरों को मिला किसानों का समर्थन

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

अपने सहकर्मी कविता साहू के निलंबन के विरोध में दूसरे दिन भी जिले के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों की हड़ताल जारी रही। निलंबन के खिलाफ आंदोलन कर रहे कृषि विस्तार अधिकारियों के धरना स्थल पर पंडाल में जाकर छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने किसानों की ओर से समर्थन प्रदान किया और निलंबन वापस लेने की मांग को समर्थन दिया। उन्होंने अफीम की अवैध खेती मामले में राजस्व, पुलिस व आबकारी विभाग की भूमिका पर जांच नहीं होने को लेकर सवाल उठाया।

संगठन के संयोजक राजकुमार गुप्त एवं किसान प्रतिनिधियों ने कहा कि मादक पदार्थ की अवैध उपज लेने अथवा अवैध कारोबार करने की स्थिति में कार्यवाही करने की पहली जिम्मेदारी आबकारी विभाग और पुलिस विभाग की है। दोनों ही विभाग के लोगों को मादक पदार्थ की अवैध खेती करने की खबर नहीं लगी, इसके अलावा राजस्व विभाग द्वारा फसल की पड़ताल करने के लिए गिरदावरी किया जाता है। इस साल फसल का सर्वे ड्रोन से किया गया है।

फिर भी राजस्व विभाग को मादक पदार्थ की खेती करने की जानकारी नहीं मिली, किस गांव के किस खसरे की भूमि में कौन मादक पदार्थ की अवैध खेती कर रहा है, इसकी सीधे जिम्मेदारी कृषि विभाग की नहीं है, फिर भी संबंधित क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी को प्राथमिक रूप से जिम्मेदार ठहराकर निलंबित किया गया जो उचित नहीं है।

छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन ने कृषि विस्तार अधिकारी के अवैध निलंबन को तत्काल प्रभाव से रद्द करने एवं पुलिस, आबकारी, राजस्व विभाग की जिम्मेदारी की जांच करने मांग की है। इस दौरान छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश अध्यक्ष आई.के. वर्मा, जिला अध्यक्ष उत्तम चंद्राकर, ब्लाक अध्यक्ष परमानंद यादव, बाबूलाल साहू, बद्री प्रसाद पारकर, मेघराज मढ़रिया, राजेन्द्र साहू आदि मौजूद रहे। वहीं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों द्वारा प्रशासन द्वारा किए गए कार्रवाई को अनुचित बताते हुए बिना तथ्यों को जाने अधिकारी का निलंबन किया जाना न्याय संगत नहीं होना बताया गया।

बिल्डर ने न फ्लैट का कब्जा दिया-न ब्याज, जुर्म दर्ज

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

मेसर्स रिद्धि सिद्धि बिल्डर तथा अन्य साझेदारों द्वारा फर्म में इन्वेस्ट कराकर फ्लैट देने एवं फ्लैट का निर्माण होने तक रकम पर ब्याज देने का वादा करने के बाद प्रार्थियों के साथ धोखाधड़ी की गई।

कुछ वर्षों से न तो रकम वापस की गई, न ही रकम पर ब्याज दिया गया और न ही फ्लैट बनाकर दिए गए। परेशान होकर प्रार्थियों ने न्यायालय की शरण ली थी। न्यायालय के आदेश पर आरोपियों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने धारा 318 (4), 3 (5) के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। जानकारी के मुताबिक रितेश जैन ने बताया कि अभियुक्त गण रूपेश जैन, विश्वास गुप्ता, मनीष शर्मा, सकल जैन,अमृता खंडेलवाल द्वारा वर्ष 2011 में आवेदक से 24,50,000 रुपए प्राप्त किए थे। अन्य आवेदक गण ने भी रकम जमा की थी। आवेदक गण को यह आश्वासन देते हुए कि फ्लैट निर्माण के पूर्व लिए गए रकम पर ब्याज का भुगतान किया जाएगा।

आरोपीगण द्वारा 2018 तक ब्याज का भुगतान किया गया। उसके बाद न तो ब्याज का भुगतान किया गया और न ही फ्लैट का कब्जा दिया गया। रिद्धि सिद्धि बिल्डर के पार्टनर द्वारा धोखाधड़ी करते हुए आवेदक गण से ली गई रकम को आपस में बंटवारा कर संपूर्ण रकम का स्वयं उपयोग किया गया था। इसको लेकर परिवादी गण पदम जैन, रेणु देवी जैन, रुपाली जैन, आरती जैन पति रितेश जैन ने आरोपीगण रूपेश जैन,विश्वास गुप्ता, मनीष शर्मा, सजल जैन, अमृता खंडेलवाल, कमला देवी बोथरा जिनकी मौत के बाद वर्तमान में कांतिलाल बोथरा के विरुद्ध न्यायालय में परिवाद दायर किया था।

रितेश जैन ने कि आरोपीगण द्वारा विश्वास दिलाया गया था कि फ्लैट के निर्माण किए जाने के पूर्व ली गई रकम पर ब्याज का भुगतान किया जाएगा। 2018 के बाद से ना तो भुगतान किया गया और न ही फ्लैट दिया गया। रिद्धि व जालसाजी करते रकम एवं जमीन को आपस में बंटवारा कर लिया गया।

धारदार वस्तु से वार, आरोपियों को सश्रम कारावास

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

बिना किसी कारण धारदार वस्तु से वार कर युवक को घायल कर देने वाले मामले में कोर्ट ने आरोपियों को सजा दी है। सत्र न्यायाधीश दुर्ग के विनोद कुजूर की कोर्ट ने आरोपी युसूफ खान एवं संजू यादव को धारा 118 (2) के तहत तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास, धारा 351 (2) के तहत एक-एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक एम के दिल्ली वार ने पैरवी की थी।

शिकायत दर्ज कराई थी कि 15 सितंबर 2024 की रात को उसका बेटा हर्ष ताम्रकार परदेसी चौक बधवा मंदिर के पास गणेश पंडाल के सामने खड़ा यादव वहां पहुंचे और बिना कारण गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर मारपीट की।

शक्ति वंदन पदयात्रा में आज गूंजेंगे जस गीत

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

चैत्र नवरात्रि की सप्तमी 25 मार्च को धर्मनगरी नंदिनी अहिवारा भक्ति के सागर में डूबने को तैयार है। युवा छत्तीसगढ़ी भक्ति मंच' के तत्वावधान में ऐतिहासिक 'शक्ति वंदन पदयात्रा 1.0' का आयोजन किया जा रहा है। शाम 6.30 बजे से शुरू होने वाली इस यात्रा में राजनीतिक दिग्गजों का जमावड़ा लगेगा और पूरा नगर पारंपरिक 'माता सेवा' के जस गीतों से गूंज उठेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अहिवारा विधायक राजमहंत डोमनलाल कोर्सेवाड़ा होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष पुरूषोत्तम विधायक लाभचंद अतिथि के रूप में जिला नपा अध्यक्ष नटवर ताम्रकार और पार्षद अनुज साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष रामजी निर्मलकर उपस्थित रहेंगे।

आरक्षक व प्रार्थी से मारपीट, मिली सजा

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

मारपीट की सूचना मिलने पर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस एवं प्रार्थी के साथ गाली गलौज कर मारपीट, प्राणघातक हमला करने वाले आरोपियों को कोर्ट ने सजा दी है। तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश दुर्ग यशवंत कुमार सारथी की कोर्ट ने आरोपीगण दुर्गेश चंद्राकर, नकुल चंद्राकर एवं मनोज मोहन नगर को न्यायिक अभिरक्षा में बिताई गई अवधि तक का कारावास एवं 10-10 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया है।

कोहली ने 19 गेंदों में बनाए 45 रन

कार्तिक बोले- हर साल नया प्लान, इस बार और बेहतर दिखेंगे, 28 को आरसीबी का पहला मैच

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली जबरदस्त फॉर्म में नजर आ रहे हैं। बेंगलुरु में आरसीबी के दूसरे इंट्रा स्क्वाड मैच में विराट कोहली ने तेज पारी खेलते हुए 19 गेंद में 45 रन बनाए। टीम के मेंटर और बैटिंग कोच दिनेश कार्तिक ने उनकी फॉर्म और इरादे की तारीफ की है। इससे पहले सोमवार को खेले गए पहले इंट्रा-स्क्वाड मैच में भी विराट ने 12 गेंदों पर 29 रन बनाए थे। मैच के बाद आरसीबी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें दिनेश कार्तिक ने कहा,'आज का गेम अच्छा रहा। विराट की क्लास शुरुआत में ही दिख गई थी, उन्होंने कुछ बेहतरीन शॉट्स खेले। विराट की महानता यह है कि वे हर साल एक खास प्लान और इरादे के साथ आते हैं। आपने देखा कि उन्होंने अपनी बल्लेबाजी को किस स्तर पर पहुंचाया है। मुझे लगता है कि इस साल वे और भी बेहतर करने की कोशिश करेंगे।' वीडियो में विराट कोहली अपने ओपनिंग पार्टनर फिल साल्ट को गेंदबाजी करते हुए भी दिखे। साल्ट फिलहाल टी-20 क्रिकेट में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उन्होंने 8 पारियों में सिर्फ 130 रन बनाए थे। ऐसे में कोहली अनुभवी सीनियर खिलाड़ी के तौर पर साल्ट का हौसला बढ़ाते और उन्हें सपोर्ट करते नजर आए। इससे पहले सोमवार को हुए पहले इंट्रा स्क्वाड मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने 37 गेंद में 81 रन बनाए थे। कप्तान रजत पाटीदार ने 25 गेंद में 74 रन ठोके। कोहली ने वहां 12 गेंद में 29 रन बनाए थे। उस मैच में वेंकटेश अय्यर की टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 234/7 बनाए। जवाब में कृणाल पंड्या की टीम ने 247 रन बनाकर मैच जीता।

चौथा दिवस-रायपुर एवं रायपुर ब्लू ने फाइनल में प्रवेश किया

पहला सेमी फाइनल-रायपुर विरुद्ध प्लेट कंबाइंड

रायपुर। पहला चार दिवसीय सेमी फाइनल मैच रायपुर एवं प्लेट कंबाइंड के मध्य मैच कांकेर में खेला गया। रायपुर ने टॉस जितकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। प्लेट कंबाइंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 59.3 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 127 रन बनाये। प्लेट कंबाइंड की ओर से अमित कुमार यादव तथा शशांक तिवारी ने 28-28 रन बनाये, उनके अतिरिक्त अनस खान ने 25 रन तथा श्रेयम सुंदरम ने 14 रनों का योगदान दिया। वहीं रायपुर की ओर से ऋशी शर्मा ने 3 विकेट, गगनदीप सिंह तथा वरुण सिंह भुई ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। रायपुर ने अपनी पहली पारी में 58.4 ओवरों में 10 विकेट खोकर 168 रन बनाये। रायपुर की ओर से ऋशी शर्मा ने 60 रन, आलोक साहु ने 41 तथा गगनदीप सिंह ने 34 रनों की पारी खेली। प्लेट कंबाइंड की ओर से शशांक तिवारी ने 6 विकेट तथा श्रेयम संदरम ने 2 विकेट प्राप्त किये। प्लेट कंबाइंड ने अपनी दूसरी पारी में 92.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 183 रन बनाये। प्लेट कंबाइंड की ओर से श्रेयम सुंदरम ने 76 रन, आकाश सिंह ने 19 रन तथा विवेक बोरकर ने 16 रन बनाये। वहीं रायपुर की ओर से गगनदीप सिंह ने 5 विकेट प्राप्त किये। 143 रनों के लक्ष्य का पीछा करते उतरी रायपुर ने अपनी दूसरी पारी में 57.4 ओवरों में 3 विकेट खोकर 143 रन बनाकर मैच आसानी से जीत लिया। रायपुर की ओर से किवनूर सिंह छाबरा ने नाबाद 39रन, ऋशी शर्मा ने 32 रन तथा प्रभाश शुक्ला ने 30 रन बनाये। रायपुर ने मैच 7 विकट से जीत लिया।

दूसरा सेमी फाइनल-रायपुर ब्लू विरुद्ध भिलाई

दूसरा चार दिवसीय सेमी फाइनल मैच रायपुर ब्लू एवं भिलाई के मध्य मैच आर डी सी ए मैदान, रायपुर में खेला गया। रायपुर ब्लू ने टॉस जितकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। रायपुर ब्लू ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अपनी पहली पारी में 141.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 496 रन बनाये। रायपुर ब्लू की ओर से आषिश कुमार डहरीया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये 142 रन बनाये। उनके अतिरिक्त ऋशभ तिवारी ने 96 रन, प्रतिक यादव ने 69 रन, फैज खान ने 62 रन तथा सानिध्य हुरकत ने 43 रनों का योगदान दिया। भिलाई की ओर से दिवाकर ताम्रकार ने 3 विकेट, अमन मिश्रा तथा चिन्मय विष्वकर्मा ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। भिलाई ने अपनी पहली पारी में 93.4 ओवरों में 10 विकेट खोकर 269 रन बनाये। भिलाई की ओर से हर्श शर्मा ने 47 रन, आनंद राव ने 45 रन, गर्व कुमार सिंह तथा शुभम सिंह ने 40-40 रन बनाये। रायपुर ब्लू की ओर से सुमित रुईकर ने 4 विकेट तथा उत्कर्श तिवारी ने 3 विकेट प्राप्त किये। मैच की समाप्ति तक रायपुर ब्लू ने अपनी दूसरी पारी में 51.1 ओवरों में 10 विकेट खोकर 152 रन बनाये तथा 379 रनों की बढत प्राप्त की। रायपुर ब्लू की ओर से फैज खान ने 40 रन तथा ऋशभ तिवारी ने 30 रन बनाये। भिलाई की ओर से दिवाकर ताम्रकार ने 4 विकेट तथा अमन मिश्रा ने 3 विकेट प्राप्त किये। मैच ड्रा पर समाप्त हुआ। रायपुर ब्लू ने पहली पारी की बढत प्राप्त की।

आईपीएल के बाद मोटिवेशन बनाए रखने के लिए फिटनेस पर कड़ी मेहनत की : वॉर्नर

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर 26 मार्च से शुरू हो रही पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में कराची किंग्स की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। उन्होंने कहा है कि आईपीएल से रिटायर होने के बाद भी उन्होंने अपनी फिटनेस और मोटिवेशन को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत की। 39 वर्षीय वॉर्नर ने पिछले साल पाकिस्तान सुपर लीग में शामिल होने से पहले अपने आईपीएल करियर में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया। 2016 में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल का खिताब भी जिताया था। वॉर्नर ने आईपीएल में खेले 184 मैचों में 6,565 रन बनाए। वह इस लीग में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में विराट कोहली, शिखर धवन और रोहित शर्मा के बाद चौथे नंबर नंबर पर मौजूद हैं। हालांकि आईपीएल के आखिरी दौर में उनका फॉर्म अच्छा नहीं रहा, जिसके कारण उन्हें टीम से बाहर होना पड़ा और उनकी कप्तानी भी चली गई। इसके बाद फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन भी नहीं किया, हालांकि वॉर्नर ने हार नहीं मानी और अपनी फिटनेस पर लगातार काम करते रहे। 2009 से 2024 तक तीनों फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले वॉर्नर ने कहा कि आईपीएल छोड़ने के बाद भी उन्होंने अपना फिटनेस रूटीन बनाए रखा। वॉर्नर ने 'टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट' को बताया, 'आईपीएल के बाद मुझे खुद को मोटिवेटेड और फिट रखना था, इसलिए मैंने अपना फिटनेस रूटीन बनाए रखा और अच्छी डाइट फॉलो की और अब मैं अपनी उम्र के ज्यादातर खिलाड़ियों से ज्यादा मजबूत और फिट हूं।' यह दूसरा साल है, जब वॉर्नर पाकिस्तान सुपर लीग में खेलेंगे।

भारत के घरेलू सीजन 2026-27 का शेड्यूल जारी

17 शहरों में खेले जाएंगे 22 मैच, वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया करेंगे दौरा

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने टीम इंडिया के 2026-27 के इंटरनेशनल घरेलू सीजन का शेड्यूल जारी कर दिया है। इस सीजन में कुल 22 मैच 17 अलग-अलग शहरों में खेले जाएंगे। भारत दौरे पर वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया की टीमें आएंगी। पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली 2026-27 के घरेलू सीजन में भारत के लिए कुल 9 वनडे मैच खेलते नजर आएंगे। दोनों खिलाड़ियों ने टेस्ट और टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है, ऐसे में अब वे सिर्फ वनडे फॉर्मेट में ही खेल रहे हैं।

वेस्टइंडीज दौरे से शुरू होगा सीजन

सीजन की शुरुआत 27 सितंबर 2026 से वेस्टइंडीज के भारत दौरे के साथ होगी। इस दौरे में तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेले जाएंगे। वनडे मुकाबले तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में होंगे, जबकि टी-20 सीरीज लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में खेली जाएगी।

श्रीलंका टीम दिसंबर में आएगी

इसके बाद दिसंबर 2026 में श्रीलंका टीम भारत दौरे पर आएगी, जहां दोनों टीमों के बीच तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया का भारत दौरा (जनवरी-मार्च 2027)

मैच	तारीख	समय	वेन्यू
पहला टेस्ट	21-25 जनवरी 2027	सुबह 9:30 बजे	नागपुर
दूसरा टेस्ट	29 जनवरी-02 फरवरी 2027	सुबह 9:30 बजे	चेन्नई
तीसरा टेस्ट	11-15 फरवरी 2027	सुबह 9:00 बजे	गुवाहाटी
चौथा टेस्ट	19-23 फरवरी 2027	सुबह 9:30 बजे	रांची
पांचवां टेस्ट	27 फरवरी-03 मार्च 2027	सुबह 9:30 बजे	अहमदाबाद

श्रीलंका का भारत दौरा (दिसंबर 2026)

मैच	तारीख	समय	वेन्यू
पहला वनडे	13 दिसंबर 2026	दोपहर 2:00 बजे	दिल्ली
दूसरा वनडे	16 दिसंबर 2026	दोपहर 2:00 बजे	बेंगलुरु
तीसरा वनडे	19 दिसंबर 2026	दोपहर 2:00 बजे	अहमदाबाद
पहला टी-20	22 दिसंबर 2026	शाम 7:00 बजे	राजकोट
दूसरा टी-20	24 दिसंबर 2026	शाम 7:00 बजे	कटक
तीसरा टी-20	27 दिसंबर 2026	शाम 7:00 बजे	पुणे

जनवरी-फरवरी में भारत-ऑस्ट्रेलिया 5 टेस्ट खेलेंगे

नए साल की शुरुआत में जनवरी 2027 में जिम्बाब्वे टीम भारत दौरे पर तीन वनडे मैच खेलेगी। ये मुकाबले कोलकाता, हैदराबाद और मुंबई में आयोजित होंगे। इसके बाद भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज 21 जनवरी 2027 से नागपुर में शुरू होगी। बाकी टेस्ट चेन्नई, गुवाहाटी, रांची और अहमदाबाद में खेले जाएंगे।

पेप मुनोज बने बेंगलुरु एफसी के नए हेड कोच

बेंगलुरु। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2018-19 की चैंपियन बेंगलुरु एफसी ने स्पेन के पेप मुनोज को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। बेंगलुरु एफसी के साथ मुनोज का कॉन्ट्रैक्ट 2026-27 सीजन के आखिर तक रहेगा। मुनोज के पास कोचिंग का बहुत अच्छा अनुभव है। उन्होंने इससे पहले एफसी बार्सिलोना के यूथ सेटअप में बार्का अंडर-19 और बार्सिलोना बी के साथ काम किया है। इसके साथ ही वह चाइना फुटबॉल टीम के साथ काम करने के अलावा, चीन में किंगदाओ हुआंगहाई और शेडोंग लुनेंग के साथ भी रह चुके हैं। हेड कोच के तौर पर उन्हें पहला बड़ा मौका कंबोडिया के क्लब प्रीह खान रीच स्वे रींग के साथ मिला था, जहां उन्होंने शानदार काम किया। उनकी अगुवाई में टीम ने दो बार लीग और एक बार घरेलू कप जीता, साथ ही एएफसी चैलेंज लीग के फाइनल तक पहुंची। मुनोज के साथ फेरान बोरास भी होंगे, जो बीएफसी के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा हैं। क्लब की तरफ से जारी एक बयान में मुनोज ने कहा, 'बेंगलुरु एफसी में शामिल होने का फैसला मेरे लिए आसान था। यह इंडियन फुटबॉल में एक मॉडल क्लब है, जिनका नजरिया साफ है। इसके साथ ही मैंने भारत में रहे अपने साथी स्पेनिश खिलाड़ियों से यहां के क्लब, शहर और समर्थकों के बारे में अच्छी बातें ही सुनी हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं टीम में शामिल होने के लिए बहुत उत्साहित हूं, क्योंकि यही वह जगह है जहां मैं रहना चाहता हूं। हम सभी जानते हैं कि यह सीजन अलग है, लेकिन टीम हर हफ्ते बेहतर हो रही है और अब मेरा काम खिलाड़ियों को उस तरक्की को जारी रखने में मदद करना है। मैं मैदान पर एक सक्रिय, महत्वाकांक्षी और आत्मविश्वास से भरी टीम देखना चाहूंगा, जिसे इस बात का साफ आइडिया हो कि हम कैसे अटैक करना चाहते हैं और अपनी विपक्षी टीम पर दबाव बनाना चाहते हैं। यह हमारे लिए एक रोमांचक चैलेंज है।

अब फोकस हर दिन कड़ी मेहनत करने पर है और हम सब मिलकर बेंगलुरु और उसके समर्थकों को सबसे अच्छे तरीके से रिप्रेजेंट करने के लिए अपना सब कुछ देंगे।' बेंगलुरु एफसी के मालिक पार्थ जिंदल ने क्लब की तरफ से जारी एक बयान में कहा, 'हमें पेप मुनोज का बेंगलुरु एफसी परिवार में स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। उनके साथ हमारी बातचीत से यह साफ था कि वह समझते हैं कि यह क्लब किस चीज के लिए जाना जाता है - कड़ी मेहनत, विनम्रता और हमारे समर्थकों के साथ गहरा रिश्ता - और हमें विश्वास है कि वह हमारी यात्रा के अगले पड़ाव में हमें गाइड करने के लिए सही व्यक्ति हैं।' बेंगलुरु एफसी अभी आईएसएल 2025-26 की प्वाइंट्स टेबल में छह मुकाबलों में 11 प्वाइंट्स के साथ 5वें नंबर पर मौजूद है।

जनजातीय वर्ग में अपार प्रतिभा, सिर्फ अवसर की कमी थी : मयंक श्रीवास्तव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' का आयोजन किया जा रहा है। भारतीय खेल प्राधिकरण के डिप्टी डायरेक्टर जनरल मयंक श्रीवास्तव का कहना है कि जनजातीय वर्ग के खिलाड़ियों में अपार प्रतिभा है और वह सिर्फ अवसर की तलाश में थे, जो उन्हें खेलो इंडिया के माध्यम से अब मिल रहा है। मयंक श्रीवास्तव ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'खेलो इंडिया की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में साल 2018 में हुई। शुरुआत में हम सिर्फ 4 गेम्स कराते थे। हमारे खेल मंत्री मनसुख मांडविया का विचार था कि ये गेम्स पूरी तरह से स्थापित हो। ऐसे में हमें खेलों का दायरा बढ़ाना चाहिए। इसका दायरा भौगोलिक और सामाजिक स्तर पर बढ़ाए। भौगोलिक स्तर पर भी हम अभी खेलों इंडिया का आयोजन नॉर्थ-ईस्ट की तरफ भी करेंगे। इसको लेकर योजना बनाई जा रही है।' उन्होंने आगे कहा, 'छत्तीसगढ़ में भी अभी तक इस तरह के खेलों का आयोजन हुआ नहीं था। ऐसे में ट्राइबल गेम्स के लिए छत्तीसगढ़ को चुना गया। यह निर्णय लिया गया है कि अब जब भी ट्राइबल गेम्स का आयोजन होगा तो उसकी मेजबानी छत्तीसगढ़ ही करेगा। ऐसा माना जा रहा था कि यहां के खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाते हैं। यही कारण है कि जनजातीय वर्ग के लिए ही इन खेलों का आयोजन किया गया है।

आरसीबी हमेशा मेरे डीएनए का हिस्सा रहेगी नए मालिकों को बधाई : विजय माल्या

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की मौजूदा चैंपियन टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को आदित्य बिड़ला ग्रुप, टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप, बोल्ट वेंचर्स और ब्लैकस्टोकन के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 1.78 अरब डॉलर (लगभग 16,725 करोड़) में खरीद लिया है। इस डील के बाद आरसीबी के संस्थापक और पूर्व मालिक विजय माल्या ने टीम के नए मालिकों को बधाई दी है। विजय माल्या ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा, 'मैं आरसीबी के नए मालिकों को दिल से बधाई देना चाहता हूं। मैं उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं और सबसे कीमती आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए सफलता की कामना करता हूं। जब मैंने 2008 में 450 करोड़ में फ्रेंचाइजी को खरीदा था, तो ज्यादातर लोग मुझ पर हंसे थे और मेरे इन्वेस्टमेंट को एक घमंडी प्रोजेक्ट कहकर बुराई की थी।' उन्होंने आगे लिखा, 'मेरे बहुत ज्यादा पागलपन के पीछे रॉयल चैलेंज ब्रांड बनाना था और इसलिए मैंने फ्रेंचाइजी का नाम आरसीबी रखा। मेरे 450 करोड़ के इन्वेस्टमेंट को 16,500 करोड़ तक बढ़ते देखना बहुत खुशी की बात है। आरसीबी हमेशा मेरे डीएनए का हिस्सा रहेगी, जिसमें युवा विराट कोहली को चुनना भी शामिल है, जो अब दुनिया के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं। मेरे समय और उसके बाद भी टीम का सपोर्ट करने वाले आरसीबी फैंस का बहुत-बहुत धन्यवाद और कृपया बेंगलुरु के शेर आरसीबी को इसी तरह से सपोर्ट करते रहें। नमस्कार।' क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, चार समूहों के एक कंसोर्टियम ने डियाजियो पीएलसी की सहायक कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) के साथ एक निश्चित समझौता किया है। इस समझौते के तहत कंसोर्टियम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेंगे।

मियामी ओपन : जीत के साथ फिल्स-लेहेको ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

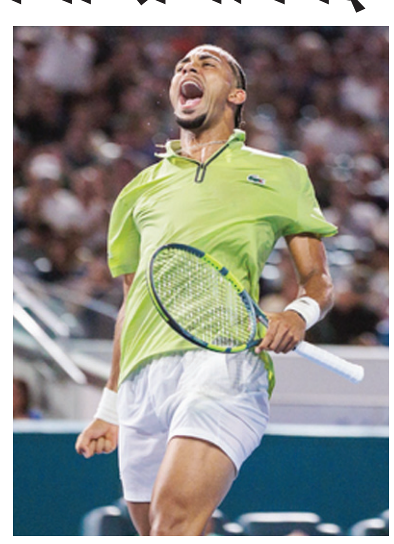

मियामी। फ्रांस के युवा टेनिस खिलाड़ी आर्थर फिल्स ने मियामी ओपन के क्वार्टर फाइनल में अमेरिका के टॉमी पॉल को 6-7(3), 7-6(4), 7-6(6) से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ उन्होंने अपने पहले एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह पक्की की। दो घंटे 47 मिनट तक चले मुकाबले में 21 साल के फिल्स ने दबाव में भी धैर्य बनाए रखा। आखिरी सेट के टाई-ब्रेक में वे 2-6 से पीछे होने के बाद लगातार छह प्वाइंट जीतकर मैच अपने नाम करने में सफल रहे। हालांकि, उन्होंने पॉल की सर्विस को बिना तोड़े ही जीत हासिल की। 28वें वरीयता प्राप्त खिलाड़ी फिल्स ने पूरे मैच में आक्रामक खेल दिखाया और जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा, बॉल को और ताकत से हिट किया। यह जीत उनके लिए बेहद खास रही, क्योंकि इससे पहले उन्होंने अपने चारों एटीपी मास्टर्स 1000 क्वार्टर फाइनल में हार का सामना किया था, जिसमें हाल ही में इंडियन वेल्स में बाहर होना भी शामिल था। इस जीत के साथ फिल्स 2007 में पेरिस में रिचर्ड गैस्केट के 21 साल की उम्र में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद सबसे कम उम्र में अंतिम चार का टिकट हासिल करने वाले फ्रेंच खिलाड़ी बन गए। उनका अगला मुकाबला चेक खिलाड़ी जिरी लेहेको से होगा, जिनके साथ उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 का है। उनका सबसे हालिया मुकाबला इस साल की शुरुआत में दोहा में हुआ था, जहां फिल्स ने सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी। जिरी लेहेको ने क्वार्टर फाइनल में स्पेन के मार्टिन लैंडालूस को 7-6(1) और 7-5 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। 20 वर्षीय लैंडालूस का प्रदर्शन टूर्नामेंट में शानदार रहा। वह 1994 के बाद से सबसे कम रैंकिंग के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले खिलाड़ी रहे।

लैंडालूस 2006 या उसके बाद पैदा हुए पहले ऐसे खिलाड़ी भी बने जो मास्टर्स 1000 इवेंट के आखिरी आठ में पहुंचे। दोनों सेट में लेहेको ने अपने खास पलों पर अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने 10 ब्रेक-प्वाइंट मौके बनाए, जबकि उनके विरोधी खिलाड़ी सिर्फ एक ही ब्रेक-प्वाइंट बना सका। अंत में दूसरे सेट में इसका फायदा उठाकर लेहेको ने 2 घंटे 2 मिनट में जीत हासिल की। इस हफ्ते लेहेको की रैंकिंग में सुधार हुआ और वे वर्ल्ड नंबर 16 पर पहुंच गए, जो उनके करियर का हाईएस्ट रैंकिंग भी है। वहीं लैंडालूस तीन टॉप-50 खिलाड़ियों पर जीत के दम पर 48 स्थान ऊपर चढ़कर 103वें नंबर पर पहुंच गए।

आईपीएल 2026 : मजबूत पेस अटैक, मिडिल ऑर्डर चिंता का विषय, दूसरे खिताब पर होगी गुजरात की निगाहें

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस को अपने दूसरे खिताब की तलाश होगी। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम का पेस अटैक इस बार काफी दमदार दिखाई दे रहा है। हालांकि, गुजरात का मध्यक्रम जरूर उनके लिए चिंता का विषय बन सकता है। कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन गुजरात की तरफ से एक बार फिर पारी का आगाज करते हुए दिखाई देंगे। दोनों का प्रदर्शन पिछले सीजन भी लाजवाब रहा था। वहीं, आईपीएल 2026 में जोस बटलर से टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। हालांकि, बटलर की हालिया फॉर्म बिल्कुल भी अच्छी नहीं है। टी20 विश्व कप 2026 में बटलर रनों के लिए संघर्ष करते नजर आए थे। शेरफेन रदरफोर्ड के जाने से नंबर चार की पोजीशन भी खाली हो गई है। गुजरात ने ऑक्शन में ग्लेन फिलिप्स और टॉम बैंटन को खरीदा है। हालांकि, इन दोनों का रिकॉर्ड आईपीएल में कुछ खास नहीं रहा है। फिलिप्स ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में जरूर अच्छा प्रदर्शन किया था। टीम के मिडिल ऑर्डर में बिखरती हुई पारी को संभालने वाला कोई भरोसेमंद बल्लेबाज नजर नहीं आता है। निचले क्रम में टीम के पास शाहरुख खान और राहुल तेवतिया के रूप में दो अच्छे फिनिशर मौजूद हैं। इसके साथ ही जेसन होल्डर के आने से टीम का संतुलन बेहतर हुआ है। होल्डर बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान दे सकते हैं। गुजरात की सबसे बड़ी ताकत इस सीजन उनकी तेज गेंदबाजी बन सकती है। टीम के पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और ईशांत शर्मा के रूप में दमदार गेंदबाज मौजूद हैं। कृष्णा आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे थे। वहीं, सिराज आगामी सीजन में टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकते हैं। लुक वुड और युवा भारतीय तेज गेंदबाज अशोक शर्मा भी अच्छे विकल्प के तौर पर मौजूद हैं। हालांकि, पिछले सीजन राशिद खान की फॉर्म भी कुछ खास नहीं रही थी।

मियामी ओपन : सबालेंका ने लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में बनाई जगह

मियामी। दुनिया की नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने हैली बैप्टिस्ट को 6-4, 6-4 से हराकर लगातार दूसरी बार मियामी ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सबालेंका का सेमीफाइनल में सामना रायबाकिना से होगा। बैप्टिस्ट ने पूरे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया और कई बार सबालेंका को चुनौती दी। हालांकि, सबालेंका ने अपनी आक्रामक खेल शैली बनाए रखी और धीरे-धीरे मैच अपने पक्ष में कर लिया। शुरुआती सेट में उन्होंने तीन ब्रेक प्वाइंट बचाकर बैप्टिस्ट को मुश्किल स्थिति में डाला। अंत में बैप्टिस्ट का डबल फॉल्ट सबालेंका को सेट दिलाने का कारण बना। दूसरे सेट में बैप्टिस्ट ने 4-4 से वापसी की और मुकाबले को टाइट रखा, लेकिन सबालेंका ने 5-4 पर स्कोर बनाए रखा और बैप्टिस्ट के तीन डबल फॉल्ट के बाद अपना पहला मैच प्वाइंट हासिल किया। इसके तुरंत बाद सबालेंका ने क्रॉसकोर्ट फोरहैंड से विजयी शॉट मारकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ सबालेंका लगातार दूसरे साल मियामी ओपन सेमीफाइनल में पहुंचीं। डब्ल्यूटीए टूर में सबालेंका और एलेना रायबाकिना के बीच 17वीं बार भिड़ंत होगी। हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में सबालेंका 9-7 से आगे हैं। दो हफ्ते पहले उन्होंने इंडियन वेल्स फाइनल में भी रायबाकिना को हराया था। दूसरी तरफ, नंबर तीन वरीयता प्राप्त खिलाड़ी रायबाकिना ने भी नंबर 5 वरीयता जेसिका पेगुला को 2-6, 6-3, 6-4 से हराकर अपने तीसरे मियामी ओपन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने धीमी शुरुआत के बावजूद मुकाबले में वापसी की और 2 घंटे 15 मिनट तक चले मैच में बाजी मारी। राइबाकिना 2026 के अपने दूसरे सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना दूसरा बड़ा खिताब जीता था।

नॉर्थ-ईस्ट भारतीय फुटबॉल की रीढ़ की हड्डी है : सुनील छेत्री

नई दिल्ली। भारत के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री का मानना है कि नॉर्थ-ईस्ट का क्षेत्र भारतीय फुटबॉल की रीढ़ की हड्डी रहा है। छेत्री ने कहा कि अलग-अलग क्लब से लेकर नेशनल टीम तक में आपको नॉर्थ-ईस्ट के ज्यादा खिलाड़ी देखने को मिलेंगे। बुधवार से अरुणाचल प्रदेश के युपिया में मौजूद स्वर्ण जयंती आउटडोर स्टेडियम में अंडर-23 ट्राई नेशन फुटबॉल चैंपियनशिप की शुरुआत हुई। यह टूर्नामेंट 25 से 31 मार्च तक खेला जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए सुनील छेत्री ने नॉर्थ-ईस्ट के फुटबॉल खिलाड़ियों की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय फुटबॉल की तरक्की में यहां के खिलाड़ियों ने अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, छेत्री ने माना कि नॉर्थ-ईस्ट में अभी बुनियादी ढांचे पर काफी काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को मूलभूत सुविधाएं मिलनी चाहिए। छेत्री ने पत्रकारों से आग्रह किया कि वह फेडरेशन से लगातार सवाल पूछते रहें ताकि इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन और यहां पर ज्यादा से ज्यादा फुटबॉल एकेडमी खुलती रही।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 27 मार्च 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

अमेजन ऐड्स ने भारत में पूरे किए 10 साल

भारत में आयोजित अपने पहले प्रमुख इवेंट 'कनेक्टेड वर्ल्डस' में अमेजन ऐड्स ने क्रिएटिव एजेंट्स, ऐड्स एजेंट, सरल कैंपेन मैनेजमेंट और अमेजन ऐड्स क्रिएटर्स प्रोग्राम पेश किया

मुंबई। अमेजन ऐड्स ने भारत में अपना पहला प्रमुख इवेंट 'कनेक्टेड वर्ल्डस आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विज्ञापनदाता, एजेंसियां और पार्टनर्स बड़ी संख्या में शामिल हुए, जहां अमेजन ऐड्स ने क्रिएटिव एजेंट्स और ऐड्स एजेंट जैसे नए एआई टूल्स, एकीकृत कैंपेन मैनेजमेंट, अमेजन ऐड्स क्रिएटर प्रोग्राम और भारतीय ब्रांड्स के लिए रचनात्मकता को आसान बनाने की पहल पेश की। कनेक्टेड वर्ल्डस ने एड टेक, कंटेंट और कॉमर्स इन तीन प्रमुख स्तंभों को एक साथ लाकर एक सहज और पूर्ण-फनल विज्ञापन अनुभव प्रदान किया। अपने दस साल के सफर में अमेजन ऐड्स ने सभी आकार के ब्रांड्स को ग्राहकों तक पहुंचाने से आगे बढ़कर पूरी उपभोक्ता यात्रा, जागरूकता से लेकर खरीद तक में मजबूत जुड़ाव बनाने का काम किया है। वीडियो, डिस्प्ले और डिवाइस विज्ञापनों जैसे विभिन्न फॉर्मेट्स के माध्यम से अमेजन ऐड्स ने अपनी पहुंच का विस्तार किया है। आज प्राइम वीडियो, अमेजन एमएक्स प्लेयर और अमेजन डिमांड साइड प्लेटफार्म पर मौजूद थर्ड-पार्टी पब्लिशर्स के जरिए अमेजन ऐड्स ग्राहकों तक वहां पहुंचता है, जहां वे खरीदारी करते हैं, कंटेंट देखते हैं और ऑनलाइन समय बिताते हैं। इस व्यापक पहुंच का पूरा लाभ उठाने में ब्रांड्स की मदद के लिए अमेजन ऐड्स का ब्रांड इनोवेशन लैब ऐसे नवाचारपूर्ण विज्ञापन अनुभव तैयार करता है, जो इन पलों को सार्थक ब्रांड कनेक्शन में बदल देते हैं। अमेजन ऐड्स इंडिया के वाइस प्रेसिडेंट और हेड गिरीश प्रभु ने कहा कि 'पिछले एक दशक में भारत का विज्ञापन परिदृश्य तेजी से परिपक्व हुआ है और इसके साथ ही ब्रांड्स और उनके ग्राहकों की अपेक्षाएं भी बढ़ी हैं। अमेजन ऐड्स में हमारा फोकस हमेशा ब्रांड्स को उनके दर्शकों के साथ सार्थक और प्रभावी जुड़ाव बनाने में मदद करने पर रहा है। आज हम जिन नवाचारों की घोषणा कर रहे हैं, एआई आधारित क्रिएटिव टूल्स से लेकर एकीकृत कैंपेन मैनेजमेंट तक उनका एक ही उद्देश्य है कि भारतीय ब्रांड्स को पूरी खरीद यात्रा के दौरान सही समय पर सही ग्राहक तक पहुंचने में मदद मिल सके।' विज्ञापनदाताओं के लिए दक्षता बढ़ाने वाले एआई नवाचार इवेंट में अमेजन ऐड्स ने क्रिएटिव एजेंट्स लॉन्च किया, जो एक एजेंटिक एआई टूल है और विज्ञापनदाताओं को अमेजन के व्यापक रिटेल इनसाइट्स का उपयोग करते हुए अपने कैंपेन के लिए आसानी से प्रोफेशनल क्वालिटी के विज्ञापन बनाने में मदद करता है। यह एक क्रिएटिव पार्टनर और रणनीतिकार की तरह काम करता है, जिससे छोटे-बड़े सभी विज्ञापनदाता सिर्फ कुछ घंटों में बेहतर और आकर्षक विज्ञापन तैयार कर सकते हैं, वह भी बिना किसी अतिरिक्त लागत के और उन्हें वही क्रिएटिव बढ़त मिलती है जो पहले केवल बड़े ब्रांड्स को ही मिलती थी। नेचुरल लैंग्वेज प्रॉम्प्ट्स के जरिए विज्ञापनदाता प्रोडक्ट और ऑडियंस रिसर्च कर सकते हैं, नए आइडियाज पर काम कर सकते हैं, स्टोरीबोर्ड फॉर्मेट में क्रिएटिव कॉन्सेप्ट तैयार कर सकते हैं और ग्राहकों को आकर्षित करने वाले वीडियो और डिस्प्ले विज्ञापन बना सकते हैं।

सैमसंग ने पेश किया मेंटेनेन्स मोड डेटा सुरक्षा को मिलेगा और मजबूती

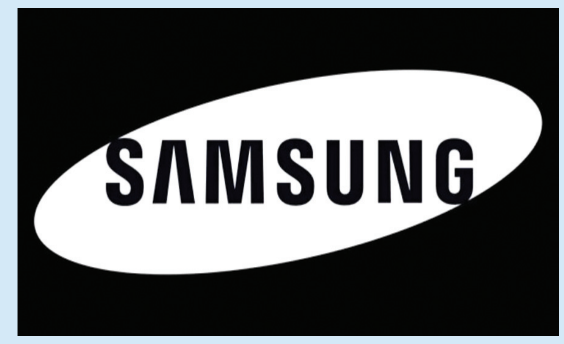

गुरुग्राम। भारत में सबसे बड़ा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने प्राइवेसी-फिस्टेड मेंटेनेन्स मोड फीचर को हाइलाइट किया है, जो रेपियर के दौरान गैलेक्सी डिवाइस को हैंड ओवर करने पर व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। यह फीचर डेटा-संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे व्यक्तिगत जानकारी पूरी तरह से दुर्गम रहती है जब गैलेक्सी डिवाइस पेशेवर सर्विसिंग के लिए सौंपे जाते हैं। स्मार्टफ़ोन संवेदनशील वित्तीय और व्यक्तिगत डेटा के हब बन गए हैं, और सैमसंग पारदर्शिता और नियंत्रण को प्राथमिकता दे रहा है। मेंटेनेन्स मोड एक सुरक्षित, सैंडबॉक्स्ड वातावरण बनाता है, जिससे तकनीशियन उपयोगकर्ता के निजी इकोसिस्टम तक पहुंच के बिना डायग्नोस्टिक्स कर सकते हैं।

मेंटेनेन्स मोड कैसे काम करता है?

मेंटेनेन्स मोड डिवाइस पर एक अलग ऑपरेटिंग वातावरण बनाता है, जिससे सर्विस तकनीशियन उपयोगकर्ता डेटा तक पहुंच के बिना डायग्नोस्टिक्स और रिपेयर कर सकते हैं। एक बार सक्रिय होने के बाद, आवश्यक सिस्टम फ़ंक्शंस तक ही पहुंच सीमित होती है, जिससे व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रहती है। उपयोगकर्ता डिवाइस प्रमाणीकरण का उपयोग करके मेंटेनेन्स मोड से बाहर निकल सकते हैं, जिससे उनके डेटा और सेटिंग्स तुरंत पुनर्स्थापित हो जाते हैं।

वीवो वाय51 प्रो 5जी : दमदार परफॉर्मेंस, लंबी बैटरी लाइफ और स्मार्ट फीचर्स से लैस स्मार्टफोन

नई दिल्ली। वीवो ने हाल ही में अपनी लोकप्रिय वाय-सीरीज का विस्तार करते हुए वीवो वाय51 प्रो लॉन्च किया है। यह स्मार्टफोन उन यूजर्स के लिए डिजाइन किया गया है जो भरोसेमंद परफॉर्मेंस, मजबूत बैटरी लाइफ और स्मार्ट फीचर्स को एक स्टाइलिश पैकेज में चाहते हैं। रोजमर्रा के उपयोग और लंबे समय तक चलने वाली पावर पर फोकस करते हुए, यह डिवाइस सक्षम हार्डवेयर और स्मार्ट सॉफ्टवेयर का बेहतरीन संतुलन पेश करता है। बेहतरीन परफॉर्मेंस और लंबी बैटरी लाइफ इस डिवाइस के केंद्र में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7360 टर्बो चिपसेट दिया गया है, जो रोजमर्रा के काम, एंटरटेनमेंट और गेमिंग के लिए भरोसेमंद परफॉर्मेंस देता है। इसकी एफिशिएंट आर्किटेक्चर मल्टीटास्किंग और लंबे गेमिंग सेशन्स को आसानी से संभालती है, साथ ही थर्मल एफिशिएंसी भी बनाए रखती है। 920,000 से अधिक के AnTuTu स्कोर के साथ, यह फोन स्मूद और रिस्पॉन्सिव परफॉर्मेंस सुनिश्चित करता है। 8GB तक रैम, एक्सटेंडेड रैम सपोर्ट और 128GB/256GB स्टोरेज के साथ यह डिवाइस ऐप्स के बीच स्मूद ट्रांजिशन और स्टेबल बैकग्राउंड परफॉर्मेंस देता है। स्मार्टफोन की मुख्य खासियतों में से एक इसकी बड़ी 7200 mAh बैटरी है, जो 44W FlashCharge के साथ आती है, जिससे यह डिवाइस उन यूजर्स के लिए मजबूत विकल्प बन जाता है जो पूरे दिन तक चलने वाली पॉवर को प्राथमिकता देते हैं।चाहे कंटेंट स्ट्रीम करना हो, सोशल मीडिया ब्राउज करना हो या गेमिंग, यह फोन आराम से पूरे दिन और उससे भी अधिक, कम से कम 2 दिनों तक चलता है। वीवो ने बैटरी मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी भी दी है, जो बैटरी हेल्थ को लंबे समय तक बनाए रखती है और 6 साल तक बेहतर बैटरी परफॉर्मेंस का भरोसा देती है। साथ ही, रिवर्स चार्जिंग सपोर्ट से आप अन्य डिवाइसेज को भी चार्ज कर सकते हैं।

रोजमर्रा की फोटोग्राफी के लिए भरोसेमंद कैमरा : फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए इसमें 50एमपी एचडी वाइड-एंगल मेन कैमरा दिया गया है, जो अलग-अलग लाइटिंग कंडीशन्स में शानदार और शार्प तस्वीरें कैप्चर करता है। एआई - आधारित फीचर्स फोटो को बेहतर क्लैरिटी और कलर बैलेंस देते हैं, जबकि इलेक्ट्रॉनिक इमेज स्टेबिलाइजेशन फोटो और वीडियो को स्टेबल बनाए रखता है। ड्यूल व्यू वीडियो फीचर के जरिए यूजर फ्रंट और रियर कैमरे से एक साथ वीडियो रिकॉर्ड कर सकते हैं, जो व्लॉगिंग और ट्रैवल स्टोरीज के लिए बेहतरीन है। लाइव फोटो फीचर शटर से पहले और बाद के कुछ पलों को कैप्चर करके यादों को और जीवंत बनाता है। IP68 और IP69 रेटिंग के साथ यह फोन अंडरवॉटर फोटोग्राफी को भी सपोर्ट करता है, जिससे आप पानी में भी बेफिक्र होकर फोटो ले सकते हैं। लाइव फोटो फीचर हमें यादों को सुरक्षित रखने में भी मदद करता है। वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए इसमें 4K सपोर्ट भी दिया गया है, जिससे यूजर हाई-क्वालिटी वीडियो शूट कर सकते हैं।

ओरिजिन ओएस 6 के साथ स्मार्ट फीचर्स : यह स्मार्टफोन पहली बार वीवो की वाई सीरीज में ओरिजिनओएस 6 लेकर आता है, जिसमें कई इंटेलिजेंट एआई फीचर्स शामिल हैं, जो स्मूद और प्रोडक्टिविटी-फोकस्ड परफॉर्मेंस देते हैं। यह सॉफ्टवेयर एक्सपीरियंस एआई-ड्रिवन टूल्स के साथ आता है, जो रोजमर्रा के कामों को आसान बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन और कोलंबिया कॉलेज द्वारा रायपुर में अंतर-महाविद्यालय टीचिंग प्लान प्रतियोगिता का आयोजन

छत्तीसगढ़ में अंतर-महाविद्यालय टीचिंग प्लान प्रतियोगिता में भावी शिक्षकों ने कक्षा तैयारी का प्रदर्शन किया

रायपुर। स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन ने कोलंबिया कॉलेज, रायपुर के सहयोग से अंतर-महाविद्यालय टीचिंग प्लान प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें छत्तीसगढ़ के प्री-सर्विस शिक्षकों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता पिछले दो महीनों से आयोजित की जा रही थी, जिसका यह अंतिम चरण था। यह प्रतियोगिता रायपुर, दुर्ग, जांजगीर-चांपा, कोरबा और बिलासपुर जिलों में दो चरणों में आयोजित की गई, जिसमें 11 कॉलेजों के छात्र-शिक्षकों ने भाग लिया। कुल 21 प्रतिभागियों का चयन अंतिम चरण के लिए किया गया, जिन्होंने अपने टीचिंग प्लान प्रस्तुत किए। टीचिंग प्लान प्रभावी कक्षा शिक्षण का एक महत्वपूर्ण आधार है। यह शिक्षकों को पाठ्यवस्तु को व्यवस्थित करने, स्पष्ट शिक्षण उद्देश्यों को निर्धारित करने और छात्र-केंद्रित एवं रोचक शिक्षण गतिविधियों की योजना बनाने में मदद करता है। अंतिम चरण में प्रतिभागियों ने माइक्रो-टीचिंग के माध्यम से अपने टीचिंग प्लान का वास्तविक कक्षा जैसी परिस्थितियों में प्रदर्शन किया। इन प्रस्तुतियों में अवधारणाओं की स्पष्टता, प्रभावी शिक्षण पद्धति और विद्यार्थियों को जोड़ने की क्षमता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। यह कार्यक्रम सह-अधिगम का भी एक मंच बना, जहाँ प्रतिभागियों ने एक-दूसरे की शिक्षण शैली और तरीकों से सीखने का अवसर प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों के स्वागत और सम्मान के साथ हुई, जिसके बाद शिक्षा विशेषज्ञों और अकादमिक नेतृत्व द्वारा संबोधन दिए गए। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों के रूप में श्री किशोर जाधवानी, चांसलर, कोलंबिया प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी; श्री हरजीत सिंह होरा, प्रो-चांसलर; प्रो. रमन कुमार झा; तथा डॉ. अरुण कुमार दुबे, प्राचार्य, कोलंबिया कॉलेज उपस्थित रहे।

स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन की ओर से डॉ. एंटनी नेलिस्सेरी (हेड), पुष्पा चंदेल (चीफ मैनेजर - अकादमिक कंटेंट एवं डिजिटल लर्निंग), पंकज गुराव (असिस्टेंट मैनेजर - ऑपरेशंस), रघुनाथन नायर, रितेश कुमार, मनवेंद्र सिंह (प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर) और यश घाटगे (कम्युनिकेशंस) उपस्थित रहे। प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला ने कहा, 'एक सशक्त टीचिंग प्लान प्रभावी शिक्षण की नींव होता है। जब शिक्षक स्पष्ट उद्देश्य और योजना के साथ पढ़ाते हैं, तो विद्यार्थियों की समझ और सहभागिता बेहतर होती है।'

डॉ. एंटनी नेलिस्सेरी ने कहा, 'स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन का मानना है कि मजबूत कक्षाओं की शुरुआत अच्छे से तैयार शिक्षकों से होती है। टीचिंग प्लान केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि यह दर्शाता है कि शिक्षक सीखने की प्रक्रिया को कैसे समझता है। ऐसी पहलें भावी शिक्षकों को व्यवहारिक और प्रभावी शिक्षण कौशल विकसित करने में मदद करती हैं।' श्री किशोर जाधवानी ने कहा, 'शिक्षक प्रशिक्षण को केवल सिद्धांत तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इस तरह की प्रतियोगिताएँ छात्र-शिक्षकों को व्यवहारिक रूप से सोचने और आत्मविश्वास के साथ पढ़ाने के लिए प्रेरित करती हैं।' डॉ. अरुण कुमार दुबे ने कहा, 'स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन के साथ हमारा सहयोग शिक्षक शिक्षा को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसी पहलें छात्र-शिक्षकों को वास्तविक कक्षा अनुभव प्रदान करती हैं।' प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और मेडल प्रदान किए गए तथा विजेताओं को नकद पुरस्कार, स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता के विजेता इस प्रकार रहे

श्रेणी: सामाजिक विज्ञान - भाषा-

- प्रथम स्थान: प्रीति मसीह, कोलंबिया कॉलेज, रायपुर
- द्वितीय स्थान: सूर्यकांत ठाकुर, संदीपनी अकादमी, बिलासपुर
- तृतीय स्थान: आंचल राठौर, कमला नेहरू कॉलेज, कोरबा

श्रेणी: गणित / विज्ञान-

- प्रथम स्थान: विकास कुमार शाह, हसदेव कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कोरबा
- द्वितीय स्थान: दीक्षा दुबे, विकास महाविद्यालय, रायपुर
- तृतीय स्थान: आयुषी सोनी, रामकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, रायपुर

कार्यक्रम में प्रतिभागियों और फैकल्टी द्वारा अनुभव साझा किए गए, जिसमें प्रतियोगिता के दोनों चरणों से मिली सीख पर चर्चा की गई। यह अंतर-महाविद्यालय टीचिंग प्लान प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ में शिक्षक शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो भावी शिक्षकों को बेहतर योजना, शिक्षण पद्धति और कक्षा अभ्यास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित करती है। स्टरलाइट एडइंडिया फाउंडेशन शिक्षक शिक्षा, डेटा एनालिटिक्स सपोर्ट और शिक्षा प्रणालियों के संस्थागत सुदृढ़ीकरण के क्षेत्रों में कार्य करता है। यह फाउंडेशन स्टरलाइट इलेक्ट्रिक, रेसोनिया और सेरेंटिका द्वारा समर्थित एक सीएसआर पहल है।

रिजर्व बैंक का एमपीसी कैलेंडर जारी पहली मौद्रिक समीक्षा बैठक 6-8 अप्रैल को

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने अगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक का कैलेंडर जारी कर दिया है। आरबीआई की पहली तीन दिवसीय द्विमासिक एमपीसी समीक्षा बैठक 6 से आठ अप्रैल को होगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति अगले वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2026-27 में कुल छह बैठकें करेगी। केंद्रीय बैंक की ओर से यह घोषणा आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45ढ्ढ के तहत की गई है, जिसके अनुसार रिजर्व बैंक को नीतिगत बैठकों का कैलेंडर प्रकाशित करना अनिवार्य है। रिजर्व के मुताबिक यह बैठकें इसलिए होंगी, ताकि व्यापक आर्थिक स्थितियों की समीक्षा की जा सके और नीतिगत दरों और तरलता उपायों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकें। पहली बैठक 6 से आठ अप्रैल को होगी। आरबीआई की दूसरी मौद्रिक समीक्षा बैठक 3 से पांच जून तक होगी। इसके बाद 3, 4 और 5 अगस्त को तीसरी 5, 6 और 7 अक्टूबर को चौथी, 2, 3 और 4 दिसंबर को पांचवीं तथा 3, 4 और 5 फरवरी, 2027 को छठी तीन दिवसीय की बैठकें आयोजित की जाएंगी। आमतौर पर एमपीसी की समीक्षा बैठक के तीसरे दिन समिति प्रस्ताव पर मतदान करती है और मतदान पूरा होने के बाद रिजर्व बैंक गवर्नर निर्णय की घोषणा करते हैं। मौद्रिक नीति समिति में कुल छह सदस्य होते हैं। एमपीसी महंगाई को नियंत्रित करने के लिए रेपो रेट तय करने का काम करती है। इसमें तीन आरबीआई अधिकारी (गवर्नर सहित) और तीन बाहरी सदस्य शामिल हैं, जिन्हें केंद्र सरकार नियुक्त करती है।

स्क्रैपेज-लिंक्ड ईवी प्रोत्साहन से लास्ट-माइल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को मिल सकती है रफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा प्रस्तावित नई प्रोत्साहन योजना स्वच्छ परिवहन की दिशा में तेजी ला सकती है। खासकर लास्ट-माइल मोबिलिटी सेगमेंट में इसका बड़ा प्रभाव देखने को मिल सकता है, ऐसा उद्योग विशेषज्ञों का मानना है। सरकार की प्रस्तावित नई प्रोत्साहन योजना के तहत पुराने वाहनों को स्क्रैप कर इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलाव करने पर एक लाख रुपये तक का लाभ दिए जाने का प्रावधान है। इसके तहत दिल्ली में पंजीकृत पुराने वाहनों के मालिक यदि अपने वाहन को अधिकृत स्क्रैपिंग केंद्रों पर जमा कर छह महीने के भीतर नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदते हैं, तो वे वित्तीय प्रोत्साहन के पात्र होंगे। इस योजना में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए 10,000, इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहनों के लिए 25,000 और इलेक्ट्रिक कारों के लिए 1 लाख तक की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही कुछ ईवी श्रेणियों के लिए रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस में भी छूट का प्रावधान है। हालांकि, यह नीति कई वाहन श्रेणियों को कवर करती है, लेकिन उद्योग से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि इलेक्ट्रिक तीन पहिया वाहन (ई3डब्ल्यू) को इसका सबसे अधिक लाभ मिलेगा, क्योंकि इनका उपयोग यात्री परिवहन और शहरी माल ढुलाई में व्यापक रूप से किया जाता है।

अमेजन बिजनेस क्यूरेटेड डील्स, बल्क डिस्काउंट और एक्सक्लूसिव कैशबैक के साथ खरीदी को आसान बनाने में कर रहा है मदद

बेंगलुरु। अमेजन बिजनेस का 'एंड ऑफ फाइनेंशियल ईयर' सेल 2026 अब लाइव है, जिससे व्यवसायों को कई अलग-अलग कैटेगरी में साल के अंत में अपनी खरीदारी की योजना बनाने और उसे पूरा करने का अवसर मिल रहा है। लैपटॉप और टैबलेट से लेकर ऑफिस फर्नीचर, औद्योगिक सप्लाइज और किचन उपकरण तक, ग्राहक एसर, एचपी, लेनोवो, बॉश, हैवेल्स, नॉइज, बोट जैसे ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स पर आकर्षक ऑफर पा सकते हैं। चुनिंदा कैटेगरी में प्रीपेड ऑर्डर पर 9,999 रुपये तक का अतिरिक्त कैशबैक और 30 दिनों का इंस्टेंट ब्याज-मुक्त क्रेडिट उपलब्ध है, जिसे 12 महीनों तक कम ब्याज दर पर बढ़ाने की सुविधा भी मिलती है, वह भी बिना किसी छिपी लागत के।

व्यवसाय निम्नलिखित कैटेगरी में डील्स का लाभ उठा सकते हैं

- **आईटी सप्लाइज:** लैपटॉप, टैबलेट, मॉनिटर, ऑडियो डिवाइस और वेयरेबल्स पर 50% तक की छूट।
- **ऑफिस एसेंशियल्स:** ऑफिस चेयर, फर्नीचर, स्टेशनरी, पेपर, पंखे और होम एंड किचन एसेंशियल्स पर 70% तक की छूट
- **औद्योगिक सप्लाइज:** औद्योगिक उपकरण, पावर और हैंड टूल्स, पैकेजिंग एंड शिपिंग, प्रोफेशनल्स मेडिकल सप्लाइज और सेफ्टी।

इक्विपमेंट पर 60% तक की छूट : अमेजन बिजनेस ने बिजनेस ग्राहकों के लिए खरीद प्रक्रिया को तेज और आसान बनाने के लिए एआई का उपयोग किया है। नए ग्राहकों के सत्यापन समय में लगभग 30% की कमी आई है, जिससे नए व्यवसाय कुछ ही मिनटों में वेरिफाई होकर खरीदारी शुरू कर सकते हैं। यह प्लेटफॉर्म ग्राहकों के खरीद इतिहास, उद्योग और खरीद व्यवहार के आधार पर व्यक्तिगत उत्पाद सुझाव, डील्स और क्रेडिट विकल्प भी प्रदान करता है, जिससे व्यवसायों को उनकी विशेष जरूरतों के अनुसार प्रासंगिक जानकारी मिलती है। अमेजन बिजनेस अपने ग्राहकों के लिए डिजिटाइजेशन को बढ़ावा देने और उनकी खरीद प्रक्रिया को सरल बनाने पर केंद्रित है, और यह लगातार अपने बिजनेस ग्राहकों के लिए अपनी सेवाओं को बेहतर बना रहा है। यह कई बिजनेस-फ्रेंडली फीचर्स प्रदान करता है मल्टी-यूजर अकाउंट्स के जरिए व्यवसाय एक ही अमेजन बिजनेस अकाउंट में कई टीम मेंबर्स को जोड़ सकते हैं और प्रत्येक टीम के लिए अप्रूवल पॉलिसी और बजट गार्डरेल्स सेट कर सकते हैं। बिल टू-शिप; सुविधा से बिजनेस ग्राहक एक स्थान से खरीदारी करके दूसरे स्थान पर डिलीवरी करवा सकते हैं, बिना जीएसटी इनपुट क्रेडिट खोए। इनवॉइस बाय अमेजन; फीचर के माध्यम से सप्लायर कंसोलिडेशन संभव होता है, जिससे ग्राहक अमेजन बिजनेस मार्केटप्लेस पर कई विक्रेताओं से खरीदारी कर सकते हैं, लेकिन उन्हें एक ही विक्रेता से कंसोलिडेटेड इनवॉइस प्राप्त होता है। पंच आउट; फीचर के जरिए प्रोक्योरमेंट प्लेटफॉर्म इंटीग्रेशन की सुविधा मिलती है, जिससे एंटरप्राइज ग्राहक अपने प्रोक्योरमेंट सिस्टम को सीधे अमेजन के साथ इंटीग्रेट कर सकते हैं। 2025 में अमेजन बिजनेस ने भारत भर के व्यवसायों के लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय लाभ सुनिश्चित किए, जिसमें एमएसएमई को कैशबैक रिवॉर्ड्स, क्वांटिटी डिस्काउंट और एक्सक्लूसिव डील्स से लेकर एंटरप्राइज ग्राहकों ने बल्क प्राइसिंग और सहज जीएसटी-अनुपालन इनवॉइसिंग का लाभ उठाया, जिससे उन्हें इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त करने में मदद मिली। इसके अलावा, अमेजन बिजनेस ने उद्यम और एफएसएसएआई लाइसेंस धारकों के लिए अपनी पहुंच का विस्तार किया, जिससे भारत के 80% से अधिक एमएसएमई इकोसिस्टम के लिए डिजिटल प्रोक्योरमेंट के रास्ते खुल गए।

स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र की वृद्धि दर 9 फीसदी, 2024-25 में प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ रुपये के पार

नई दिल्ली। देश का स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र वार्षिक आधार पर लगभग नौ फीसदी की दर से मजबूत वृद्धि दर्ज हासिल कर रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में इस सेक्टर का कुल प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र की कार्यक्षमता बढ़ाने और पॉलिसीधारकों को समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने कैशलेस स्वास्थ्य बीमा दावों के प्रसंस्करण के लिए विशिष्ट समय-सीमा निर्धारित की है। मंत्रालय ने कहा कि निर्धारित समय-सीमा और नियामक उपायों का उद्देश्य स्वास्थ्य बीमा दावों के निपटारे में दक्षता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना है। आईआरडीएआई ने कैशलेस इलाज के लिए समय सीमाएं तय की हैं। इसके तहत कैशलेस प्री-ऑथराइजेशन-एक घंटे के अंदर, फाइनल ऑथराइजेशन-तीन घंटे के अंदर होना चाहिए। इन समय सीमाओं का मकसद देरी को कम करना और यह पक्का करना है कि मरीजों को समय पर मेडिकल देखभाल मिल सके। मंत्रालय के अनुसार स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में वृद्धि के मुख्य कारण हैं, जिनमें पॉलिसीधारकों की बढ़ती उम्र, अधिक कवरेज और बेहतर सुविधाएं आदि हैं। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 85.66 फीसदी, 2023-24 में 82.46 फीसदी और 2024-25 में 87.50 फीसदी भुगतान किए गए दावों का अनुपात रहा है।

डीपीआईआईटी ने क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया समझौता

नई दिल्ली। देश के स्टार्टअप और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाते हुए उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक डिजिटल मनोरंजन कंपनी क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस समझौता ज्ञापन पर डीपीआईआईटी के उप सचिव टीएलके सिंह और क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के गवर्नमेंट रिलेशंस हेड विभोर कुकरेती ने दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। इस सहयोग का उद्देश्य डिजिटल मनोरंजन, ऑनलाइन गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स, इंटरैक्टिव मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित तकनीकों जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले प्रोडक्ट स्टार्टअप्स के विकास को बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने बताया कि इसका लक्ष्य स्टार्टअप्स को व्यवस्थित उद्योग जुड़ाव के माध्यम से ऐसे समाधान विकसित करने में सक्षम बनाना है, जो विस्तार योग्य हों और उद्योग के लिए प्रासंगिक हों। इस पहल के तहत स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, इंडस्ट्री से जुड़ी जानकारी, ज्ञान के आदान-प्रदान के प्लेटफॉर्म और खासतौर पर तैयार किए गए जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। ये साझेदारी स्टार्टअप्स को कुछ अहम पड़ाव हासिल करने में भी मदद करेगी, जैसे कि अवधारणा का प्रमाण (पीओसी) तैयार करना, बाजार तक पहुंच बनाना और जहां भी संभव हो, उन्हें इंडस्ट्री के इकोसिस्टम में शामिल करना है। इस अवसर पर डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने कहा कि यह सहयोग भारत की डिजिटल और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि ऐसी साझेदारियां स्टार्टअप्स को उभरते हुए तकनीकी क्षेत्रों में नवाचार करने, अपना विस्तार करने और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी समाधान तैयार करने में सक्षम बनाती हैं। उन्होंने बताया कि इस सहयोग के तहत डीपीआईआईटी, क्राफ्टन इंडिया प्रा. लिमिटेड के साथ मिलकर 'भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज' के तहत इनोवेशन चुनौतियों के आयोजन की संभावनाओं को तलाशेगा। इसके साथ ही गेम डिजाइन, एनिमेशन, इमर्सिव टेक्नोलॉजीज, ई-स्पोर्ट्स मैनेजमेंट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुप्रयोगों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित हैकाथॉन, वर्कशॉप और मास्टरक्लास का भी आयोजन किया जाएगा। संजीव ने कहा कि यह सहयोग उद्योग जगत के साथ मेल-जोल, ज्ञान के आदान-प्रदान और वैश्विक बेहतरीन कार्यप्रणालियों से रूबरू होने में भी मदद करेगा। चुने गए स्टार्टअप्स को पायलट सहयोग के अवसर मिल सकते हैं।

हमारा 8 घंटे बाद घर जाना भी लोगों को खलता है, फिल्म सेट पर सपने की तरह बीत गए 25 साल : श्रिया सरन

साउथ में शिवाजी द बॉस, छत्रपति और पोक्किरी राजा जैसी सुपरहिट फिल्में हों या हिंदी की हिट दृश्यम फ्रेंचाइजी, ऐक्ट्रेस श्रिया सरन पिछले ढाई दशक से अपने दर्शकों के दिलों पर राज कर रही हैं।

आपको ऐक्टिंग की दुनिया में 25 साल हो गए। पीछे मुड़कर देखती हैं तो क्या अहसास होता है?

यह सब एक सपने जैसा है। जब मैं इंडस्ट्री में आई थी तो लगा था कि ये एक फिल्म करूंगी और फिर वापस कॉलेज चली जाऊंगी, लेकिन एक फिल्म के बाद दूसरी, फिर तीसरी होती गई। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मुझे ये मौका मिला क्योंकि जब मैंने काम शुरू किया था, तब इंटरनेट वगैरह नहीं था तो स्पॉट होना और काम मिलना इतना आसान नहीं था। उस पर जब मैंने काम शुरू किया था तो ऐक्टिंग के बारे में कुछ नहीं जानती थी। मैंने कहीं ऐक्टिंग नहीं सीखी थी, फिर भी इतने सारे डायरेक्टर्स ने मुझ पर विश्वास किया।

आपकी सीरीज में जब चंद्रयान 2 फेल होता है, तो वैज्ञानिकों के मन में खुद की प्रतिभा पर सवाल भी उठते हैं, कभी आप अपने करियर में सेल्फ डाउट के इस दौर से गुजरी हैं?

बहुत बार। कई बार ऐसा हुआ है कि मैं अपनी चॉइस पर सवाल कर रही होती हूं कि मैंने गलत किया, ये फिल्म नहीं करनी चाहिए थी, पर फिल्म हिट हो गई। ऐसा बहुत बार हुआ है। वहीं, कभी किसी फिल्म के लिए बहुत ज्यादा मेहनत की और वो फिल्म नहीं चली, तब खुद की चॉइस पर शक होता है। आप वजहें ढूंढ़ते हैं, पर समझ नहीं आता कि इतनी मेहनत की, फिर क्यों नहीं चली। आप उस

किरदार के इतने प्यार में होते हैं कि लगता है कि उसके साथ गलत हुआ। मेरे साथ तो सेल्फ डाउट वाली स्थिति बहुत हुई है, लेकिन आप उससे लड़ते हैं, जीतते हैं और आपको अहसास होता है कि उससे आगे ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिसके लिए आपको शुक्रगुजार होना चाहिए। जो मौके आपको मिले, उसे लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने लंबे करियर में आपने रजनीकांत, नागार्जुन, अजय देवगन जैसे दिग्गजों के साथ काम किया है। उनकी कोई ऐसी सलाह है, जो बहुत पते की लगी?

बिल्कुल, जब मैं रजनीकांत सर के साथ शिवाजी द बॉस कर रही थी तो वो मेरे लिए बहुत बड़ा मौका था। शंकर (डायरेक्टर) सर, रजनीकांत सर, एआर रहमान सर, सबके साथ काम करना बहुत बड़ी बात थी। हम गाना शूट कर रहे थे, मैंने सही स्टेप किया तो राजू सुंदरम, जो बेहतरीन कोरियोग्राफर हैं, उन्होंने बहुत ही कमाल की बात कही कि तुम ये फिल्म कर रही हो, ये फिल्म बड़ी हिट होगी।

आप ऐक्टिंग के डिमांडिंग प्रफेशन और 5 साल की बेटी राधा की मां की भूमिका के बीच तालमेल कैसे बैठाती हैं?

हम माएं अपने बच्चे के लिए सारी व्यस्तताओं के बावजूद वक्त निकाल ही लेती हैं। मैं शूट से दो का भी ब्रेक मिलता तो वक्त चुराकर राधा से मिल आती थी। बीच-बीच में फेसटाइम कर लेती हूं। यह समाज की सोच है कि औरतों से ही ऐसे सवाल होते हैं। हमेशा वर्किंग माओं से ही पूछा जाता है कि जब आप काम कर रही हैं तो बच्चे की देखभाल कौन करता है? आप काम पर कैसे आए हैं? घर पर कौन है? और अगर आप ये बोलें कि आज मैं आठ घंटे काम करना चाहती हूं, नौवें घंटे घर जाना चाहती हूं तो तो नौवें घंटे पर भी लोगों को दिक्कत होती है, तो आपको इन सब चीजों से डील करना पड़ता है, पर ठीक है यार। हमें इन चीजों को हल्के में लेना पड़ता है और मां होने को इंजॉय करना होता है। एक मां होने का अहसास अनमोल है।

मेन करैक्टर हूं मैं, कोनों में बैठने के लिए नहीं बनी, सेंटर रूम के लिए बनी हूं : कुब्रा सैत

ट्रायल की सना शेख, एक्ट्रेस कुब्रा सैत को जब भी दमदार किरदार मिले, उन्होंने उसे निचोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन स्ट्रॉन्ग, कॉम्प्लेक्स लड़कियों में उन्होंने बिंदासियत और संवेदनशीलता का मिला-जुला रंग भरकर यादगार बना दिया। अब अपनी नई सीरीज 'संकल्प' में भी वह डीएसपी परवीन शेख की सशक्त भूमिका में हैं।

'सेक्रेड गेम्स' की कुकू हो या 'दक्या ऐसे किरदारों से वह ज्यादा जुड़ाव महसूस करती हैं?

इस पर कुब्रा का कहना है, 'मैं खुशनसीब हूं कि मुझे ये किरदार निभाने को मिले। उनमें जो कॉम्प्लेक्सिटी है, उसे निभाना सौभाग्य की बात है। मैं इनसे सीख पाती हूं कि सिर्फ ताकतवर होना ही मजबूती नहीं है। असुरक्षित, टूटा होकर खड़ा होना भी ताकत है। मुझे लगता है कि ये जितने भी किरदार मैंने निभाए हैं, उनमें कुछ न कुछ मेरा होगा क्योंकि ये सारे रंग हम सबमें हैं। वो चाहे बिंदासियत हो, ताकत या असुरक्षित महसूस करना, इन किरदारों के जरिए मुझे अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अच्छी बात ये है कि ऑडियंस इनसे रिलेट कर पा रही है, पसंद कर रही है तो हम कुछ तो सही कर रहे है। यही चीज मुझे प्रेरित करती है।'

खुद को साबित करने की आग थी

कुब्रा ने निजी जिंदगी में भी कम बिंदास फैसले नहीं लिए। फिर राजनीतिक परिवार में जन्म के बावजूद बॉलिवुड की राह चुनना हो या माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़कर एक्टिंग में आना। इस बिंदास एटीट्यूट के बाबत वह बताती हैं, 'जब मैं मुंबई आई थी तो मुझे सिर्फ खुद को प्रूव करना था कि क्योंकि मेरी फैमिली का एक्टिंग से कोई लेना देना नहीं है। मैं माइक्रोसॉफ्ट की नौकरी छोड़कर आई थी तो मेरे पास फेल होने का ऑप्शन ही नहीं था। मुझे यहां पर अपना नाम, काम, मुकाम खुद बनाना था क्योंकि मुझे भरोसा था कि मैं माइक्रोसॉफ्ट में ना काम करूं तो भी सफल रहूंगी और अपने दम पर सफल रहूंगी। इसलिए, मैंने इस पूरे सफर को कभी भी मुश्किल है, कठिन है, ऐसे देखा ही नहीं क्योंकि दुनिया में आसान कुछ नहीं होता। बाकी, शुरू में डर हर चीज में लगता है, पर उसे पार करके ही आप जीत की उम्मीद कर सकते हैं। जैसे मुझमें कुछ हासिल करने की इतनी अंगार थी तो मुझे तय करना था कि मै डर के पीछे छिपी रहूंगी या आग में कूदूंगी और मुझे आग में कूदना था, तो हां, ये बिंदासगिरी हमेशा से थी। मैंने खुद को फेल होने का ऑप्शन ही नहीं दिया। मेरी सोच हमेशा ये थी कि ऐसी कौन सी चीज है जो हम कर नहीं सकते।'

मैं कोनों में कभी नहीं बैठी

कुब्रा की पहली ही फिल्म रेडी सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ थी। उनके साथ काम करते वक्त कोई डर या इंटीमिडेशन था, यह पूछने पर वह कहती हैं, 'नहीं यार, मैं बहुत कॉन्फिडेंट थी तो मैं सबके साथ बैठकर बातें करती थी। मुझे सबके बारे में जानना था। मैं सलमान खान सर के साथ भी बैठती थी। उनसे पूछती थी कि ये कैसे हुआ, वो कैसे हुआ, तो वे भी बातें करते थे। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि नई हूं तो कोने में बैठना जरूरी है। मैं कोनों के लिए शायद बनी ही नहीं हूं। मैं सेंटर रूम के लिए बनी हूं। मेरा मानना है कि इस इंडस्ट्री में खुद पर भरोसा करना सबसे जरूरी है। अगर आप खुद पर ही विश्वास नहीं करोगे तो कोई आप पर विश्वास क्यों करेगा। अगर आप खुद पर विश्वास रखें तो आपके लिए द एंड कभी होगा ही नहीं।'

जिंदगी में अनुभव के लिए 'हां' बोलना जरूरी

सेक्रेड गेम्स में ट्रांसजेंडर कुकू की भूमिका के लिए हां करते वक्त क्या कुब्रा को कोई हिचक थी? इस बारे में वह तपाक से कहती हैं, 'बिल्कुल भी नहीं क्योंकि जब अनुराग कश्यप मुझे बोल रहे हैं कि ये किरदार तुम बस करो तो करना चाहिए ना। फिर, ऐसा तो था नहीं कि मेरे पास बहुत सारा काम था। ऐसे में, मैं इसे ना कह देती तो मुझसे बड़ा बेवकूफ और कोई होता। हालांकि, आज भी मैं खुद को प्रूव ही कर रही हूं लेकिन मैंने कभी ये नहीं कहा कि यह रोल छोटा है, वो बड़ा है। मेरा अप्रोच ये रहता है कि जो काम आए उसे सच्चे दिल से करो। आगे बड़े रोल भी आएंगे, वो भी करेंगे। हर चीज का वक्त होता है। हम कभी सोच भी नहीं सकते थे कि कुकू जैसा कैरेक्टर 10 साल बाद भी लोगों की जुबान पर रहेगा।

जिंदगी को भी 'गेम' जैसे खेलती हूं

टैलंट के बावजूद 15 साल लंबे करियर में कुब्रा मेन लीड में ना के बराबर ही दिखी हैं। क्या इस बात का कभी मलाल होता है? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'नहीं यार, ये सब सोचूंगी तो जो काम हो रहा है वो भी बंद हो जाएगा। मुझे बहुत कुछ क्रिएट करना है। अपना बहुत कुछ करना है। मैं इन बातों में फंसी तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। इससे बेहतर जो काम है या जो काम मैं करना चाहती हूं, उस पर फोकस करूं। बाकी तो बहुत कुछ हो सकता था, पर मैं आज यहां पर हूं और अपने काम में मुझे मजा आ रहा है, इससे बड़ी बात और क्या होगी। हां, कभी कभी लगता है। जैसे, कोविड के वक्त मुझे लगा था कि सब खत्म हो गया। अब कुछ नहीं होगा। मैं अपना सामान पैक करके वापस घर चली जाऊंगी, मगर नहीं गए, टिके रहे और यहां पर टिके रहने का ही गेम है। जैसे कंप्यूटर गेम खेलते हैं न। वहां एक लेवल, दो लेवल पार करने के बाद अगर तीसरा हार जाते हैं तो क्या मोबाइल फेंक देते हैं? नहीं ना, तो हम अपनी पूरी जिंदगी ऐसे क्यों नहीं खेल सकते। जिंदगी आपको सरप्राइज करेगी, बस थोड़ा वक्त दे दो। मुझे लगता है कि यहां तक भी पहुंचना बड़ी बात है।'

मैंने उस जमाने में भी शादी के बाद सरनेम नहीं बदला अपने मां-बाप का नाम आगे ले जाना है : अपरा मेहता

पिछले 5 दशक से थिएटर, टीवी, फिल्म, ओटीटी, हर माध्यम में अपने अभिनय की छाप छोड़ने वाली अदाकारा अपरा मेहता आज भी पर्दे पर लगातार सक्रिय हैं। पिछले साल वेब सीरीज 'ऊप्स अब क्या' और अपने सुपरहिट शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' के सीक्वल के लिए चर्चा में रही अपरा इन दिनों टीवी शो 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी: बींदणी' में नजर आ रही हैं।

आपको अभिनय की दुनिया में 50 साल हो गए। क्या चीज आपको एक्टिंग करते रहने के लिए प्रेरित करती है?

वो चैलेंज, जो हर बार मेरे सामने आता है। इस प्रफेशन की यही तो खूबी है कि एक एक्टर कभी ये नहीं कह सकता कि उसे सब आता है। मेरे नए शो प्रथाओं की ओढ़े चुनरी: बींदणी की ही बात लीजिए, इस रोल में ढलने के लिए मैंने काफी स्ट्रगल किया क्योंकि इसमें मारवाड़ी टोन वाला किरदार है, जो मैंने पहले कभी नहीं किया। असल में मेरी हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती, मराठी चारों भाषाएं बहुत साफ है तो इसमें म्हारे-थारे वाली भाषा पकड़ने में मुझे काफी मुश्किल हुई। ऐसे ही, जब मैंने ओटीटी के लिए वेब सीरीज कीं, तो वहां बहुत ज्यादा नैचरल ऐक्टिंग करनी होती है। वो अलग चैलेंज होता है क्योंकि टीवी की वजह से हमें लाइन पर जोर देने की आदत पड़ जाती है। जबकि ओटीटी पर बहुत फ्लैट बोलना होता है, ज्यादा एक्सप्रेशन नहीं देने होते। टीवी में ओवर द टॉप करना होता है तो ये जो नए-नए चैलेंज है, वो मुझे हमेशा उत्साहित रखते हैं।

इस शो में आप रूढ़िवादी प्रथाओं की समर्थक हैं। निजी जीवन में कभी आपको ऐसी प्रथाओं का सामना करना पड़ा?

नहीं, मुझे कभी ऐसी किसी चीज का सामना नहीं करना पड़ा। मैं दोनों (मायका-ससुराल) ही तरफ से बहुत ही प्रोग्रेसिव परिवार से हूं। मैं मुंबई की गुजराती हूं। हमारी नागर कम्यूनिटी है, जो मातृसत्तात्मक है। हमारे यहां औरतें रूल करती हैं। वो बहुत पढ़ी-लिखी होती हैं। हमारे यहां बेटी का जन्म बेटे से ज्यादा शुभ माना जाता है तो मैंने कभी ऐसा कुछ भी नहीं झेला है। काम के दौरान भी थिएटर, टीवी और जो फिल्में मैंने की, वहां भी

कभी कोई भेदभाव नहीं हुआ लेकिन मैं दूसरों के साथ ये सब होते देखती हूं।

कोई ऐसी सामाजिक प्रथा है, जो आपको नागवार गुजरती है?

मुझे तो वहीं से दिक्कत होती है कि क्यों एक लड़की को ही शादी के बाद अपना घर छोड़कर ससुराल जाना पड़ता है? क्यों उसे पति का सरनेम जोड़ना पड़ता है? मैंने इतने साल पहले भी जब शादी की थी तो अपना सरनेम नहीं बदला था। मैंने अपना सरनेम ही रखा। मैं अपने पैरंट्स की इकलौती बच्ची हूं तो मैं उनका नाम आगे लेकर जाना चाहती थी और मुझसे कभी किसी ने ये सवाल नहीं किया कि क्यों मैं अपना सरनेम नहीं बदल रही हूं। इसी तरह, हम एक कपल के तौर पर एक ही बच्चा चाहते थे, वह भी एक बेटी। हमें वो मिली भी तो हमने उसके बाद दूसरे बच्चे का कभी सोचा नहीं। मैं खुद अपने पैरंट्स की इकलौती बेटी हूं। उन्होंने मुझे एक इंसान के तौर पर बड़ा किया, एक लड़की के तौर पर नहीं। कई बार लोग बोलते हैं न, ओह पापा बच्चे का बड़ा अच्छा ख्याल रख रहे हैं, तो इसमें कौन सी बड़ी बात हो गई? वो उसका भी तो बच्चा है, उसे ख्याल रखना ही चाहिए तो मुझे इन सारी रूढ़िवादी बातों से दिक्कत होती है।

धुरंधर 2 का 7 दिनों में वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1006.50 करोड़

सबसे तेज 1000 करोड़ कमाने के मामले में पुष्पा 2 की बराबरी की

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 (धुरंधर: द रिवेंज) ने सबसे तेज 1000 करोड़ रुपए कमाने के मामले में पुष्पा 2 की बराबरी कर ली। दोनों फिल्मों ने ये आंकड़ा 7 दिनों में पार किया। हालांकि 7 दिनों की कुल कमाई में पुष्पा 2 आगे है, जिसने 1011.65 करोड़ रुपए कमाए थे। धुरंधर 2 दुनियाभर में कमाई के मामले में 10वीं सबसे ज्यादा कमाई वाली भारतीय फिल्म बन गई। धुरंधर को दुनियाभर में 1000 करोड़ कमाने में 22 दिन लगे थे। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के सातवें दिन (बुधवार) फिल्म ने भारत में 47.70 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया।

फिल्म ने दुनियाभर में 1006.50 करोड़ रुपए कमाए। धुरंधर 2 का भारत में कुल नेट कलेक्शन 623.42 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 744.58 करोड़ रुपए हो गया है।

ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होता है। ओवरसीज में फिल्म ने 261.92 करोड़ रुपए कमाए, जिससे वर्ल्डवाइड ग्रॉस 1006.50 करोड़ रुपए पहुंच गया। सातवें दिन फिल्म के हिंदी वर्जन ने 44.00 करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा कमाई की।

टीवी से फिल्मों तक का रास्ता आसान नहीं था : उल्का गुप्ता

मनोरंजन जगत में एक प्लेटफॉर्म पर सफलता हासिल करने के बाद कलाकारों के लिए दूसरे माध्यम में खुद को स्थापित करना आसान नहीं होता। यहां हर कलाकार की यात्रा अलग और चुनौतीपूर्ण होती है। अभिनेत्री उल्का गुप्ता के लिए भी टीवी से फिल्मों तक का सफर कुछ ऐसा ही रहा। उल्का गुप्ता ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की और धीरे-धीरे फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनानी शुरू की। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने अपने अब तक के सफर को याद करते हुए बताया कि यह रास्ता बिल्कुल आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि टीवी में कई सालों तक काम करने और अभिनय की बारीकियां

सीखने के बावजूद फिल्मों में आने के लिए उन्हें कई ऑडिशन्स देने पड़े और खुद को बार-बार साबित करना पड़ा। उन्होंने बताया कि आज वह जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने के पीछे उनकी कड़ी मेहनत और लगातार प्रयास हैं। उल्का ने कहा कि हर नए मौके के लिए उन्हें पहले से ज्यादा मेहनत करनी पड़ी, क्योंकि फिल्म इंडस्ट्री में प्रतिस्पर्धा काफी अधिक है और यहां अपनी पहचान बनाना समय लेता है। गौरतलब है कि उल्का गुप्ता को सबसे पहले पहचान लोकप्रिय टीवी शो झांसी की रानी से मिली थी। इस शो में उन्होंने रानी लक्ष्मीबाई के बचपन यानी 'मणिकर्णिका' का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस भूमिका ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई और उनके करियर की मजबूत नींव रखी। इस अनुभव को याद करते हुए उन्होंने कहा कि इस शो ने उन्हें एक बेहतर कलाकार बनने में बहुत मदद की।

फिल्मों को लेकर अपने नजरिए पर बात करते हुए उल्का गुप्ता ने कहा कि सिनेमा समाज का आईना होता है। उनके अनुसार, फिल्मों के जरिए समाज में घटित घटनाओं और वास्तविकताओं को सामने लाया जाता है। कई बार फिल्में सिर्फ मनोरंजन तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि सामाजिक मुद्दों को उजागर करने के साथ-साथ उनके समाधान की दिशा भी दिखाने की कोशिश करती हैं। उल्का का मानना है कि एक कलाकार के रूप में जिम्मेदारी सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं होती, बल्कि समाज से जुड़े विषयों को संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत करना भी उतना ही जरूरी है। बता दें कि टीवी के बाद उल्का ने फिल्मों की ओर रुख किया और सिम्बा से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने अभिनेता रणवीर सिंह की बहन का किरदार निभाया। इसके बाद वह केरल स्टोरी 2 में 'सुरेखा' की भूमिका में नजर आईं, जहां उन्होंने एक गंभीर और प्रभावशाली किरदार को जीवंत किया।

किसी भी रिश्ते की असली ताकत ईमानदारी होती है : सौरभ शुक्ला

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेता और फिल्ममेकर सौरभ शुक्ला ने अपने विचार साझा किए और रिश्तों में सच्चाई की अहमियत पर जोर दिया। इस दौरान सौरभ शुक्ला ने कहा कि किसी भी रिश्ते की असली ताकत ईमानदारी होती है। उनका मानना है कि हर व्यक्ति को अपने रिश्ते में एक खुली किताब की तरह होना चाहिए, जहां कोई बात छुपाने की जरूरत न पड़े। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति रिश्ते में सच छुपाता है, तो उस समय भले ही स्थिति संभाल ली जाए, लेकिन लंबे समय में इसका असर काफी नकारात्मक होता है। उन्होंने आगे बताया कि जब छुपाई गई सच्चाई सामने आती है, तो सबसे ज्यादा तकलीफ इस बात की होती है कि आपको उस सच से अनजान रखा गया। यही भावना धीरे-धीरे एक बड़े धोखे का रूप ले लेती है। इसके बाद रिश्ते में शक की भावना जन्म लेती है, जिससे दूसरा व्यक्ति हर बात पर सवाल उठाने लगता है। यह स्थिति रिश्ते की नींव को कमजोर कर देती है और भरोसा धीरे-धीरे खत्म होने लगता है। सौरभ शुक्ला के अनुसार, अगर रिश्तों में खुलापन और पारदर्शिता हो, तो वे और मजबूत बनते हैं। जब दोनों लोग बिना किसी डर या झिझक के एक-दूसरे के साथ अपनी हर बात साझा करते हैं, तो आपसी समझ और विश्वास दोनों बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि एक आदर्श रिश्ता वही होता है, जिसमें दोनों पार्टनर पूरी सच्चाई के साथ एक-दूसरे के सामने हों। उन्होंने अपनी फिल्म जब खुली किताब का जिक्र करते हुए इस विचार को और स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि फिल्म में एक कपल की जिंदगी शुरुआत में बिल्कुल परफेक्ट दिखाई देती है, जैसे बिना किसी दरार वाली दीवार। लेकिन जैसे ही एक सच्चाई सामने आती है, उनके रिश्ते में दरार पड़ जाती है और सब कुछ बिखरने लगता है। हालांकि, उसी दरार के जरिए सच्चाई की रोशनी भी अंदर आती है, जिससे दोनों एक-दूसरे को सही मायनों में समझ पाते हैं।

धमकी व आपत्तिजनक फोटो भेजने का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी
महिला उत्पीड़न के गंभीर मामले में गांधीनगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। आरोपी पीड़िता को लंबे समय से प्रताड़ित कर रहा था और जमानत मिलने के बाद भी उसकी हरकतें नहीं थमी थीं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, विश्रामपुर थाना क्षेत्र के चोपड़ाकॉलोनी निवासी अमन कुमार सिंह पिछले तीन वर्षों से पीड़िता को लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। पीड़िता द्वारा पूर्व में भी आरोपी के खिलाफ रायपुर के गंज थाना तथा गांधीनगर थाना में अलग-अलग प्रकरण दर्ज कराए गए थे। इन मामलों में जमानत मिलने के बाद आरोपी फिर से पीड़िता को परेशान करने लगा।

आरोप है कि आरोपी रास्ता रोककर गाली-गलौज करता था और फोन कॉल के माध्यम से केस वापस नहीं लेने पर जान से मारने की धमकी देता था। इतना ही नहीं, आरोपी ने फर्जी ईमेल आईडी बनाकर पीड़िता के आपत्तिजनक फोटो अन्य लोगों को भेजकर उसे बदनाम करने का भी प्रयास किया।

पीड़िता की शिकायत पर गांधीनगर थाना में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं सहित आईटी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जहां उसने अपराध स्वीकार कर लिया।

प्रतापपुर में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, दीपक बैज ने भरी संगठन में नई ऊर्जा

प्रतापपुर, प्रतिदिन राजधानी
विधानसभा क्षेत्र प्रतापपुर अंतर्गत ब्लॉक प्रतापपुर की ग्राम पंचायत खोरमा में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज का भव्य दौरा कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान उन्होंने विधानसभा एवं जिला स्तरीय भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर संगठन को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता शामिल हुए, जिससे क्षेत्र में पार्टी की सक्रियता और एकजुटता साफ नजर आई।

प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बूथ, मंडल एवं पंचायत समितियों के गठन की समीक्षा करते हुए संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की असली ताकत उसका कार्यकर्ता है और बूथ स्तर की मजबूती के बिना चुनावी सफलता

अधूरी है। इसी उद्देश्य से उन्होंने कार्यकर्ताओं से व्यक्तिगत रूप से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से तैयारी शुरू करने का आह्वान किया। युवाओं को विशेष रूप से संगठन से जुड़ने और सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नई ऊर्जा का संचार युवाओं के माध्यम से ही संभव है।

कार्यक्रम में आदित्येश्वर शरण सिंह देव, शशि सिंह, हरियर यादव, डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, भानु प्रताप सिंह, पारसनाथ राजवाड़े, रामदेव राम, विद्यासागर सिंह, दानिश रफीक, अनिल गुप्ता, नवीन जायसवाल, इम्तियाज जफर, त्रिभुवन सिंह टेकाम, संजीव श्रीवास्तव, जगत लाल आयाम, सुरेश आयाम, जितेंद्र दुबे, गोल्डी खान, सुमित सोनी, अनुप गुप्ता सहित अनेक वरिष्ठ एवं युवा नेता उपस्थित रहे।

इसके अलावा ग्राम खोरमा की सरपंच पिंकी टेकाम, राजकुमारी मरावी, मानमती पैकरा, मंजू मिंज, मधु सिंह, सुषमा यादव, तुलसी सिंह, कमला यादव सहित बड़ी संख्या में महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिली।

बैठक के दौरान संगठन की मजबूती, आपसी समन्वय और आगामी चुनावी रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में दीपक बैज ने एकजुटता पर जोर देते हुए कहा कि सभी कार्यकर्ता समर्पण और निष्ठा से काम करें, तो आने वाले चुनाव में कांग्रेस निश्चित रूप से ऐतिहासिक सफलता हासिल करेगी।

मांड व मैनी नदी क्षेत्र में रेत की अवैध खुदाई, 22 वाहन

अंबिकापुर, प्रतिदिन राजधानी
खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए मांड एवं मैनी नदी क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की गई।

24 मार्च को सघन जांच अभियान के तहत बतौली एवं सीतापुर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम केसला, भिठुआ, राधापुर, मंगरैलगढ़, नवाटोली, काराबेल एवं प्रतापगढ़ में छापेमारी की गई।

इस कार्रवाई में कुल 22 वाहनों को जब्त किया गया, जिसमें रेत के अवैध परिवहन में संलिप्त 14 ट्रैक्टर एवं 01 हाईवा तथा गिट्टी एवं ईंट के अवैध परिवहन में संलिप्त 6 हाईवा एवं 01 टीपर शामिल हैं। जब्त सभी वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से सीतापुर, बतौली एवं रघुनाथपुर थानों की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है। खनिज अधिकारी अनिल कुमार साहू ने बताया कि प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 21(4), 21(5) एवं 23 के अंतर्गत कठोर अर्थदंडात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी। उन्होंने कहा कि अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विभाग की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएंगे।

कलेक्टर ने शहर के विकास कार्यों का किया औचक निरीक्षण

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी
नगर पालिक निगम रायगढ़ के अंतर्गत चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने मैदानी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहर के विकास से जुड़ी सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय से पहले पूर्ण करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। कलेक्टर ने सबसे पहले नालंदा परिसर के निर्माण कार्य का जायजा लिया। वर्तमान में इस परियोजना का 60 प्रतिशत कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है, जो पूरे राज्य में एक बेहतर प्रगति का उदाहरण है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी जून माह से पहले इस परिसर का लोकार्पण सुनिश्चित करें ताकि छात्र-छात्राओं को नए शैक्षणिक सत्र से इसका लाभ मिल सके।

खेल सुविधाओं को विस्तार देने की कड़ी में रायगढ़ स्टेडियम का भी अवलोकन किया गया। यहाँ निर्माणाधीन आधुनिक स्विमिंग पूल और सिंथेटिक ट्रैक को आगामी दो महीनों के भीतर पूरी तरह तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही मरीन ड्राइव के निर्माण कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने एसईसीएल और नगर निगम के अधिकारियों को कार्यों में उच्च गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए पुराने और नए चक्रधर पुल के पास डायवर्जन बनाने की योजना पर चर्चा की गई। यहाँ पुल के नीचे बॉक्स कलवर्ट का निर्माण किया जाएगा, जिससे जल निकासी और आवागमन में सुगमता आएगी। निरीक्षण के अंतिम चरण में कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग द्वारा भविष्य में बनाए जाने वाले वुमेन्स हॉस्टल और ट्रांजिट हॉस्टल के लिए प्रस्तावित स्थलों का भी सूक्ष्म निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

खनन का पानी गांव-खेतों में पहुंचाने के लिए एसईसीएल को

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी
साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड को जल संरक्षण और बेहतर जल प्रबंधन के लिए देश स्तर पर अवार्ड मिला है। वाटर डाइजेस्ट अवार्ड 2026 समारोह में एसईसीएल को इंटिग्रेटेड इंडस्ट्रियल वाटर मैनेजमेंट एंड स्टूअर्डशिप अवॉर्ड से नवाजा गया।

यह अवॉर्ड 23 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने प्रदान किया।

एसईसीएल की ओर से यह सम्मान सीएमडी हरीश दुहन और डायरेक्टर (टेक्निकल) रमेश चंद्र महापात्र ने ग्रहण किया।

यह सम्मान एसईसीएल को उसके माइन वाटर यूटिलाइजेशन पहल के लिए मिला है। इस पहल के तहत खदानों से निकलने वाले पानी को बेकार बहाने के बजाय गांवों तक पहुंचाया जा रहा है। इससे आसपास के इलाकों में पानी की कमी दूर हो रही है, किसानों को सिंचाई के लिए नियमित पानी मिल रहा है और खेती अब साल में एक से अधिक बार ली जा रही है।

अवार्ड को लेकर सीएमडी हरीश दुहन ने कहा कि पानी बचाना हमारी प्राथमिकता है। हम जिम्मेदार और टिकाऊ खनन के लिए प्रतिबद्ध हैं। खदान के पानी का सही उपयोग करके हम न सिर्फ संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर रहे हैं, बल्कि आसपास के लोगों, खासतौर पर किसानों की जिंदगी भी बेहतर बना रहे हैं। इस पहल से आसपास के ग्रामीण इलाकों में पानी की उपलब्धता बढ़ी है। पहले जहां खेती बारिश पर निर्भर थी, अब वहां सिंचाई के भरोसे किसान ज्यादा फसल ले पा रहे हैं। इससे उनकी आमदनी और जीवन स्तर दोनों में सुधार आया है।

हटिया-दुर्ग स्पेशल अब बनी नियमित एक्सप्रेस ट्रेन

2 अप्रैल से नए नंबर और टाइमिंग के साथ चलेगी

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी
अब तक स्पेशल के रूप में चल रही हाटिया-दुर्ग-हटिया ट्रेन को नियमित कर एक्सप्रेस बना दिया गया है। रेलवे ने इसे नया नंबर 18641/18642 दिया है, जिससे यात्रियों को अब ज्यादा सुविधा मिलेगी।

रेलवे के अनुसार 18641 हटिया-दुर्ग एक्सप्रेस हर मंगलवार और गुरुवार को चलेगी जो 2 अप्रैल 2026 से शुरू। इसी तरह 18642 दुर्ग-हटिया एक्सप्रेस हर बुधवार और शुक्रवार को चलेगी जो 3 अप्रैल 2026 से शुरू होगी। यह ट्रेन बिलासपुर सहित राउरकेला, झारसुगुड़ा, रायगढ़, चांपा, भाटापारा रायपुर आदि प्रमुख स्टेशनों पर कोच लगाए जाएंगे, जिनमें 5 जनरल और 1 एसी-2 शामिल हैं। हटिया से दुर्ग (18641) सुबह 8:20 बजे रवाना होगी। इसके बिलासपुर पहुंचने का समय सुबह 3:50 बजे तथा दुर्ग पहुंचने का समय सुबह 6:45 बजे होगा। दुर्ग से हटिया(18642) शाम 7:35 बजे रवाना होगी। इसके बिलासपुर पहुंचने का समय रात 10:25 बजे तथाहटियापहुंचने का समय सुबह 7:15 बजे होगा।

जिले की 62 पंचायतें पहली बार हुई टीबी मुक्त, सरपंच-सचिव सम्मानित

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी
बिलासपुर जिले में पहली बार 62 पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है, जो बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। इसके साथ ही 20 पंचायतें लगातार दूसरे साल भी टीबी मुक्त बनी रहीं।

विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस के मौके पर मंगलवार को जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सीएमएचओ कार्यालय से मितानिनों और सहयोगी संस्थाओं के साथ विशाल रैली निकाली गई, जिसे सीएमएचओ डॉ. शुभा गढ़ेवाल और जिला टीबी अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मंथन सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में टीबी मुक्त पंचायतों के सरपंच और सचिवों को सम्मानित किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र, पुष्पगुच्छ और महात्मा गांधी की प्रतिमा भेंट की गई।

कार्यक्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल और जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी ने टीबी उन्मूलन के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे और तेज करने के निर्देश दिए। जिला टीबी अधिकारी डॉ. गायत्री बांधी ने टीबी के लक्षण, बचाव और इलाज की विस्तार से जानकारी दी।

अधिकारियों ने लोगों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और ज्यादा से ज्यादा लोगों तक जानकारी पहुंचाएं। इस मौके पर राज्य में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के 100 दिवसीय अभियान की भी शुरुआत की गई।

टिकट कैंसिल से लेकर बोर्डिंग तक बदले नियम

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी
रेलवे ने यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और टिकटों की कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए कई बड़े बदलाव किए हैं। केंद्रीय रेल मंत्री ने दिल्ली में नई व्यवस्था की घोषणा करते हुए कहा कि अब टिकट सिस्टम ज्यादा पारदर्शी और आसान होगा।

रेलवे ने टिकट दलालों और फर्जी बुकिंग पर लगाम लगाने के लिए टेक्नोलॉजी का सहारा लिया है। इसके बाद आईआरसीटीसी से करीब 3 करोड़ फर्जी अकाउंट हटाए गए है। बॉट और गलत सॉफ्टवेयर पकड़ने के लिए नई तकनीक लागू की गई है। तत्काल टिकट में अब आधार से जुड़ा ओटीपी अनिवार्य कर दिया गया है। इससे अब असली यात्रियों को टिकट मिलने की संभावना बढ़ गई है।

फर्जी बुकिंग पर सख्ती, तत्काल टिकट के लिए ओटीपी अनिवार्य

इसी तरह अब टिकट रद्द कराने के समय में बदलाव किया गया है। कैंसिलेशन का समय भी बदला गया है। पहले 48, 12 और 4 घंटे पहले टिकट कैंसल कर सकते थे, अब ये 72, 24 और 8 घंटे पहले हो जाएगा। रिजर्वेशन चार्ट अब ट्रेन चलने से 9 से 18 घंटे पहले तैयार हो जाएगा, पहले सिर्फ 4 घंटे पहले बनता था। इसमें यात्री को एक रुपया भी एक्स्ट्रा नहीं देना पड़ेगा।

यात्री को पहले ही पता चल जाएगा कि सीट पक्की है या नहीं, वेटिंग वाले आराम से प्लान बना सकेंगे, दूर-दराज के गांवों से आने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी। खाली बर्थें भी बेहतर तरीके से भरी जाएंगी। आखिरी घंटे में अनुमान लगाकर टिकट बुक करने की आदत भी कम हो जाएगी। अब काउंटर वाला टिकट देश के किसी भी स्टेशन से कैंसल कराया जा सकेगा। पहले सिर्फ शुरुआती स्टेशन पर ही छूट मिलती थी। ई-टिकट कैंसल करने पर टीडीआर जमा करने की झंझट भी खत्म किया गया है। रिफंड अपने आप अकाउंट में आ जाएगा। ट्रेन छूटने से महज 30 मिनट पहले तक क्लास अपग्रेड भी कर सकते हो। पहले चार्ट बनने से पहले ही ये सुविधा थी।

चार साल से पिता के मौत की जांच लंबित, सवाल पूछने पर पुलिस ने पैर तोड़ा

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी
कोरबा जिले में पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। एक युवक ने आरोप लगाया है कि थाने में पूछताछ करने पहुंचने पर पुलिसकर्मियों ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी, जिससे उसका पैर टूट गया। फिलहाल युवक अस्पताल में भर्ती है और इलाज जारी है।

कोतवाली क्षेत्र के धनुवारपारा, रानी रोड निवासी श्रीचंद मतवानी ने पुलिस अधीक्षक को शिकायत देकर बताया कि उनके बड़े भाई गुरमुख मतवानी की 2022 में सड़क हादसे में मौत हुई थी। इस मामले की जांच अब तक पूरी नहीं हुई। जब भी वे और मृतक का बेटा राजेश जानकारी लेने जाते, उन्हें सिर्फ यही कहा जाता कि जांच जारी है। परिजनों के मुताबिक, 18 मार्च को मृतक का बेटा राजेश थाने पहुंचा था। उसने केस की प्रगति और सीसीटीवी जांच की जानकारी मांगी, लेकिन आरोप है कि वहां मौजूद 4-5 पुलिसकर्मियों को यह बात नागवार गुजरी। इसके बाद राजेश को घेरकर मारपीट की गई, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद राजेश ने अपने चाचा और परिवार को फोन कर बुलाया। उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां जांच में बाएं पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। फिलहाल उसका इलाज जारी है। मामले की शिकायत मिलते ही पुलिस अधीक्षक ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी ने कहा कि कि मामले की जांच कराई जा रही है, जांच के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

पीड़ित के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने बिना वजह मारपीट की और वे दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जबलपुर-जगदलपुर की फ्लाइट बंद, प्रयागराज अब हफ्ते में सिर्फ एक दिन

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी
बिलासपुर की हवाई सेवाओं को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। 28 मार्च से लागू होने वाले नए समर शेड्यूल में जहां उड़ानों के बढ़ने की उम्मीद थी, वहीं उल्टे कई सेवाएं कम या बंद कर दी गई हैं। इससे शहर की कनेक्टिविटी और विकास पर सीधा असर पड़ने वाला है। नए शेड्यूल के तहत बिलासपुर-जबलपुर फ्लाइट पूरी तरह बंद कर दी गई है। बिलासपुर-जगदलपुर सेवा भी बंद की जा रही है। इसके अलावा प्रयागराज फ्लाइट अब हफ्ते में सिर्फ एक दिन कर दी गई है।

28 मार्च से लागू होगा नया समर शेड्यूल

प्रयागराज रूट धार्मिक, शिक्षा और न्यायिक दृष्टि से बेहद अहम माना जाता है, ऐसे में इसकी कटौती से यात्रियों की परेशानी बढ़ेगी। बिलासपुर से दिल्ली और कोलकाता जाने वाली फ्लाइट अब सीधी नहीं रहेंगी। अब ये उड़ानें अंबिकापुर होते हुए संचालित होंगी, जिससे यात्रा समय बढ़ेगा और यात्रियों की संख्या भी घटने की आशंका है। एलायंस एयर ने बिलासपुर-जबलपुर फ्लाइट को बंद कर दिया, जबकि यह सेवा लंबे समय से चल रही थी और यात्रियों की संख्या भी ठीक-ठाक थी।

इससे पहले भोपाल और इंदौर की फ्लाइट भी शुरू होने के कुछ समय बाद ही बंद कर दी गई थी।

हैदराबाद-बिलासपुर फ्लाइट को लेकर भी फिर निराशा हाथ लगी है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने पहले इस सेवा को शुरू करने का भरोसा दिया था, यहां तक कि ट्रायल रन भी हो चुका था, लेकिन अब तक यह सेवा शुरू नहीं हो पाई।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने इस फैसले पर नाराजगी जताई है।

समिति का कहना है कि राज्य सरकार नई एयरलाइंस को नहीं ला रही है। सिर्फ एलायंस एयर पर पूरा बोझ डाल दिया गया है जिसके पास सीमित विमान होने से सेवाएं लगातार प्रभावित हो रही हैं। समिति ने कहा कि बेहतर हो सकती थी। हवाई सेवा विस्तार के लिए रायपुर से दिल्ली तक कई बार प्रदर्शन और मांग उठ चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। लगातार घटती हवाई सेवाओं से बिलासपुर के व्यापार, शिक्षा और न्यायिक गतिविधियों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, शुक्रवार 27 मार्च 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

श्रीलंका के संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण का अध्ययन करने के लिए डीडीडब्ल्यूएस का दौरा किया

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने जेजेएम और एसबीएम-जी डिवीजनों द्वारा प्रस्तुत ज्ञानवर्धक प्रस्तुति साझा की

नई दिल्ली। श्रीलंका की संसद की इंफ्रास्ट्रक्चर और रणनीतिक विकास संबंधी क्षेत्रीय निगरानी समिति का एक उच्च स्तरीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल वर्तमान में एक सप्ताह के आधिकारिक अध्ययन दौरे पर भारत में है। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सांसद (अध्यक्ष) एस.एम. मारिक्कर कर रहे हैं।

इस यात्रा के अंतर्गत, जल शक्ति मंत्रालय के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने यात्रा को सुगम बनाया और आज दोपहर गणमान्य व्यक्तियों के लिए जल जीवन मिशन (जेजेएम) और स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (एसबीएम-जी) पर एक विस्तृत प्रस्तुति का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के दौरान डीडीडब्ल्यूएस के सचिव अशोक के.के. मीना, एनजेजेएम के अपर सचिव और मिशन निदेशक कमल किशोर सोआन और डीडीडब्ल्यूएस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए, ग्रामीण एवं ग्रामीण जल संसाधन विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) के सचिव अशोक के.के. मीना ने भारत के मार्गदर्शक सिद्धांत पर प्रकाश डाला कि केंद्र और राज्य सरकारें स्थानीय सरकारों, विशेष रूप से ग्राम पंचायतों के लाभ के लिए बड़े राष्ट्रीय कार्यक्रम लागू करती हैं, ताकि वे जमीनी स्तर पर लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रभावी ढंग से प्रदान कर सकें। उन्होंने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों को अवगत कराया कि भारत ग्रामीण पेयजल और स्वच्छता से संबंधित दो प्रमुख मिशनोंः वर्ष 2019 में शुरू किया गया जल जीवन मिशन (जेजेएम) और वर्ष 2014 में शुरू किया गया स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीण (एसबीएम-जी) को लागू कर रहा है।

उन्होंने इन दोनों मिशनों के कार्यान्वयन से भारत को प्राप्त प्रमुख सीखों को चार मुख्य बिंदुओं में साझा किया :

ग्राम पंचायतों के माध्यम से विकेंद्रीकरण और समुदाय-नेतृत्व वाली सेवा वितरण प्रणाली, जिससे समुदाय जल और स्वच्छता सेवाओं का स्वामी और प्रबंधक बन सके।

सेवाओं की प्रभावी डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न विभागों के बीच समन्वय।

मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से पारदर्शिता, दक्षता, तत्क्षण निगरानी और शिकायत निवारण के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग।

योजना के डिजाइन में स्थिरता, जिसमें दूषित जल का प्रबंधन, वर्षा जल संचयन और सर्कुलर अर्थव्यवस्था के सिद्धांत शामिल हैं।

सत्र को आगे बढ़ाते हुए, जेजेएम और एसबीएम-जी के अधिकारियों द्वारा विस्तृत प्रस्तुति दी गई। जेजेएम के निदेशक हरि नारायणन मुरुगन ने पेयजल क्षेत्र में भारत-श्रीलंका सहयोग पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। उन्होंने भारत में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति की यात्रा की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अपनी बात शुरू की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि 15 अगस्त, 2019 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से घोषणा की थी कि देश के प्रत्येक ग्रामीण घर को उनके दरवाजे पर पाइप द्वारा पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। इस ऐतिहासिक घोषणा के परिणामस्वरूप जल जीवन मिशन का शुभारंभ हुआ, जिसमें सभी ग्रामीण घरों को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) प्रदान करने की प्रतिबद्धता शामिल है।

पेयजल की व्यापक पहुंच के लिए इस मिशन को पांच प्रमुख स्तंभों पर आधारित किया गया है, जिनमें मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त सार्वजनिक वित्तपोषण, साझेदारी, जन भागीदारी और ग्राम पंचायतों के साथ समन्वय स्थापित करना शामिल है। उन्होंने कहा कि मिशन की शुरुआत लगभग 55 अरब डॉलर के बजट से हुई थी, जिसे अब बढ़ाकर लगभग 92 अरब डॉलर कर दिया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में नल के पानी की उपलब्धता में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है, जो 17 प्रतिशत से बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई है और अब 15 करोड़ से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन उपलब्ध है।

अपनी बातों को जारी रखते हुए हरि ने बताया कि मिशन का विस्तारित चरण एक क्रांतिकारी बदलाव साबित होगा, जिसे केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10 मार्च, 2026 को मंजूरी दी थी। मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाकर जेजेएम 2.0 के रूप में विस्तारित किया गया है और इसके लिए बजट भी बढ़ाया गया है। सरकार संरचनात्मक सुधारों, निरंतर जन भागीदारी, परिचालन और वित्तीय स्थिरता, नागरिक-केंद्रित जल गुणवत्ता प्रबंधन और सुजलम भारत राष्ट्रीय परिसंपत्ति रजिस्ट्री के माध्यम से डिजिटल डेटा प्रबंधन पर विशेष बल दे रही है। मिशन का उद्देश्य हर स्तर पर स्पष्ट भूमिका निर्धारण, ग्राम पंचायतों और जिला तकनीकी इकाइयों को सशक्त बनाकर और एक पेशेवर उपयोगिता दृष्टिकोण अपनाकर यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक ग्रामीण जल आपूर्ति योजना अगले 30 वर्षों तक पूरी तरह से कार्यरत रहे। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जेजेएम 2.0 इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित दृष्टिकोण से हटकर संचालन और रखरखाव (ओएंडएम) दृष्टिकोण की ओर अग्रसर है, जो जन भागीदारी पर केंद्रित है। राष्ट्रीय जल जीवन मिशन (एनजेजेएम), राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन (एसडब्ल्यूएसएम), जिला जल एवं स्वच्छता मिशन (डीडब्ल्यूएसएसएम) और जल अर्पण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि न केवल प्रत्येक ग्रामीण घर को सुनिश्चित नल का पानी उपलब्ध कराया जाए, बल्कि देश में एक पारदर्शी और दीर्घकालिक ग्रामीण जल के इकोसिस्टम के लिए स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल भी उपलब्ध कराया जाए।

एसबीएम-जी की उप सचिव श्रीमती कृतिका कुलहारी ने श्रीलंका के संसदीय प्रतिनिधिमंडल के समक्ष स्वच्छ भारत मिशन - ग्रामीणः भारत की ग्रामीण स्वच्छता यात्रा - ओडीएफ से ओडीएफ प्लस (मॉडल) विषय पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

प्रस्तुति में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण की यात्रा अक्टूबर 2014 में शुरू हुई, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से इस मिशन का शुभारंभ किया। इसका उद्देश्य भारत को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बनाना था। 2 अक्टूबर, 2019 को महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के अवसर पर इस मिशन को और गति मिली, जब देश भर के सभी जिलों और गांवों ने स्वयं को ओडीएफ घोषित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) (एसबीएम-जी) ने प्रथम चरण में खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) स्थिति प्राप्त करने से लेकर द्वितीय चरण में ओडीएफ परिणामों को बनाए रखने और व्यापक अपशिष्ट प्रबंधन तक का सफर तय किया है, जिसमें गांवों को ओडीएफ प्लस और ₹आदर्श गांव₹ बनाने पर जोर दिया गया है।

जन आंदोलन के व्यापक जन आंदोलन के माध्यम से, वर्ष 2019 तक शत-प्रतिशत कवरेज हासिल किया गया, जिसमें 12 करोड़ से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया। यह उपलब्धि संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य 6.2 को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। उन्होंने एसबीएम-जी चरण-2 के प्रमुख घटकों पर भी प्रकाश डाला, जिनमें शामिल हैंः

शेष और नए व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों (आईएचएचएलएस) का निर्माण

सामुदायिक स्वच्छता परिसर (सीएससी), विशेष रूप से प्रवासी आबादी और भूमिहीन परिवारों के लिए

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (जैव अपघटनीय, गैर-जैव अपघटनीय और प्लास्टिक अपशिष्ट)

तरल अपशिष्ट प्रबंधन (ग्रेवाटर और मल कीचड़)

सतत व्यवहार परिवर्तन के लिए गहन सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) और क्षमता निर्माण

उन्होंने कहा कि इस मिशन के तहत, व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों के निर्माण के लिए 12 हजार रुपये का प्रोत्साहन दिया जाता है, जिसमें गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति परिवारों, दिव्यांगजनों, भूमिहीन मजदूरों, लघु एवं सीमांत किसानों और महिला प्रधान परिवारों को प्राथमिकता दी जाती है। मिशन के शुभारंभ के बाद से अब तक 12 करोड़ से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण हो चुका है। इसके अतिरिक्त, देश भर में 2.72 लाख से अधिक सामुदायिक स्वच्छता परिसर बनाए गए हैं।

दो प्रस्तुतियों के बाद, एक खुला और संवादात्मक चर्चा सत्र आयोजित किया गया, जिसके दौरान श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल ने सतत ग्रामीण जल आपूर्ति और स्वच्छता अवसंरचना के लिए भारत के सफल दृष्टिकोणों पर सक्रिय रूप से विचारों का आदान-प्रदान किया।

मंच को संबोधित करने के क्रम में, श्रीलंकाई प्रतिनिधियों ने प्रमुख चुनौतियों के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि जल निकायों में पारे से संबंधित प्रदूषकों सहित भारी धातुओं का उच्च स्तर बना हुआ है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। उन्होंने जल उपचार के आर्थिक बोझ के बारे में बताया कि श्रीलंका में उपचारित पेयजल का उपयोग न केवल पीने के लिए बल्कि धुलाई, सफाई और अन्य घरेलू कार्यों के लिए भी किया जाता है। इस बहुउद्देशीय उपयोग से लागत में काफी वृद्धि होती है, क्योंकि शुद्धिकरण में किए गए भारी निवेश का उपयोग पीने योग्य मानकों से परे अन्य कार्यों के लिए किया जाता है, जिससे लागत कम हो जाती है। इन प्रमुख मुद्दों के आधार पर, प्रतिनिधियों ने भारी धातुओं को हटाने के लिए सहयोगात्मक नवाचारों और किफायती प्रौद्योगिकियों पर जोर दिया और डीडीडब्ल्यूएस भागीदारों से किफायती और व्यापक जल प्रबंधन समाधान साझा करने का आह्वान किया।

सत्र के समापन के बाद, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग की संयुक्त सचिव (जल) श्रीमती स्वाति मीना नाइक ने अपने समापन भाषण में पेयजल एवं स्वच्छता क्षेत्र में भारत की उल्लेखनीय प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि आपसी समझ, ज्ञान साझाकरण और निरंतर द्विपक्षीय सहयोग के माध्यम से भारत और श्रीलंका जल प्रबंधन एवं स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए एक मजबूत साझेदारी स्थापित कर सकते हैं।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने छत्तीसगढ़ की विभिन्न जेलों में पिछले चार वर्षों में 285 कैदियों की कथित मौत का स्वतः संज्ञान लिया है

- **खबरों के अनुसार, राज्य सरकार ने विधानसभा में कैदियों की मौत के पीछे आत्महत्या और गंभीर बीमारियों को कारण बताया**
- **आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और जेल महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है**
- **आयोग ने रिपोर्ट में जेलों में भीड़भाड़, डॉक्टरों के रिक्त पदों और इस समस्या के समाधान के लिए उठाए गए कदमों से संबंधित आंकड़े शामिल करने को कहा**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उस मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें कहा गया है कि छत्तीसगढ़ की विभिन्न जेलों में पिछले चार वर्षों में कुल 285 कैदियों की मौत हुई है, जिनमें से सबसे अधिक 90 मौतें 2022 में और 66 मौतें जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच हुईं। खबरों के अनुसार, राज्य सरकार ने विधानसभा में कैदियों की मौत के पीछे आत्महत्या और लम्बी बीमारियों को कारण बताया है।

23 मार्च 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, राज्य की अधिकांश जेलों में उनकी क्षमता अधिक कैदी भरे हुए हैं, जिसके कारण कैदियों में संक्रमण और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। अधिकांश जेलों में कैदियों के चिकित्सा उपचार के लिए डॉक्टरों और मनोचिकित्सकों की कमी है।

आयोग ने कहा है कि यदि समाचार रिपोर्ट में दी गई जानकारी सही है, तो यह पीड़ितों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला बनता है। इसलिए, आयोग ने छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव और कारागार महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने रिपोर्ट में जेलों में कथित रूप से अधिक भीड़भाड़, डॉक्टरों के रिक्त पदों और इस समस्या के समाधान के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों से संबंधित आंकड़े भी शामिल करने को कहा है।

डीपीआईआईटी ने स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने और नवाचार परितंत्र को मजबूत करने के लिए एक डिजिटल मनोरंजन कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। स्टार्टअप और नवाचार परितंत्र को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने देश भर में स्टार्टअप, नवोन्मेषकों और उद्यमियों को समर्थन देने के लिए एक डिजिटल मनोरंजन कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस सहयोग का उद्देश्य डिजिटल मनोरंजन, ऑनलाइन गेमिंग, ई-स्पोर्ट्स, संवादात्मक मीडिया और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले उत्पाद स्टार्टअप्स के विकास को बढ़ावा देना है। इसका लक्ष्य संरचित उद्योग सहभागिता के माध्यम से स्टार्टअप्स को भविष्य में बढ़े हुए काम को सम्भालने और उद्योग-प्रासंगिक समाधान विकसित करने में सक्षम बनाना है।

इस पहल के तहत, स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, उद्योग जगत की जानकारी, ज्ञान आदान-प्रदान के प्लेटफॉर्म और चुनिंदा सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। यह साझेदारी स्टार्टअप्स को प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट (पीओसी) विकास, बाजार तक पहुंच और उद्योग परितंत्र में एकीकरण जैसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी सहायता करेगी।

डीपीआईआईटी के संयुक्त सचिव संजीव ने इस अवसर पर कहा कि यह सहयोग भारत की डिजिटल और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस तरह की साझेदारियां स्टार्टअप्स को उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में नवाचार करने, विस्तार करने और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी समाधान विकसित करने में सक्षम बनाती हैं।

इस सहयोग के तहत, डीपीआईआईटी क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर भारत स्टार्टअप ग्रैंड चैलेंज के तहत नवाचार चुनौतियों के आयोजन की संभावनाओं का पता लगाएगा। इसके साथ ही यह गेम डिजाइन, एनीमेशन, इमर्सिव टेक्नोलॉजीज, ई-स्पोर्ट्स प्रबंधन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोगों जैसे क्षेत्रों में लक्षित हैकाथॉन, कार्यशालाओं और मास्टरक्लास का आयोजन करेगा।

इस सहयोग से स्टार्टअप्स को उद्योग जगत के लोगों के बीच आपसी संवाद, ज्ञान का आदान-प्रदान और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से परिचित होने का अवसर मिलेगा। चयनित स्टार्टअप्स को प्रायोगिक सहयोग के अवसर मिल सकते हैं और परिणामों के आधार पर आगे भी सहयोग जारी रहने की संभावना है।

इसके अतिरिक्त, यह पहल स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रमों में भागीदारी और संपर्क प्रयासों के माध्यम से एक परितंत्र के निर्माण में सहयोग करेगी ताकि स्टार्टअप जगत में सहभागिता को बढ़ाया जा सके।

दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में डीपीआईआईटी के उप सचिव टीएलके सिंह और क्राफ्टन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सरकारी संबंध प्रमुख विभोर कुकरेती ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

प्रधानमंत्री ने राम नवमी के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम नवमी के शुभ अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मोदी ने कहा कि त्याग, तपस्या और संयम से परिपूर्ण मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन लोगों को हर परिस्थिति का सामना पूरे सामर्थ्य से और दृढ़ संकल्प के साथ करने के लिए प्रेरित करता रहता है।

प्रधानमंत्री ने भगवान राम के आदर्शों की शाश्वत प्रासंगिकता पर जोर देते हुए कहा कि ये मूल्य न केवल भारत के लोगों के लिए बल्कि आने वाले समय में पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शक शक्ति बने रहेंगे।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया

"देशभर के मेरे परिवारजनों को रामनवमी की असीम शुभकामनाएं। त्याग, तप और संयम से भरे मर्यादा पुरुषोत्तम के जीवन से हमें हर परिस्थिति का पूरे सामर्थ्य से सामना करने की प्रेरणा मिलती है। उनके आदर्श अनंतकाल तक भारतवासियों के साथ-साथ संपूर्ण मानवता के पथ-प्रदर्शक बने रहेंगे। मेरी कामना है कि भगवान राम की कृपा से सबका कल्याण हो, जिससे विकसित और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त हो।"

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगों की हुई मौत का स्वतः संज्ञान लिया है

- **आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है**
- **आयोग ने रिपोर्ट में मृतक के स्वास्थ्य की स्थिति, जांच और उनके परिजनों को यदि कोई मुआवजा दिया गया है तो उसका विवरण शामिल करने को कहा है**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उस मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है, जिसमें बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के लालाचेरुवु, चौदेश्वरननगर और स्वरूपनगर क्षेत्रों में फरवरी के मध्य से अब तक मिलावटी दूध के सेवन से 16 लोगों की मौत हो चुकी है। कम से कम चार अन्य लोगों का भी इसी तरह के लक्षणों के साथ चिकित्सा उपचार चल रहा है। खबरों के अनुसार दूध में एथिलीन ग्लाइकॉल नामक विषैला पदार्थ मिलाया गया था, जिसके कारण कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया। मिलावट का संदिग्ध स्रोत नरसपुरम गांव में स्थित एक डेयरी है, जो क्षेत्र के 100 से अधिक घरों को दूध की आपूर्ति करती है।

आयोग ने कहा है कि समाचार रिपोर्ट में उल्लिखित तथ्य, यदि सत्य हैं, तो यह पीड़ितों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मुद्दा बनता है। अतः आयोग ने मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। साथ ही कहा है कि रिपोर्ट में मृतकों की स्वास्थ्य स्थिति, जांच और मृतकों के परिजनों को यदि कोई मुआवजा दिया गया हो, तो उसका विवरण शामिल होना चाहिए।

23 मार्च 2026 को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, लोगों के बीमार पड़ने के मामले फरवरी 2026 के मध्य में सामने आए, जब पीड़ितों को पेट दर्द, उल्टी, पेशाब न आना और गुर्दे की गंभीर खराबी जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं होने लगीं। इन पीड़ितों में अधिकतर या तो बुजुर्ग व्यक्ति थे या छोटे बच्चे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने छत्तीसगढ़ में महासमुंद जिले की रोपवे दुर्घटना में एक महिला की मौत और 16 अन्य लोगों के घायल होने की घटना का स्वतः संज्ञान लिया

- **आयोग ने छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव और महासमुंद के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उस मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया है जिसमें 22 मार्च 2026 को छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में स्थित खल्लारी माता मंदिर से लौटते समय रोपवे दुर्घटना में एक महिला की मृत्यु और सोलह अन्य के घायल होने की खबर है। बताया जाता है कि रोपवे का तार अचानक टूट गया और श्रद्धालुओं को ले जा रही ट्रॉली नीचे गिर गई। आयोग ने कहा है कि यदि समाचार रिपोर्ट में दी गई जानकारी सही है, तो यह पीड़ितों के मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला बनता है। इसलिए आयोग ने छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव और महासमुंद जिले के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। साथ ही यह भी कहा है कि रिपोर्ट में घायलों के स्वास्थ्य की स्थिति के साथ-साथ मृतक के परिजनों और घायलों को दिए गए मुआवजे (यदि कोई हो) का विवरण भी शामिल होना चाहिए।

होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने वाले IRGC नेवी कमांडर तंगसीरी की मौत, इजरायल का बड़ा दावा

नई दिल्ली। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल अलीरेजा तंगसीरी की मौत की खबर ने मध्य पूर्व में तनाव को बढ़ा दी है। इजरायली मीडिया ने एक इजरायली अधिकारी के हवाले से दावा किया है कि अमेरिका-इजरायल के संयुक्त हमले में बंदर अब्बास में तंगसीरी मारे गए।

हालांकि, ईरान की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि या टिप्पणी नहीं आई है, और इजरायली सेना ने भी हमले पर चुप्पी साध रखी है।

अलीरेजा तंगसीरी 2018 से आईआरजीसी नौसेना के कमांडर के पद पर थे। वे ईरान की नौसेना रणनीति के प्रमुख चेहरों में से एक माने जाते थे। खासतौर पर स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को बंद करने की धमकी और उसकी योजना से उनका नाम जुड़ा था।

तंगसीरी कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुके थे कि जरूरत पड़ने पर ईरान इस जलडमरूमध्य को बंद कर सकता है। उन्होंने अमेरिका और इजरायल के खिलाफ ईरान की समुद्री क्षमता को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई थी। वे उन चुनिंदा बड़े नामों में शामिल थे, जो अब तक अमेरिका-इजरायल के कथित लक्ष्य बनने से बचते आए थे।

अमेरिका और इजरायल ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों को तेज कर चुके हैं। बंदर अब्बास ईरान का महत्वपूर्ण बंदरगाह है, जो हॉर्मुज जलडमरूमध्य के पास स्थित है और आईआरजीसी की नौसेना गतिविधियों का केंद्र माना जाता है। इजरायली मीडिया के अनुसार, तंगसीरी इस हमले में मारे गए, लेकिन दोनों पक्षों की तरफ से आधिकारिक बयान का इंतजार है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार 27 मार्च 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

छत्तीसगढ़ में देश के प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' का भव्य शुभारंभ

खेल प्रतिभाओं को नया आसमान देने सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ की धरती आज एक ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनी, जब राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में देश के प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' का भव्य शुभारंभ हुआ। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस राष्ट्रीय आयोजन की आधिकारिक घोषणा करते हुए स्पष्ट किया कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और खेल अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। इस गरिमामयी अवसर पर केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। यह खेल महाकुंभ 25 मार्च से 3 अप्रैल तक रायपुर के साथ-साथ बस्तर और सरगुजा में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के 30 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से लगभग 2500 खिलाड़ी 9 खेल विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष श्री दिलीप तिर्की और ओलंपिक पदक विजेता सुश्री साइखोम मीराबाई चानू की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गौरव प्रदान किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय है कि प्रभु श्रीराम के ननिहाल में देश के पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का आयोजन हो रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया का छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। बस्तर ओलंपिक में 4 लाख तथा सरगुजा ओलंपिक में साढ़े तीन लाख लोगों की भागीदारी इस बात का प्रमाण है कि जनजातीय समाज में खेलों के प्रति गहरी रुचि है। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि आत्मसमर्पित नक्सली भी 'नुआबाट' (नई राह) के माध्यम से मुख्यधारा में लौटकर इन आयोजनों में सहभागी बने—जो परिवर्तन और विश्वास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि डबल इंजन सरकार में खेलों को लेकर उत्साह और प्रयास दोनों दोगुने हैं। राज्य सरकार ने 'मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन' की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत खेल अधोसंरचना निर्माण और प्रतिभाओं के चिन्हांकन के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि रायपुर और बिलासपुर में खेलो इंडिया के तहत रेजिडेंशियल अकादमियां संचालित हैं, जबकि जशपुर, रायगढ़ और रायपुर में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जा रहा है। राज्य सरकार ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक में चयनित खिलाड़ियों को 21 लाख रुपए, स्वर्ण पदक विजेताओं को 3 करोड़, रजत पदक विजेताओं को 2 करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को 1 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि निर्धारित की है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नवा रायपुर में स्थित देश के दूसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नामकरण जनजातीय नायक शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर किया गया है, जो राज्य के गौरव और प्रेरणा के प्रतीक हैं।

जनजातीय संस्कृति, इतिहास और गौरव से जुड़ा आयोजन

मुख्यमंत्री ने देशभर से आए खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्रभु श्रीराम का ननिहाल है, बल्कि यह जनजातीय शौर्य और बलिदान की भूमि भी है। उन्होंने शहीद वीर नारायण सिंह, गेंद सिंह और गुण्डाधुर जैसे नायकों का उल्लेख करते हुए बताया कि नवा रायपुर में उनके सम्मान में म्यूजियम बनाया गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उन्होंने खिलाड़ियों से इस म्यूजियम का अवलोकन करने का आग्रह भी किया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की शुरुआत छत्तीसगढ़ से होना ऐतिहासिक है और आने वाले वर्षों में भी यह श्रृंखला जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि एक संतुलित जीवन शैली है।उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेल संस्कृति के विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि 'फिट इंडिया' और 'खेलो इंडिया' जैसे अभियानों ने खेलों को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि देश की 65 प्रतिशत से अधिक युवा आबादी में अपार क्षमता है और अब खेल प्रतिभाएं केवल शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जनजातीय क्षेत्रों से भी उभर रही हैं। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि नवरात्रि के पावन अवसर पर भगवान राम के ननिहाल में इस आयोजन का शुभारंभ होना अत्यंत शुभ संयोग है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के जनजातीय समाज ने सदैव देश को वीरता और परिश्रम की प्रेरणा दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलों को नई दिशा मिल रही है और 'ट्राइबल गेम्स' इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि यह आयोजन ऐतिहासिक है और देशभर से आए खिलाड़ियों के स्वागत के लिए पूरा छत्तीसगढ़ उत्साहित है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स जनजातीय प्रतिभाओं को विश्व मंच तक ले जाने का सशक्त माध्यम बनेगा और स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा किए जा रहे प्रयासों का लाभ प्रदेश के खिलाड़ियों को मिलेगा।

इस अवसर पर संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, राज्यसभा सांसद श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, विधायक श्री सुनील सोनी, श्री अनुज शर्मा, श्री मोतीलाल साहू, श्री पुरंदर मिश्रा, श्री इंद्र कुमार साव, महापौर श्रीमती मीनल चौबे, मुख्य सचिव श्री विकासशील सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

खरोरा पुलिस की कार्रवाई: अवैध रूप से ले जाए जा रहे 45 कॉमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

गैस किल्लत की समस्या को देखते हुए थाना खरोरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 45 नग कॉमर्शियल गैस सिलेंडर जब्त किए हैं। यह सिलेंडर एक पिकअप वाहन क्रमांक छ्त्र 04 त्त्य 6282 से बरामद किए गए। मामले में धारा-106 ब्न्हस् के तहत कार्यवाही की गई है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 मार्च को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम चिचोली स्थित शान-ए-पंजाब ढाबा के सामने तिल्दा-खरोरा मुख्य मार्ग पर एक पिकअप वाहन में बड़ी मात्रा में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर रखे हुए हैं और उन्हें बेचने के लिए ग्राहक की तलाश की जा रही है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

जांच के दौरान वाहन में एक इंडियन कंपनी का खाली सिलेंडर, 37 भरे हुए एवं 7 खाली छत्तीसगढ़ गैस कंपनी के सिलेंडर पाए गए। कुल 45 सिलेंडर गवाहों के समक्ष जब्त किए गए। वाहन चालक गिनेश्वर प्रसाद साहू एवं कंडक्टर लादूराम से दस्तावेज प्रस्तुत करने कहा गया, परंतु वे कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके।

पुलिस ने पिकअप वाहन सहित सिलेंडरों को जब्त कर लिया, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख 74 हजार रुपये आंकी गई है। मामले की अग्रिम वैधानिक कार्रवाई के लिए खाद्य विभाग को सौंप दिया गया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रशांत शुक्ला (ग्रामीण) के मार्गदर्शन एवं अनुविभागीय अधिकारी (विधानसभा) वीरेन्द्र चतुर्वेदी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी खरोरा के नेतृत्व में की गई। पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई से अवैध गैस कारोबार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

प्रदेश में आगामी खरीफसीजन के लिए रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चितः कृषि मंत्री नेताम

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा है कि राज्य सरकार ने आगामी खरीफ सीजन के लिए रासायनिक उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस तरह की जानकारी संज्ञान में आ रही है कि फ्रास्फेटिक उर्वरक के प्रमुख स्रोत डी.ए.पी. का अनियमित उठाव कृषक भाइयों द्वारा किया जा रहा है, जिससे अन्य कृषकों में प्रतिकूल वातावरण निर्मित होने की संभावना है। केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा समन्वय से किये जा रहे प्रयासों से राज्य के कृषकों का हित संरक्षण सुनिश्चित किया गया है। कृषक भाइयों से अनुरोध है कि भूमि धारिता एवं पात्रता अनुसार ही उर्वरकों का भंडारण करें ताकि समस्त कृषक अग्रिम भंडारण की योजना से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने बताया कि वितरण व्यवस्था को पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने के लिए सरकार ने किसानों को शत-प्रतिशत पहचान पत्र उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि उर्वरकों की कालाबाजारी रुक सके और जरूरतमंदों तक मदद पहुंचे।

मंत्री श्री नेताम ने यह भी कहा कि खरीफ मौसम में उर्वरकों का वितरण एग्रीस्टेक पोर्टल में दर्ज रकबे के आधार पर होगा। यदि इसमें किसी प्रकार की त्रुटि पायी जाती है तो अन्य कृषकों को पर्याप्त उपलब्धता के दृष्टिगत समस्त वैधानिक कार्यवाईयां सुनिश्चित करने के लिए शासन सजग है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आवश्यक होने पर वैकल्पिक पौध पोषण स्त्रोतों की व्यवस्था के लिए आकस्मिक कार्य योजना भी तैयार कर ली गई है, ताकि पौध पोषण में किसी प्रकार की कमी ना हो। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा राज्य के लिए चिन्हित 卐नील हरित काई卐 के मदर कल्चर के उत्पादन की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है तथा माह अप्रैल से इसका वृहद उत्पादन कृषि विज्ञान केंद्रों, शासकीय उद्यान रोपणियों एवं शासकीय कृषि प्रक्षेत्रों में किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि खरीफ मौसम में ज्यादा से ज्यादा कृषकों को इसका कल्चर उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि कृषक इनका उपयोग कर वायुमंडलीय नाइट्रोजन स्थिर कर यूरिया के समरूप पोषक तत्व पौधों को उपलब्ध करा सकें। इसके अलावा, हरी खाद के रूप में वर्गीकृत ढेंचा तथा अन्य दलहनी फसलों के कृषक प्रक्षेत्र में अनुप्रयोग को बढ़ावा देने आवश्यक राशि की व्यवस्था मंडी निधि से की जा रही है। इस हेतु समस्त जिलों को कृषक एवं क्षेत्र चयन के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री श्री नेताम ने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों के अवैध भंडारण, अधिक मूल्य पर विक्रय तथा समस्त अन्य गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु उड़न दस्ता तथा निरीक्षकों की नियुक्ति संबंधी आदेश भी जारी किए जा चुके हैं। नैनो उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता भी प्रदेश में होगी ताकि न्यूनतम कास्त लागत पर प्रति इकाई अधिकतम उत्पादन सुनिश्चित किया जा सके। नैनो उर्वरक के प्रभावी उपयोग के संबंध में कृषकों को जागरूक करने एवं प्रशिक्षण हेतु सघन अभियान चलाया जाएगा। कृषि मंत्री श्री नेताम ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़, भारत के कृषि परिदृश्य में एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरा है, जहाँ धान खरीदी और किसान कल्याण की योजनाओं ने नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। विगत तीन वर्षों के धान खरीदी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य ने न केवल धान खरीदी के अपने पिछले रिकॉर्ड तोड़े हैं, बल्कि किसानों को उनकी उपज का देश में सबसे अधिक मूल्य सुनिश्चित कर एक मिसाल पेश की है। खरीफ सीजन 2025-26 में 142 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी को मिलाते हुए पिछले तीन खरीफ सीजन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की सरकार ने लगभग 437 लाख मीट्रिक टन धान खरीद कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। जिससे किसानों के खाते में लगभग 1 लाख 40 हजार करोड़ से अधिक का भुगतान हुआ है।

रेडक्रॉस सोसाइटी में एक दिन में 39 नए सदस्य बने

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिला आयुष अधिकारी डॉ. स्वाति रावत के आग्रह पर एक दिन में 39 नए सदस्य बने जिसमें डॉ. सावित्री पाणीग्रही, डॉ. गीता राजपूत, डॉ. नेहा साहू, डॉ. हेमकुमार राठौर, डॉ. अरुंधती देवांगन, डॉ. पूर्णिमा राजपूत, डॉ. सोनल शर्मा, डॉ. इंदु विश्वकर्मा, डॉ. सविता साहू, डॉ. अशोक बांधे, डॉ. राजलक्ष्मी शर्मा, डॉ. सीमा शुक्ला, डॉ. स्वाति अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने रेडक्रॉस सोसाइटी में वार्षिक सदस्य के रूप में सदस्यता ली। जिला आयुष अधिकारी डॉ. स्वाति रावत ने सदस्यों की सदस्यता राशि जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह को दी।

इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी एक स्वतंत्र मानव समाजसेवी संस्था है, जो आपदा एवं संकट की परिस्थितियों में पीड़ितों की सहायता के लिए समर्पित है। संस्था द्वारा भूकंप, आग, बाढ़ एवं सूखा जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के साथ-साथ प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता अभियान तथा रक्तदान शिविरों का नियमित आयोजन किया जाता है। संस्था से जुड़ने के लिए विभिन्न श्रेणियों में सदस्यता प्रदान की जाती है, जिसमें संरक्षक सदस्य के लिए 25,000 रुपए, उप संरक्षक सदस्य के लिए 12,000 रुपए, आजीवन सदस्य के लिए 1,000 रुपए तथा वार्षिक सदस्यता के लिए 100 रुपए निर्धारित किए गए हैं। इस अवसर पर रेडक्रॉस के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों से संस्था से जुड़कर मानव सेवा में योगदान देने का आह्वान किया गया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पुनर्वास केंद्र दंतेवाड़ा में युवाओं से की मुलाकात

पुनर्वासित युवाओं के प्रशिक्षण का किया अवलोकन, वेलकम एवं इलेक्ट्रिकल टूल किट का किया वितरण

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने गुरुवार को दंतेवाड़ा स्थित पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर पुनर्वासित युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को इलेक्ट्रिकल टूल किट एवं वेलकम किट का वितरण किया। नवरात्रि के अंतिम दिन उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दंतेवाड़ा पहुंचकर उन्होंने माँ दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की।

इसके पश्चात वे पुनर्वास केंद्र पहुंचे, जहां उन्होंने वहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं से चर्चा की और उनकी आवश्यकताओं एवं भविष्य की योजनाओं की जानकारी ली। युवाओं ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद वे अपने गृह ग्राम लौटकर खेती-किसानी करना चाहते हैं। इस पर श्री शर्मा ने आश्वस्त किया कि इच्छुक युवाओं को कृषि संबंधी प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

उपमुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पुनर्वास नीति का उद्देश्य उन्हें मुख्यधारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन प्रदान करना है। उन्होंने युवाओं से अपने अन्य साथियों को भी पुनर्वास के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया, ताकि वे भी समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर उज्ज्वल भविष्य बना सकें। उन्होंने पुनर्वास केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं, भोजन व्यवस्था एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की समीक्षा की। युवाओं द्वारा स्वयं भोजन बनाने की इच्छा जताने पर उन्होंने अनुमति प्रदान करते हुए कहा कि इच्छुक युवा स्वेच्छा से भोजन बना सकते हैं।

शर्मा ने निर्देश दिए कि सभी पुनर्वासित युवाओं को ड्राइविंग प्रशिक्षण दिया जाए तथा केंद्र से बाहर जाने से पूर्व उनके ड्राइविंग लाइसेंस बनाना भी सुनिश्चित किए जाएं। उपमुख्यमंत्री उनसे अपील की कि यदि उनके परिजन या पहचान के लोग जेल में निरुद्ध हैं तो वे उनसे मिल सकते हैं या वे पुनर्वास केंद्र में आकर साथियों से मुलाकात कर सकते हैं और यदि वे जेल से पुनर्वास करना चाहें तो भी शासन उनकी हर संभव मदद कर जेल से पुर्नवास कराने को तैयार है।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में केंद्र में कुल 107 युवा प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जिनमें 60 बीजापुर एवं 47 दंतेवाड़ा जिले के हैं। यहां इलेक्ट्रिकल, वेल्डिंग, प्लंबिंग, सिलाई और ड्राइविंग जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान किए जा रहे हैं। अब तक 7 युवाओं को ड्राइविंग के क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराया जा चुका है तथा 75 युवाओं को सिलाई मशीन का वितरण किया गया है।

सीआरपीएफके जवानों का उपमुख्यमंत्री ने किया प्रोत्साहन

गुरुवार को उपमुख्यमंत्री शर्मा बस्तर से कभी अति संवेदनशील क्षेत्र माने जाने वाले मारडूम घाटी मार्ग से होते हुए चित्रकूट, लोहंडीगुड़ा और बारसूर के रास्ते दंतेवाड़ा पहुंचे थे। इसके माध्यम से उन्होंने लोगों को संदेश दिया कि कभी दुर्गम माने जाने वाले मार्ग भी अब सुगम हो गए हैं। अब लोग बिना किसी भय के रात हो या दिन निर्भय होकर इन पर सफर कर सकते हैं। उन्होंने दंतेवाड़ा स्थित सीआरपीएफ बटालियन कैंप पहुंच, जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा की।

विश्व रंगमंच दिवस पर सुधा ओपन स्कूल में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

जतिन नचरानी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

विश्व रंगमंच दिवस की पूर्व संध्या पर सुधा सोसाइटी फाउंडेशन द्वारा सुधा ओपन स्कूल, अमसोनी (रायपुर) में उत्साहपूर्ण एवं आनंदपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य रंगमंच की संस्कृति, समाज एवं शिक्षा में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करना तथा सांस्कृतिक संवेदनशीलता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री ज्योति डेमुडू उपस्थित रहीं। उनके साथ सम्मानित अतिथियों में सुश्री अर्चना शर्मा, सुश्री लता गुप्ता, सुश्री सुनीता गोयल, सुश्री मंजू पालीवाल, सुश्री निर्मला केडिया एवं सुश्री ज्योति उघड़े शामिल हुईं। कार्यक्रम का संचालन संस्थापक एवं अध्यक्ष श्री जी.के. भटनागर ने किया, जिन्होंने पारंपरिक रूप से गुलाबजल से अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। कक्षा 5 से 7 तक के विद्यार्थियों ने ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुत किए। वहीं कक्षा 1 की छात्रा ईशिका चौहान ने मोबाइल फोन के सजग उपयोग पर आधारित विशेष प्रस्तुति देकर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम का संचालन सुश्री भारती मरावी एवं मिस खुशी यादव ने किया। अतिथियों द्वारा प्रतिभागी विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया तथा बच्चों के लिए रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम का समापन देशभक्ति गीतों एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में श्री जी.के. भटनागर ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रंगमंच की रचनात्मकता युवा पीढ़ी को प्रेरित करती है और सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध सकारात्मक सोच विकसित करती है। सुधा सोसाइटी फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामुदायिक उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत एक समर्पित संस्था है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444